आज का मौसम
36.0° अधिकतम तापमान
23.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.03
सूर्यास्त 06.24

अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी 07:46 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2083

रविवार, 29 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 50, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- पश्चिम बंगाल चुनाव देश की सुरक्षा के लिए अहम - 11

बाहरी झटकों से वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव का जोखिम : वित्त मंत्रालय - 12

इजराइल ने ईरान पर बोला 50 विमानों से हमला - 13

चोटिल एमएस धोनी आईपीएल के पहले दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, आखिर क्यों उड़ी-उड़ी सी है नींद व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

विकसित यूपी की उड़ान का प्रतीक है नोएडा एयरपोर्ट

जेवर स्थित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन अवसर पर बोले प्रधानमंत्री | कार्गो टर्मिनल का किया लोकार्पण, 40 एकड़ में बनने वाली एमआरओ सुविधा का शिलान्यास

राज्य ब्यूरो,लखनऊ/ गौतम बुद्ध नगर

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण का भव्य शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण व 40 एकड़ में विकसित होने वाली अत्याधुनिक एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) सुविधा का शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री ने इसे 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नई उड़ान का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जेवर स्थित यह एयरपोर्ट आगरा, मथुरा, मेरठ, अलीगढ़, गाजियाबाद और बुलंदशहर समेत पूरे पश्चिम यूपी के जिलों के विकास को नई गति देगा। इससे किसानों, लघु उद्योगों और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने किसानों के योगदान को विशेष रूप से सराहते हुए कहा कि उनकी जमीन के सहयोग से यह परियोजना साकार हो पाई है, जिससे कृषि उत्पाद वैश्विक बाजार तक आसानी से पहुंच सकेंगे। कहा, उप्र देश का प्रमुख एविएशन हब बन रहा है। एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व यूपी के मुख्यमंत्री योगी।

मोदी बोले- कार्गो हब और कनेक्टिविटी से बढ़ेगा निर्यात

पीएम मोदी ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट एक मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी हब के रूप में विकसित किया गया है। जहां सड़क, रेल और हवाई सेवाओं का बेहतर समन्वय होगा। एयरपोर्ट का कार्गो हब शुरुआती चरण में 2.5 लाख मीट्रिक टन वार्षिक क्षमता के साथ कार्य करेगा, जिसे भविष्य में 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलेगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

एमआरओ सुविधा से आत्मनिर्भर बनेगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी तक देश के अधिकांश विमान मेंटेनेंस के लिए विदेश भेजे जाते हैं, जिससे भारी खर्च होता है। जेवर में बनने वाली एमआरओ सुविधा इस स्थिति को बदलेगी और भारत को एविएशन सेक्टर में आत्मनिर्भर बनाएगी। इससे हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

देशवासियों के भरोसे हम पश्चिम एशिया संकट का कर रहे मुकाबला : मोदी

पीएम मोदी ने कहा पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है, भारत इस संकट का पूरी शक्ति से सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध के कारण कई देशों में खाने-पीने के सामान, डीजल और खाद का संकट उत्पन्न हुआ है। लेकिन भारत अपनी जनता की ताकत के भरोसे इसे पूरी शक्ति से संभाल रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस प्रभावित देशों से मंगाता है। सरकार हर संभव कदम उठा रही है ताकि आम परिवारों और किसानों पर इसका बोझ न पड़े। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे धैर्य और एकजुटता के साथ इस चुनौती का सामना करें।

हवाई अड्डे का नया प्रतीक चिह्न बना 'सारस'

नोएडा। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने अपनी ब्रांड पहचान के लिए सारस-प्रेरित नया प्रतीक चिह्न अपनाया है, जो उप्र की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक, सतत विकास की सोच को दर्शाता है। प्रदेश के राजकीय पक्षी 'सारस' को प्रतीक चिह्न में शामिल कर इसे विशिष्ट और वैश्विक स्तर पर प्रभावी पहचान देने का प्रयास किया है।

हर दो मिनट में उड़ान की क्षमता

प्रधानमंत्री ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है, जहां भविष्य में हर दो मिनट में एक विमान के उड़ान भरने की क्षमता विकसित की जा रही है। यह पूरे उत्तर भारत को वैश्विक स्तर पर जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

यूपी के उज्ज्वल भविष्य का लांचपैड बनेगा हवाईअड्डा

- मुख्यमंत्री बोले- निवेश, रोजगार व कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई प्रदान करेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ गौतम बुद्ध नगर

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए इसे उत्तर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का 'लांचपैड' बताया। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट राज्य की अर्थव्यवस्था, निवेश और रोजगार को नई ऊंचाई देगा।

सीएम योगी ने कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश को वैश्विक एविएशन मानचित्र पर स्थापित करेगी। आगामी वर्षों में पांच रनवे के साथ यह एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान बनाएगा।

यह एयरपोर्ट यमुना एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे और हाईस्पीड रेल जैसे नेटवर्क से जुड़कर प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान करेगा। इससे निवेश, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई केंद्रीय व राज्यमंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

एक्साइज ड्यूटी कटौती पर जताया आभार

मुख्यमंत्री योगी ने पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। अमेरिका जैसे विकसित देश में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम आसमान छूते दिख रहे हैं, लेकिन भारत में दाम नियंत्रित है। इनकी आपूर्ति सुगम बनाई गई है।

किसानों के योगदान को सराहा

मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट निर्माण के लिए भूमि देने वाले किसानों का आभार जताया और कहा कि किसानों ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए 13 हजार एकड़ जमीन दिया। किसानों ने पूरी प्रक्रिया में सकारात्मक योगदान दिया, जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर विकास के कार्यक्रम को बढ़ाया। उन्हें समयबद्ध मुआवजा व पुनर्वास के साथ जोड़ा गया।

ब्रीफ न्यूज

अयोध्या में बने यज्ञशाला में आग, जनहानि नहीं

अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर आयोजित एक महायज्ञ के दौरान शनिवार को यज्ञशाला में भीषण आग लग गई, जिससे पूरा पंडाल आग की लपटों में घिर गया। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। यह आयोजन परिवहन मंत्री दयाशंकर द्वारा कराया जा रहा था।

फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई। विशाखापत्तनम से दिल्ली जा रहा इंडिगो का विमान इंजन में खराबी के कारण शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतरा गया। उड़ान 6E 579 के एक इंजन में खराबी के कारण इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्वाह्न 10 बजकर 39 मिनट पर पूर्ण आपात स्थिति घोषित की गई।

विज्ञान पुरस्कार के लिए नामांकन शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के वास्ते शुरू किए गए राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (आरवीपी) 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, यह पुरस्कार विज्ञान, प्रौद्योगिकी व नवाचार में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दर्शाता है।

लश्कर के आतंकी की संपत्ति कुर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को रियासी जिले में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए काम करने वाले मोहम्मद कासिम की अचल संपत्ति कुर्क की।

छात्र को आतंकी कहा, प्रो. पर प्राथमिकी दर्ज

बेंगलुरु। यहां कक्षा में एक छात्र को आतंकवादी कहने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में शनिवार को एक निजी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। प्रोफेसर द्वारा छात्र को डांटते हुए कक्षा में बाधा डालने का आरोप लगाने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

नेपाल में नई सरकार के शपथ लेते ही पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में पिछले साल सितंबर में हुए 'जेन जेड' विरोध-प्रदर्शनों की जांच करने वाले उच्चस्तरीय आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने के नवगठित सरकार के फैसले के एक दिन बाद शनिवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को गिरफ्तार कर लिया गया। नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई नवगठित मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने का फैसला किया गया था।

पुलिस ने बताया कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष ओली को शनिवार तड़के काठमांडू से 12 किलोमीटर पूर्व भक्तपुर जिले के गुंडू इलाके से गिरफ्तार किया गया। पूर्व गृह मंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के नेता रमेश लेखक को भी भक्तपुर जिले की सूर्यविनायक नगरपालिका के कटुंजे स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है। ओली और लेखक को पिछले साल आठ और नौ सितंबर को हुए 'जेन जेड' आंदोलन को दबाने में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस आंदोलन में कई युवाओं सहित 76 लोग मारे गए थे। 'जेन जेड' आंदोलन से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने ओली और लेखक सहित अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले में कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है। बालेंद्र के नेतृत्व वाली नेपाल की नवगठित सरकार ने शुक्रवार को अपनी पहली मंत्रिमंडल बैठक में जांच आयोग की सिफारिशों को तत्काल लागू करने का निर्णय लिया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन किया।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली गिरफ्तार।

- जेन जेड के विरोध-प्रदर्शनों पर कार्रवाई के सिलसिले में की गई कार्रवाई
- जांच करने वाले उच्चस्तरीय आयोग की रिपोर्ट के आधार पर हुई गिरफ्तार

10 साल तक की जेल की सजा की सिफारिश

गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने ओली की गिरफ्तारी के बाद एक पोस्ट में लिखा, कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अब देश को एक नई दिशा मिलेगी। ओली और लेखक को भद्रकाली स्थित काठमांडू जिला पुलिस सर्किल में हिरासत में रखा गया है। जांच आयोग ने इस अपराध के लिए तीन से 10 साल तक की जेल की सजा की सिफारिश की है। काठमांडू के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि शनिवार को अवकाश होने के कारण उन्हें रविवार को काठमांडू जिला अदालत में पेश किया जाएगा।

इंस्टा पर लाइव आने के बाद युवक ने की आत्महत्या

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी में एक युवक ने इंस्टाग्राम पर लाइव आने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह घटना शुक्रवार रात जिले के देहात थाना क्षेत्र में हुई। मनोज रजक (22) नामक युवक के आखिरी पलों का करीब 14 मिनट का वीडियो भी सामने आया है। देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया कि युवक ने लाइव चैट के दौरान अपने दोस्तों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया और उन्हें 'फ्लाइंग किस' दी, इसके बाद उसने छत के पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

डीआईजी पर हमले में 16 दोषियों को उम्रकैद

मुरादाबाद। मैनाठेर कोतवाली क्षेत्र में 6 जुलाई 2011 को लूटपाट, आगजनी व डीआईजी पर जानलेवा हमले में शनिवार को अदालत ने 16 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक पर 55 हजार अर्थदंड भी लगाया। मामले में 25 अपराधियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल गई थी, जबकि 33 नामजद थे। चार्जशीट में 6 बाल अपचारी थे, जिनमें 3 की मौत हो चुकी है।

चार जुलाई 2011 को मैनाठेर कोतवाली क्षेत्र के गांव में युवती के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ की गई थी। 5 जुलाई को दर्ज मुकदमे में नाजमद आरोपी को असालतनगर बघा के मुस्लिम को पकड़ने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। सूचना पर पहुंचे तत्कालीन डीआईजी अशोक व अन्य पुलिस कर्मियों पर भीड़ ने हमला किया था। डीआईजी को मरणासन्न स्थिति में पुलिस टीम ने किसी प्रकार भीड़ के चंगुल से निकाला था।

- मुख्य दोषी की हो चुकी मृत्यु, छह बाल अपचारियों पर मुकदमा विचाराधीन

47000 टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचा 'जग वसंत'

अहमदाबाद। पश्चिमी एशिया संकट के बीच होर्मुज को पार करते हुए भारतीय ध्वज वाला पोत 'जग वसंत' 47,000 टन द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर गुजरात के जामनगर स्थित वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण के अनुसार, कुवैत के मीना अल अहमदी बंदरगाह से सामान लेकर एमटी जग वसंत शुक्रवार रात 8:30 बजे वडीनार बंदरगाह पर पहुंचा। बंदरगाह पर पहुंचने के बाद पोत से पोत में एलपीजी का स्थानांतरण किया जा रहा है। बंदरगाह के एक अधिकारी ने बताया, 230 मीटर लंबा यह पोत वर्तमान में 17,600 टन एलपीजी को अपने सहायक पोत एमटी रोज गैस में स्थानांतरित कर रहा है, जिसमें लगभग 15 घंटे लगने की उम्मीद है। स्थानांतरण के बाद, सहायक पोत आगे एलपीजी उतारने के लिए कांडला के लिए रवाना होगा। मुख्य पोत 'जग वसंत' पर लदे 20,000 टन माल को मुंबई में उतारा जाएगा और लगभग 9,000 टन माल को बाद में मंगलुरु में उतारा जाएगा।

आइसक्रीम बेचने आये युवक की हत्या, सिर चूल्हे में जलाया

टिकैतनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : शनिवार दिनदहाड़े सरयू नदी की तराई में हुई घटना जिसने सुनी, वह सहम गया। पहली बार साइकिल से आइसक्रीम बेचने गांव गए साइकिल सवार की बिना किसी विवाद के गर्दन काटकर अलग कर दी गई और मनोरोगी हत्यारे ने घर ले जाकर सिर चूल्हे में जला डाला। एसपी, सीओ पुलिस बल के साथ पहुंचे और हत्यारोपी को घर से दबोच लिया।

बब्लू (फाइल फोटो)

टिकैतनगर क्षेत्र का परसावल सरयू नदी के उस पार बसा हुआ है। शनिवार सुबह दरियाबाद के पारा बेहटा निवासी बब्लू (21) साइकिल से आइसक्रीम बेचने परसावल गया था। गांव की ओर जाते समय रास्ते में शंकर नामक अधेड़ ने उसे आवाज दी, ग्राहक जान बब्लू रुक गया। इसी बीच शंकर ने बांके से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल बब्लू जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। हत्यारे ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। शंकर सिर लेकर खेत में बने छप्परनुमा घर चला गया, जहां चूल्हा जलाकर उसमें कटा सिर रख दिया। इसी बीच एसपी अर्पित विजयवर्गीय, सीओ रामसनेहीघाट जटाशंकर मिश्र भी पहुंच गए। पुलिस की दबिश में आरोपी शंकर दबोचा गया।

रेमंड समूह के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का निधन

कानपुर, अमृत विचार। रेमंड समूह के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया(87) का शनिवार शाम मुंबई में निधन हो गया। उनका जन्म 1938 में कानपुर में हुआ था। बाद में उनका परिवार मुंबई में बस गया था। उन्होंने 1980 से 2000 तक रेमंड समूह के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया। 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने उन्हें पद्मभूषण सम्मान प्रदान किया था। उन्होंने गर्म हवा के गुब्बारे में सबसे अधिक ऊंचाई प्राप्त करने का विश्व रिकार्ड भी बनाया था।

विजयपत सिंघानिया।

सुप्रीम आदेश | रेप पीड़िताओं के नाम उजागर करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सभी हाईकोर्ट को निर्देश जारी

कोर्ट के आदेशों में दुष्कर्म पीड़िताओं की पहचान उजागर न हो

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने रेप मामले में एक लड़की की पहचान उजागर किए जाने की कड़ी भर्त्सना की है और सभी उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि अदालत के आदेशों में पीड़िताओं और उनके परिवार के सदस्यों के नाम का उल्लेख न हो।

शीर्ष अदालत ने 2018 में 'निपुण सक्सेना' मामले में अपने फैसले में कहा था, कोई भी व्यक्ति प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया आदि में पीड़िता का नाम प्रकाशित या प्रसारित नहीं कर सकता और न ही किसी भी रूप में ऐसे तथ्य उजागर कर सकता है जिससे पीड़िता की पहचान सामने आए या आम जनता को उसकी पहचान पता चल सके।

- कोई भी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया में पीड़िता का नाम प्रकाशित या प्रसारित नहीं कर सकता

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस फैसले का पालन न होने के पीछे अदालतों की सामान्य उदासीनता और संभवता ऐसे अपराधों से जुड़े गहरे सामाजिक कलंक के प्रति जागरूकता की कमी को जिम्मेदार ठहराया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि विधायिका ने 1983 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में एक प्रावधान जोड़ा था, जिसका उद्देश्य धारा 376 के तहत अपराध की पीड़िता की पहचान सुरक्षित रखना था। इसने कहा कि यह संशोधन मुख्य रूप से उस गंभीर समस्या से निपटने के लिए किया गया था, जो यौन अपराध के मामलों के निपटारे के तरीके से स्पष्ट रूप से सामने आई थी, खासकर पीड़िता की पहचान का सार्वजनिक खुलासा करने जैसी समस्या। इसलिए पीठ ने निर्देश दिया कि इस फैसले की एक प्रति सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल को भेजी जाए। अदालत ने भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 228ए का भी उल्लेख किया, जो रेप सहित यौन अपराधों की पीड़िताओं की पहचान उजागर करने पर रोक लगाती है, ताकि उन्हें सामाजिक कलंक से बचाया जा सके। ये टिप्पणियां हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के एक आदेश को रद्द करते समय की गईं, जिसमें नौ-वर्षीय लड़की के रेप के मामले में एक व्यक्ति की सजा को उलट दिया गया था, और कहा गया था कि अदालतों को छोटे मतभेदों को अत्यधिक महत्व नहीं देना चाहिए।

पीड़िता के नाम को किसी अन्य गवाह की तरह माना गया

शीर्ष अदालत ने कहा कि 1983 से पहले, महिला यौन उत्पीड़न की पीड़िता का नाम या विवरण प्रकाशित करने पर कोई कानूनी रोक नहीं थी, और अदालत की रिपोर्टिंग एवं मीडिया कवरेज से पीड़िताओं को सामाजिक कलंक एवं बहिष्कार का दंश झेलने के साथ आजीवन प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता था। पीठ ने कहा, स्पष्ट रूप से, इन कार्यवाहियों में इस धारा के उद्देश्य को नजरअंदाज किया गया है। पीड़िता के नाम को किसी अन्य गवाह की तरह माना गया है और पूरे रिकॉर्ड में स्वतंत्र रूप से इसका उपयोग किया गया है। इसकी कड़ी भर्त्सना होनी चाहिए। वास्तव में, इस अदालत ने पहले भी देखा है कि इस प्रावधान का पालन नहीं किया जा रहा है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 29 मार्च 2026

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का रिमोट से उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, साथ में मौजूद राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व अन्य। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

जेवर एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 स्थापित करेगा नये मानक

अमृत विचार, लखनऊ /नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 अत्याधुनिक तकनीक और इको-फ्रेंडली निर्माण के चलते देश के सबसे आधुनिक एयरपोर्ट टर्मिनलों में शामिल होने जा रहा है। करीब 1.37 लाख वर्ग मीटर में फैला यह टर्मिनल क्षमता, गति और यात्री सुविधाओं के मामले में नया मानक स्थापित करेगा। एयरपोर्ट का निर्माण एलसी 3 (लो-कार्बन) तकनीक से किया गया है, जिससे पारंपरिक सीमेंट की तुलना में पर्यावरण पर कम प्रभाव पड़ेगा। इसे ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रमुख उदाहरण माना जा रहा है। टर्मिनल में 48 चेक-इन काउंटर, 20 सेल्फ बैगेज ड्रॉप और 9 सिक्योरिटी चेक लेन की व्यवस्था होगी, जिससे यात्रियों को तेज और सुगम सेवाएं मिलेंगी। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए फास्ट-ट्रैक सुविधा के साथ अलग इमिग्रेशन काउंटर भी बनाए गए हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अलग-अलग एयरोब्रिज और बोर्डिंग गेट की व्यवस्था संचालन को और सुचारु बनाएगी। एयरपोर्ट प्रति घंटे करीब 30 उड़ानों के संचालन और सालाना 2.5 लाख मीट्रिक टन कार्गो हैंडलिंग क्षमता के साथ तैयार है। यह टर्मिनल न केवल यात्री सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि जेवर एयरपोर्ट को देश के प्रमुख एविएशन और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगा।

जेवर एयरपोर्ट देगा 'भारत दर्शन' का अनुभव

अमृत विचार,लखनऊ/जेवर : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक आधुनिक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक बनकर उभर रहा है। इसके वास्तु और इंटीरियर डिजाइन में उत्तर प्रदेश की विरासत को प्रमुखता से शामिल किया गया है, जिससे यात्रियों को 'भारत दर्शन' जैसा अनुभव मिलेगा। एयरपोर्ट के डिजाइन में पारंपरिक हवेली शैली की झलक दिखाई देगी। मेहराब, आंगन और पारंपरिक स्थापत्य तत्व यात्रियों को प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ेंगे और आधुनिक ढांचे के बीच एक अलग पहचान बनाएंगे। टर्मिनल को गंगा घाट की थीम पर मल्टी-लेवल संरचना में विकसित किया जा रहा है, जिससे वाराणसी घाट और हरिद्वार घाट जैसा आध्यात्मिक अनुभव मिलेगा। सीढ़ीनुमा डिजाइन, खुले स्थान और विशेष प्रकाश व्यवस्था शांत और सुकून भरा माहौल तैयार करेंगे। एयरपोर्ट के सौंदर्यीकरण में देशभर के पारंपरिक हैंडीक्राफ्ट्स का उपयोग किया जा रहा है, जो भारतीय कला और कारीगरी को वैश्विक मंच देगा। आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक पहचान के इस अनूठे संगम से जेवर एयरपोर्ट देश के अन्य एयरपोर्ट्स से अलग और विशिष्ट पहचान बनाने की ओर अग्रसर है।

कनेक्टिविटी का रिकॉर्ड बनाएगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

दिल्ली पर निर्भरता होगी कम, उत्तर भारत के यात्रियों के लिए बड़ी राहत, एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेसवे से सीधे जोड़ा गया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/जेवर

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के सबसे बड़े एविएशन हब के रूप में विकसित होने के साथ अब कनेक्टिविटी के मामले में भी नया रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रहा है। सड़क, रेल, मेट्रो और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क से जुड़कर यह एयरपोर्ट उत्तर भारत के यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा।

एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेसवे से सीधे जोड़ा गया है, जबकि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के लिंक से दक्षिण हरियाणा और पश्चिमी भारत से तेज कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। आगे गंगा एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से भी पहुंच और मजबूत होगी।

रेल और रैपिड रेल कनेक्टिविटी

रेल और रैपिड रेल कनेक्टिविटी को लेकर भी बड़ा काम हो रहा है। दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने वाली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना का डीपीआर केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। साथ ही, चोला-रुंधी रेल लाइन से कनेक्टिविटी के लिए भी योजना तैयार की जा रही है। भविष्य की दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल लाइन में जेवर टर्मिनल पर स्टेशन का प्रावधान इस एयरपोर्ट को और खास बनाएगा।

अंतरराज्यीय बस सेवाएं होंगी शुरू

यात्रियों के लिए कैब और कार रेंटल सेवाएं भी उपलब्ध होंगी, जिससे सफर और आसान बनेगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटी) के साथ समझौता किया गया है। उत्तर प्रदेश सहित उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान से अंतरराज्यीय बस सेवाएं शुरू की जाएंगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण उत्तर प्रदेश (यीडा) मिलकर 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाएंगे, जो एयरपोर्ट तक पर्यावरण अनुकूल अंतिम माइल कनेक्टिविटी देंगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर घटेगा दबाव

बेहतर कनेक्टिविटी के चलते अब इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए केवल दिल्ली पर निर्भरता नहीं रहेगी। उत्तर भारत के यात्रियों को जेवर से सीधी सुविधा मिलने से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर दबाव भी कम होगा। क्योंकि इससे पहले इंटरनेशनल फ्लाइट पकड़ने के लिए लोगों को दिल्ली जाना पड़ता था। अब यह सुविधा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मिलने के बाद कई राज्यों के लोगों की सहूलियत बढ़ जाएगी।

सारस की उड़ान बनी एयरपोर्ट की पहचान

- राजकीय पक्षी से सजा प्रतीक चिन्ह, विकास के साथ विरासत का संदेश

अमृत विचार, लखनऊ/जेवर : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने अपनी ब्रांड पहचान को खास बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस को अपने लोगो के रूप में अपनाया है। यह कदम राज्य की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने और पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में अहम माना जा रहा है।

एयरपोर्ट का यह नया प्रतीक न केवल इसकी ब्रांडिंग को मजबूत करेगा, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान भी दिलाएगा।

डिजाइन में तकनीक और इको-फ्रेंडली सोच का मेल: एयरपोर्ट के लोगो में उड़ते हुए सारस को दर्शाया गया है, जो प्रगति, आत्मविश्वास और नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ते उत्तर प्रदेश का प्रतीक है। यह पहल योगी आदित्यनाथ के "विकास के साथ विरासत" विजन को भी दर्शाती है, जिसमें आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सांस्कृतिक पहचान और पर्यावरण संतुलन पर जोर दिया गया है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का यह नया प्रतीक न केवल इसकी ब्रांडिंग को मजबूत करेगा, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान भी दिलाएगा। डिजाइन में तकनीक और इको-फ्रेंडली सोच का मेल: लोगो का डिजाइन पतली और एकीकृत रेखाओं से तैयार किया गया है, जो गति, तकनीक और बेहतर कनेक्टिविटी का संकेत देता है। वहीं नीले-हरे रंग का ग्रेडिएंट आधुनिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को दर्शाता है। जो योगी आदित्यनाथ की ग्रीन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट नीति के अनुरूप है।

आठ वर्षों में सपना साकार

अमृत विचार, लखनऊ/जेवर : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) आठ वर्षों के सतत प्रयास, समन्वय और समयबद्ध क्रियान्वयन के बाद अब हकीकत बन चुका है। मार्च 2026 में एयरोड्रम लाइसेंस मिलने और फेज-1 के लोकार्पण के साथ यह एयरपोर्ट संचालन के लिए तैयार है, जो उत्तर प्रदेश को वैश्विक एविएशन हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना की नींव वर्ष 2017 में पड़ी, जब साइट क्लीयरेंस और आवश्यक एनओसी प्राप्त हुईं। वर्ष 2018 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड का गठन हुआ और 2020 में ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी को कंसेशनायर चुना गया। अगस्त 2021 में फाइनेंशियल क्लोजर और मास्टर प्लान की मंजूरी के बाद अक्टूबर 2021 में 'अपॉइंटेड डेट (तिथिवार कार्ययोजना)' घोषित हुई, जिसके बाद मार्च 2022 से निर्माण कार्य शुरू हुआ और टाटा प्रोजेक्ट्स को ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोकरमेंट एंड कन्सट्रक्शन) कॉन्ट्रैक्टर नियुक्त किया गया। जिसे तय समयसीमा 2022 से 2024 के बीच पूरा किया गया। अक्टूबर 2025 में कैलिब्रेशन फ्लाइट सफल रही और मार्च 2026 में एयरपोर्ट संचालन के लिए पूरी तरह तैयार हो गया।

प्रदेश के पर्यटन शहरों तक पहुंच हो जाएगी आसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/जेवर

- जेवर से सीधे यूपी हार्टलैंड में प्रवेश कर सकेंगे विदेशी पर्यटक

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से उत्तर प्रदेश में पर्यटन, निवेश और व्यापार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। यमुना एक्सप्रेसवे किनारे स्थित यह एयरपोर्ट अब विदेशी पर्यटकों के लिए यूपी के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों तक सीधे पहुंच का नया विकल्प बनेगा। साथ ही उप्र. को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा।

अब तक विदेशी पर्यटकों को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन जेवर एयरपोर्ट के संचालन से आगरा, मथुरा-वृंदावन, फतेहपुर सीकरी, अयोध्या और वाराणसी जैसे प्रमुख स्थलों तक पहुंच आसान होगी। यमुना एक्सप्रेसवे के जरिए आगरा और फतेहपुर सीकरी तक 1.5 से 2 घंटे तथा मथुरा-वृंदावन तक करीब 90 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। इन धार्मिक स्थलों पर बीते नौ वर्षों में विदेशी पर्यटकों की संख्या में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। यूपी, जिसे 'लैंडलॉक्ड' माना जाता है, अब हवाई मार्ग से दुनिया से जुड़कर विदेशी पर्यटन के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयां छू सकता है।

यह एयरपोर्ट न केवल धार्मिक पर्यटन, बल्कि इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा देगा। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान और जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान जैसे प्राकृतिक स्थलों तक भी पहुंच सुगम होगी। इसके साथ ही मेडिकल, बिजनेस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को भी गति मिलेगी। होटल, रेस्टोरेंट, गाइड सेवा और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलेगा।

उद्योग, निर्यात और रोजगार का मेगा हब बनेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

राज्य ब्यूरो,लखनऊ/जेवर

- मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए 'गेमचेंजर' बताया

अमृत विचार : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास के नए युग की शुरुआत का संकेत दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए "गेमचेंजर" बताते हुए कहा कि यह परियोजना निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों के द्वार खोलेगी।

एयरपोर्ट के निर्माण के साथ यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र तेजी से औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में उभर रहा है। यहां देश-विदेश की कंपनियों ने निवेश में रुचि दिखाई है। आसपास मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, डेटा सेंटर, एमएसएमई पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, अपैरल और टॉय पार्क जैसे बड़े प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में सेमीकंडक्टर यूनिट की आधारशिला रखे जाने से इस क्षेत्र को हाईटेक इंडस्ट्री का भी बढ़ावा मिला है। जेवर एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए निवेश, उद्योग, निर्यात और रोजगार का समग्र विकास मॉडल बनकर उभर रहा है, जो राज्य को आर्थिक रूप से नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मल्टी-मोडल कार्गो हब उत्तर प्रदेश को वैश्विक बाजार से सीधे जोड़ेगा। इससे प्रदेश के उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय पहुंच आसान होगी और निर्यात में तेजी आएगी।

पहली उड़ान : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यूपी सरकार के राजकीय वायुयान ने जेवर रनवे से पहली उड़ान भरी। इस विशेष उड़ान में प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा से लखनऊ तक का सफर तय किया।

खेल प्रशिक्षकों की भर्ती को 10 तक मांगे आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. खेल विभाग ने आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों की भर्ती के लिए तैयारी शुरू कर दी है। चयनित प्रशिक्षकों को 1.5 लाख प्रति माह का मानदेय दिया जाएगा। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल सिन्हा के अनुसार, राज्य के 15 खेल छात्रावासों में योग्य प्रशिक्षकों की तैनाती की जाएगी। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल निर्धारित की गई है। इन पदों के लिए वही खिलाड़ी पात्र होंगे, जिन्होंने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया हो। आवेदक का स्नातक होना अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन कार्य दिवसों में केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित क्षेत्रीय खेल कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

चिंताजनक स्थिति

बैठक में मंडलायुक्त बोले- ब्लैक स्पॉट सुधारें, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ मंडल में दो माह में सड़क दुर्घटनाओं में हुआ इजाफा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राजधानी लखनऊ में दुर्घटनाएं सबसे ज्यादा 26.2 प्रतिशत बढ़ीं

अमृत विचार: लखनऊ मंडल में जनवरी और फरवरी 2026 के बीच सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यातायात निदेशालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मंडल में कुल दुर्घटनाओं की संख्या 1049 से बढ़कर 1074 हो गई, जो 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। वहीं मृतकों की संख्या 549 से बढ़कर 551 हुई, जबकि घायलों की संख्या 732 से बढ़कर 832 पहुंच गई, जो 13.66 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

जिला स्तर पर देखें तो लखनऊ में स्थिति सबसे गंभीर रही। यहां दुर्घटनाएं 271 से बढ़कर 342 हो गईं, मृतक 99 से बढ़कर 128 और घायल 187 से बढ़कर 321 हो गए। लखनऊ में दुर्घटनाओं में 26.2 प्रतिशत, मृतकों में 29.3 प्रतिशत और घायलों में 71.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्नाव में दुर्घटनाएं लगभग स्थिर रहीं, लेकिन मृतकों की संख्या में कमी और घायलों में वृद्धि दर्ज की गई। रायबरेली में दुर्घटनाएं कम हुईं, लेकिन मृतक और घायल बढ़े। सीतापुर में दुर्घटनाओं में कमी आई, पर मृतकों की संख्या बढ़ी और घायलों में बड़ी गिरावट रही। लखीमपुर खीरी में हल्की वृद्धि हुई, लेकिन मृतक और घायल कम हुए। हरदोई एकमात्र ऐसा जिला रहा, जहां सभी तीन श्रेणियों में कमी दर्ज की गई।

बैठक में उपस्थित मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, परिवहन अधिकारी व अन्य।

मंडलीय बैठक में हुई गंभीर चर्चा : मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन, पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जबकि अन्य जिले ऑनलाइन जुड़े। बैठक में 30 दिसंबर 2025 की पिछली बैठक के निर्णयों की समीक्षा की गई, जिसमें दुर्घटनाओं की बढ़ोतरी को चिंताजनक बताया गया।

हिट एंड रन मामलों में लापरवाही उजागर

बैठक में राहवीर योजना की समीक्षा में पाया गया कि वर्ष 2025 में केवल 11 प्रस्ताव भेजे गए थे और लखनऊ से कोई भी प्रस्ताव नहीं गया। 2026 में अब तक लखनऊ और लखीमपुर खीरी से 2-2 प्रस्ताव प्राप्त हुए। आयुक्त ने योजना के प्रचार-प्रसार और ट्रॉमा सेंटर स्तर पर प्रक्रिया स्पष्ट करने के निर्देश दिए। हिट एंड रन मामलों में लापरवाही भी उजागर हुई। लखनऊ में 24 मामले आए, लेकिन केवल 4 का निस्तारण हुआ। पूरे मंडल में 221 में से 131 मामले लंबित हैं। सभी मामलों का निस्तारण एक माह के भीतर करने के निर्देश दिए गए।

दुर्घटनाओं के कारणों की जांच और ब्लैक स्पॉट सुधार : आयुक्त ने सभी दुर्घटनाओं का विस्तृत विश्लेषण कराने के निर्देश दिए। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हादसे किसी विशेष मार्ग या ब्लैक स्पॉट पर अधिक हो रहे हैं या पूरे क्षेत्र में समान रूप से। वर्ष 2025 में मंडल में कुल 283 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए गए थे। इनमें 151 लोक निर्माण विभाग, 100 एनएचएआई और 32 एनएच पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आते हैं। सभी स्थानों को मानकों के अनुरूप सुधारने के निर्देश दिए गए।

फसलों के नुकसान पर मिली आर्थिक सहायता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बारिश से प्रभावित 9992 किसानों को मिली 4.47 करोड़ से अधिक की राहत
- ओलावृष्टि से प्रभावित 286 किसानों को दी 13.34 लाख रुपये की सहायता

अमृत विचार : प्रदेश में हालिया ओलावृष्टि और बारिश से फसलों को हुए नुकसान के बाद सरकार ने राहत कार्य तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

असमय ओलावृष्टि से 21 जिलों में 244.23 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई, जिसमें 286 किसानों को 13.34 लाख रुपये से अधिक की राहत दी गई है। वहीं अतिवृष्टि से 17 जिलों में 4053.11 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा, जिसमें 9992 किसानों को 4.47 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई। सहारनपुर के पांच गांवों में 11 हेक्टेयर फसल क्षति दर्ज हुई है, जबकि ललितपुर की 3 तहसीलों में 1650.75 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ, जहां 3142 किसान प्रभावित हैं। राज्य सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शेष किसानों को भी शीघ्र राहत दी जाए, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति संभाल सकें और आगामी फसल की तैयारी कर सकें।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, सड़क पर घिसटे तीन युवक, निजी अस्पताल में भर्ती

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में शनिवार को आउटर रिंग रोड पर बेकाबू ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर रगड़ने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने परिजन को सूचना दे दी है।

इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर ने बताया कि डॉयल-112 पर चकौली से अमौसी आउटर रिंग रोड पर सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन में पता चला कि बाइक से अरुण लोधी, रोहन लोधी और विशाल लोधी निवासी ग्राम चकौली थाना काकोरी लखनऊ अपने घर से सिटी मॉल खटोला में ड्यूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर घायलों को इलाज के लिए टीएस मिश्रा अस्पताल भिजवाया।

अस्पताल में इलाज कराते सड़क हादसे में घायल युवक। अमृत विचार

पिता-पुत्रों ने युवक को पीटा, दी धमकी

अमृत विचार, आलमबाग: कृष्णानगर कोतवाली ग्राम अलीनगर सुनहरा निवासी राम सागर ने बताया कि 26 मार्च की सुबह वह हाथ-मुंह धो रहे थे। इसी दौरान गांव के दयाशंकर यादव अपने बेटों अर्जुन यादव व दारा के साथ उनके घर आए। आरोपियों ने पुरानी रंजिश को लेकर जातिसूचक गालियां देते पिटाई कर दी। धमकाया कि पेशी पर गए तो बंदूक से उसे पूरे परिवार को जान से मार देंगे।

सॉल्वर गिरोह के सदस्यों की कुंडली खंगाल रही एसटीएफ

पूर्वी उत्तर प्रदेश से दिल्ली तक फैला नेटवर्क, कई जिलों में फैली हैं जड़े

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- विकासनगर इलाके से आठ सदस्यों को एसटीएफ ने किया था गिरफ्तार

अमृत विचार: फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के माध्यम से अभ्यर्थी के साथ स्क्राइब (श्रुत लेखक) के रुप में सॉल्वर भेजने वाले गिरोह के सदस्यों की कुंडली खंगली जा रही है। एसटीएफ ने पांच दिन पहले इस गिरोह का खुलासा किया था। आठ सदस्यों को लखनऊ के विकासनगर और मास्टर माइंड को गोरखपुर से गिरफ्तार किया था। गिरोह के सदस्यों ने झांसी, जालौन और ललितपुर के सिविल अस्पतालों से फर्जी प्रमाण पत्र बनवाये थे। यहां तैनात कर्मचारियों के बारे में जानकारी हासिल की जा रही है।

एसटीएफ ने सीबीएसई बोर्ड की ओर से आयोजित जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट परीक्षा व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जी पर्सन विद डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट के आधार पर स्क्राइब(लेखक) उपलब्ध करा कर नकल कराने वाले गिरोह के सरगना व अभ्यर्थियों समेत 9 लोगों गिरफ्तार किया था। पकड़े गए लोगों के नाम झांसी निवासी राज किशोर, दिल्ली निवासी नीरज झा,झांसी निवासी राम मिलन,सहारनपुर निवासी सत्यम कुमार, झांसी निवासी मनीष मिश्रा,आकाश अग्रवाल,सौरभ सैनी,जालौन निवासी अभिषेक यादव और अमेठी निवासी दीपक कुमार थे।

आरोपित मनीष मिश्रा गिरोह का सरगना है। इस गिरोह के में झांसा और ललितपुर के कुछ लोगों के शामिल होने की बात भी सामने आई थी। एसटएफ गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। इसके अलावा एसटीएफ यह भी पता कर रही है कि लखनऊ में तो कहीं गिरोह को कोई अन्य सदस्य सक्रिय नहीं है। एसटीएफ इस बारे में भी जानकारी जुटा रही है कि गिरोह के तार अन्य कितने जिलों से जुड़े हुए हैं।

सरकारी विभागों के कर्मचारी भी शामिल

- एसटीएफ के मुताबिक इस गिरोह में सरकारी विभाग के कर्मचारी भी शामिल है। अब तक की जांच में सामने आया कि तीन विभागों के कर्मचारियों की भूमिका सीधे तौर पर पायी गई है। इसमें सिविल अस्पताल झांसी, ललितपुर व जालौन के कर्मचारी प्रमाण पत्र बनवाने में मदद करते थे। इन सभी कर्मचारियों की तैनाती सीएमओ कार्यालय में है। वहीं, दो विभाग के कर्मचारी सॉल्वर के रुप में बैठे थे। इन कर्मचारियों ने विभाग से परीक्षा के लिए अवकाश भी नहीं लिया था। शहरी मंत्रालय कार्य लोक निर्माण विभाग में नीरज झा और आकाश पीडल्ब्यूडी का कर्मचारी है। एसटीएफ ने इन सभी विभागों को पत्र भेजकर फर्जीवाड़े के संबंध में जानकारी दी है। साथ ही इन कर्मचारियों के बारे में पूरी डिटेल मांगी है।

मेगा ट्रैफिक बना यात्रियों के लिए परेशानी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ मंडल में रेल पटरियों को मजबूत करने के लिए स्लीपर बदलने का कार्य शुरू किया जा रहा है, जिसके चलते 2 अप्रैल से 13 मई तक कई प्रमुख ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है। इस बदलाव का सीधा असर कानपुर और लखनऊ के बीच यात्रा करने वाले हजारों दैनिक यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे द्वारा लिए गए इस निर्णय के अनुसार आगरा-लखनऊ इंटरसिटी (12180) अब अपने निर्धारित मार्ग टूंडला, इटावा, फफूंद और कानपुर से होकर नहीं जाएगी। इसके बजाय यह ट्रेन आगरा फोर्ट से मथुरा, कासगंज और शाहजहांपुर के रास्ते लखनऊ पहुंचेगी। वहीं नई दिल्ली-लखनऊ शताब्दी एक्सप्रेस (12004) भी अब गाजियाबाद और मुरादाबाद के रास्ते संचालित होगी। अब यात्रियों के पास सीमित विकल्प ही बचे हैं। सुबह चार बजे अवध एक्सप्रेस और इसके बाद पैसेंजर ट्रेनें ही सहारा हैं, जिनसे यात्रा में अधिक समय लग रहा है। इटावा और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों का कहना है कि पहले इंटरसिटी ट्रेन उनके लिए सबसे सुविधाजनक साधन थी, लेकिन अब उन्हें अपने समय में बदलाव करना पड़ रहा है। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग के अनुसार यह बदलाव अस्थायी है।

युवती को ब्लैकमेल कर तेजाब फेंकने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: युवती की फोटो व वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर ब्लैकमेल करने और तेजाब फेंकने की धमकी देने वाले को पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पीड़िता के परिवार पर रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बनाते हुए जान से मारने की धमकी देनी शुरू कर दी थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को दबोचकर जेल भेजा।

- पीजीआई इलाके की घटना, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली युवती के पिता ने 4 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराया था। पिता के मुताबिक तेलीबाग के बलदेव बिहार निवासी अक्षय प्रताप सिंह ने उनकी बेटी की फोटो व वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी थी। धमकी देकर ब्लैकमेल करते हुए 35 हजार रुपये वसूल लिए। विरोध करने पर युवती पर तेजाब फेंकने तथा पूरे परिवार को गोली मारने की धमकी भी दी गई थी। पीड़िता के मुताबिक गुरुवार शाम युवती जब कुछ सामान लेने के लिए घर से निकली। तभी आरोपी अपने साथियों के साथ वहां पहुंच गया और उसे रोक लिया। आरोपी ने एफआईआर वापस लेने का दबाव बनाया और विरोध करने पर मारने का प्रयास किया। पीड़िता की कार में तोड़फोड़ भी की गई।

परिवार के मुताबिक आरोपी के मददगार अलग-अलग नंबरों से फोन कर लगातार धमकी दे रहे हैं। गुरुवार को परिवार नवरात्र का व्रत में होने के कारण थाने नहीं गया। शुक्रवार को थाने गया और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि 4 फरवरी को दर्ज मामले की जांच जारी है। वहीं ताजा मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पड़ोसी मैकेनिक ने बच्ची से की अश्लीलता, गिरफ्तार

- **अमृत विचार, लखनऊ:** ठाकुरगंज में मोटर मैकेनिक ने पड़ोसी की बच्ची को टॉफी दिलाने का लालच दिया। उसके बाद एक खाली प्लॉट में ले जाकर अश्लील हरकत की। विरोध पर पीटा। एक किशोर ने आरोपी की हरकत का वीडियो बना लिया। किशोर को देख आरोपी भाग निकला। किशोर ने बच्ची को घर पहुंचाकर वीडियो परिजन को दिखाया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले परिवार की 7 वर्षीय बच्ची शुक्रवार को घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोसी मोटर मैकेनिक रेहान ने टॉफी दिलाने का लालच देकर बच्ची को फंसाया। फिर उसे सुनसान इलाके में ले गया। वहां आरोपी उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध पर किशोरी को पीटा। पीड़िता की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे एक किशोर ने आरोपी का वीडियो बना लिया। इस दौरान आरोपी रेहान की नजर वीडियो बना रहे किशोर पर पड़ गई। यह देख वह भाग निकला। किशोर ने पीड़ित बच्ची को घर पहुंचाया और परिवारवालों को वीडियो दिखाया। परिजन ने बच्ची से बात की तो उसने रेहान की करतूत बतायी। परिवारवाले बच्ची को लेकर ठाकुरगंज थाने पहुंचे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने शुक्रवार देर रात आरोपी रेहान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शनिवार को आरोपी को जेल भेज दिया है।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ: इंदिरानगर बी-ब्लॉक में युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मूल रूप से हरदोई के अतरौली निवासी श्रवण कुमार कश्यप (30) परिवार संग बी-ब्लॉक में किराए पर रहता था। शनिवार शाम को श्रवण ने कमरे में दुपट्टे से फंदा लगा लिया। परिजन ने आनन-फानन में एंबुलेंस की मदद से उसे लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने श्रवण को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गाजीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। इंस्पेक्टर गाजीपुर राजेश मौर्य ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

इंडिया स्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन आज से

अमृत विचार, लखनऊ/नोएडा : केंद्र सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा आयोजित देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता, इंडियास्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन 2025-26, का भव्य आयोजन रविवार को ग्रेटर नोएडा में होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता युवाओं के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अद्वितीय मंच है। उप्र. सरकार ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। द्विवार्षिक प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 650 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रतियोगिता कुल 63 विभिन्न कौशलों (स्किल्स) में आयोजित होगी, जिसमें रोबोटिक्स, ग्रीन स्किल्स और भविष्य के रोजगार जैसे विषयों पर विशेष सत्र भी शामिल हैं। उद्घाटन समारोह 29 मार्च को दोपहर 3 से 5 बजे तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। प्रतियोगिता 30 मार्च से 1 अप्रैल तक इंडिया एक्सपो मार्ट के हॉल 9 से 12 में आयोजित होगी, जबकि समापन समारोह 2 अप्रैल को हॉल नौ में होगा।

संविदा कर्मियों को हटाने और अभियंताओं को निलंबित करने से आक्रोशित बिजली कर्मी।

संविदा कर्मियों की छंटनी और अभियंताओं के निलंबन पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन की ओर से लागू वर्टिकल व्यवस्था और हालिया कार्रवाईयों को लेकर उप्र संघर्ष समिति ने शनिवार को बिजली कर्मियों में भारी आक्रोश जताया। समिति ने चेतावनी दी कि हटाए गए संविदा कर्मियों की बहाली और अभियंताओं व कर्मचारियों के निलंबन की वापसी नहीं हुई तो अप्रैल में प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

समिति का आरोप है कि प्रबंधन निजीकरण की दिशा में मनमाने फैसले ले रहा है। राजधानी समेत कई शहरों में लागू वर्टिकल व्यवस्था के तहत बिजली आपूर्ति, बिलिंग, मीटरिंग और रखरखाव जैसे कार्य अलग-अलग अधिकारियों को सौंपे जाने से समन्वय और जवाबदेही प्रभावित हुई है। इससे बिजली व्यवस्था पर असर पड़ रहा है और गर्मियों में उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

संघर्ष समिति ने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था से उपभोक्ताओं की समस्याएं बढ़ी हैं। कई मामलों में भुगतान के बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो रही, जबकि सिंगल विंडो सिस्टम खत्म होने से लोग भटक रहे हैं। समिति का आरोप है कि प्रबंधन अपनी विफलताओं का ठीकरा कर्मचारियों पर डाल रहा है। बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों की छंटनी, पदों में कटौती और टीजी-2 कर्मचारियों को हटाने से असंतोष बढ़ा है। अलीगढ़ में मुख्य अभियंता के निलंबन से भी रोष गहरा गया है। केस्को समेत विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन जारी है।

कार पार्ट्स चोरी करने वाले दो को ग्रामीणों ने दबोचा

संवाददाता सरोजनीनगर

- सरोजनीनगर इलाके में हुई थी घटना, पुलिस को सौंपा

अमृत विचार: सरोजनीनगर इलाके में कार पार्ट्स चोरी करने वाले दो युवकों को स्थानीय लोगों ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दबोच लिया। इसके बाद उनकी धुनाई कर पुलिस को सौंप दिया। आरोपियों के पास से चोरी का सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दिया है।

सरोजनीनगर के शराफत नगर कॉलोनी रामवृक्ष यादव (बबलू) परिवार के साथ रहते हैं। रामवृक्ष के मुताबिक वह ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नंबर 2 के सामने प्राथमिक विद्यालय के बगल बबलू मोटर्स नाम से गैराज चलाते हैं। उनके गैराज से 17 मार्च 2026 को अलग-अलग गाड़ियों के हेड, ब्लॉक, ऑयल पंप, चेंबर सहित अन्य पार्ट्स चोरी हो गए थे। काफी तलाश के बावजूद सामान का सुराग नहीं लग पाया था। 25 मार्च को दानिश के वाहन से भी मोटर पार्ट्स चोरी हो गए थे, जबकि इससे पहले महेंद्र प्रताप (रिंकू) त्रिवेदी की कबाड़ी दुकान से भी काफी सामान चोरी हो चुका है। रामवृक्ष के मुताबिक एक दुकान पर लगे सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध युवक की तस्वीर कैद हुई थी। इसी आधार पर तलाश शुरू की गई, पता चला कि संदिग्ध बदालीखेड़ा में देखा गया है। रामवृक्ष ने अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचकर संदिग्ध को पकड़ लिया। उससे पूछताछ करने के बाद पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी साहिद खान उर्फ अब्दुल समर खान बाराबंकी के बेगमगंज का रहने वाला है। उसकी निशानदेही पर नादरगंज के गिनदनखेड़ा स्थित अमन कश्यप की कबाड़ की दुकान दुकान से चोरी का सामान बरामद किया। इस दौरान पुलिस ने अमन को भी गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर के मुताबिक रामवृक्ष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

सिटी डायरी

नाटक माई फर्स्ट एनकाउन्टर ने खोली कानून व्यवस्था की पोल

नाटक माई फर्स्ट एनकाउंटर का मंचन करते कलाकार।

अमृत विचार, लखनऊ: सवेरा फाउंडेशन की ओर से शनिवार को शाम को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में नाटक माई फर्स्ट एनकाउन्टर का मंचन किया गया। मोहम्मद अनवर बेग द्वारा लिखित और श्रीपाल गौड़ द्वारा निर्देशित यह नाटक पुलिस व्यवस्था, कर्तव्य और सामाजिक बदलाव पर आधारित है। इस नाटक में मुख्यमंत्री की ओर से कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने का आदेश मिलता है तो पुलिस अधिकारियों की ओर से अपराधियों के एनकाउंटर के निर्देश जारी किये जाते हैं। नाटक का मुख्य पात्र इन्स्पेक्टर विक्रम सिंह है। अपने अधिकारी की सलाह पर वो एक मामूली चोर का एनकाउंटर करने की योजना तैयार करता है। हवलदार गुरु प्रसाद विक्रम सिंह को उसकी शपथ याद दिलाता है तो उसे अपनी गलती का अहसास होता है। बाद में उसका थाना ही आदर्श थाना घोषित किया जाता है।

सृजन सम्मान से सम्मानित किए गए साहित्यकार।

राहुल व अंजू को मिला सृजन सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश साहित्य सभा और प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को प्रेस क्लब में सृजन सम्मान की 167वीं कड़ी का आयोजन किया गया। इस बार का सृजन सम्मान राहुल द्विवेदी स्मित और अंजू हरि श्रीवास्तव को दिया गया। सच्चिदानंद तिवारी 'शलभ' की अध्यक्षता में हुए सृजन सम्मान और काव्य समारोह के मुख्य अतिथि केवल प्रसाद 'सत्यम', और विशिष्ट अतिथि डॉ. सुभाष गुरुदेव थे। दोनों रचनाकारों को यह सम्मान रवींद्र सिंह और हसीब सिद्दीकी ने सौंपा। दीपक शर्मा सार्थक के संचालन में हुए कवि सम्मेलन की शुरुआत वर्षा श्रीवास्तव ने वाणी वंदना से की। कवि सम्मेलन में विनोद शंकर शुक्ल 'विनोद', केपी त्रिपाठी 'पुंज', सुशील श्रीवास्तव, रमाशंकर सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद व्यापारी।

होली व ईद मिलन समारोह आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति ने शनिवार को सदर बाजार में होली व ईद मिलन समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर व्यापारियों ने फूलों की होली खेली और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति के अध्यक्ष वसी उल्ला आजाद ने इस मौके पर कहा कि व्यापारी सभी त्यौहार मिलजुलकर मनाते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी एक दूसरे के दुख सुख में शामिल रहते हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी में आलमबाग, सदर, अमीनाबाद, नक्खास और महानगर में 5 साप्ताहिक बाजारें लगती हैं। होली व ईद मिलन समारोह में हाजी कलीम अहमद मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

आयोजन

एलडीए कालोनी में आयोजित हुआ भारतीय वैश्य महासभा का होली मिलन एवं सम्मान समारोह

सभी पार्टियों से मांगे वैश्य समाज ने टिकट, बढ़ाएं राजनीतिक कद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शिव आश्रम एलडीए कॉलोनी में भारतीय वैश्य महासभा की ओर से होली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वैश्य समाज के लोगों ने सहभागिता की।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि भारतवर्ष में वैश्य समाज की आबादी लगभग 20 प्रतिशत है, वर्तमान में अपने लगभग 356 उपवर्गों में विभाजित होकर अलग-अलग संस्थाओं के माध्यम से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि महासभा का मुख्य उद्देश्य इन सभी उपवर्गों को एकजुट कर एक सशक्त वैश्य शक्ति के रूप में स्थापित करना है। प्रदेश में वैश्य समाज का प्रतिनिधित्व नगण्य है। वर्तमान में केवल 22 विधायक और 2 सांसद ही इस समाज से हैं। उन्होंने आह्वान किया कि समाज को संगठित होकर आने वाले उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों में सभी पार्टियों से अधिक टिकटों की मांग करनी चाहिए। सुधीर एस हलवासिया ने कहा कि आने वाला समय चुनौतीपूर्ण है, इसलिए समाज को एकजुट होकर अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करनी होगी।

होली मिलन एवं सम्मान समारोह में सम्मानित किए गए वैश्य समाज के लोग। अमृत विचार

कार्यक्रम में डॉ. डीएस. गुप्ता, प्रमोद गुप्ता (महराजगंज), अभिषेक मोहन (लखनऊ), सत्य प्रकाश गुप्ता नजरिया पुरुष, राकेश कुमार वार्ष्णेय (एटा) एवं राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष गीता वार्ष्णेय, सोम गुप्ता, कानपुर सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे और वैश्य समाज की एकता एवं सशक्तिकरण पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. एसपी गुप्ता को नजरिया पुरुष को प्रदेश महासचिव, डॉ. डीएस गुप्ता प्रदेश मंत्री, उमेश गर्ग प्रदेश सचिव, अभिषेक मोहन जायसवाल एवं प्रमोद गुप्ता प्रदेश संगठन मंत्री बनाए गए।

हरी ओम गुप्ता, लखनऊ महानगर का प्रभारी, ऋषि कुमार गुप्ता लखनऊ महानगर महासचिव, वैभव माहेश्वरी लखनऊ, युवा प्रभारी उत्तर प्रदेश, मीरा वार्ष्णेय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला सभा, अनूप कुमार गुप्ता को प्रदेश उपाध्यक्ष आदि का मनोनयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सत्यप्रवीर गुप्ता, राष्ट्रीय महासचिव द्वारा किया गया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी अर्पित बंसल ने दी।

भाजपा महानगर द्वारा कैंट मंडल के प्रशिक्षण में मौजूद भाजपा नेता।

प्रशिक्षण कार्यकर्ता निर्माण की कुंजी: द्विवेदी

अमृत विचार, लखनऊ : कैंट विधानसभा स्थित भारतीय जनता पार्टी, कैंट मंडल एक पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत मंडल कार्यशाला का आयोजन आलमबाग के एक निजी होटल में आयोजित किया गया। महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने कहा कि पार्टी का प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ता निर्माण की कुंजी है। विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 29 मार्च 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

हादसे में युवक की मौत, साथी घायल

अमृत विचार, हरदोई : बाइक सवार दो युवकों को साण्डी-बिलग्राम रोड पर नकवापुर के पास पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की वहीं पर मौत हो गई, जबकि उसके रिश्तेदार को हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। साण्डी थाने के बंजारन पुरवा निवासी इस्लाम (38) पुत्र हसनू लखीमपुर खीरी ज़िले के कस्ता मितौली निवासी रिश्तेदार सोनिया (50) के साथ शुक्रवार को साण्डी घर जा रहे थे। उसी बीच साण्डी-बिलग्राम रोड पर नकवापुर के पास तेज़ रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे इस्लाम की वहीं पर मौत हो गई।

तालाब में गिरे बाइक सवार की मौत

अमृत विचार, हरदोई : मल्लावां-गौसगंज मार्ग पर पुरवावां गांव के पास एक तालाब के किनारे बाइक अनियंत्रित हो गई। हादसे में एक बाइक सवार तालाब में जा गिरा जबकि एक किनारे पड़ा मिला। तालाब में मिले युवक की मौत हो गईं जबकि दूसरे को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कासिमपुर थाना क्षेत्र के बेहसार गांव निवासी छब्बा ने बताया कि उसका पुत्र धर्मेंद्र (20) गांव के ही साथी नवाब (22) पुत्र रामशंकर के साथ शुक्रवार की शाम गौसगंज जाने के लिए घर से बाइक से निकला था। शनिवार की सुबह सूचना मिली कि पुरबांया गांव की पुलिया पर गहरे तालाब में धर्मेन्द्र का शव पड़ा हुआ है। उसका साथी नवाब कुछ दूरी पर गंभीर हालत में सूखे तालाब के पास पड़ा है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने धर्मेंद्र का शव तालाब से बाहर निकलवाया और घायल नवाब को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

नन्हे कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

अमृत विचार, लखनऊ : लिटिल वन-द जयपुरिया प्री-स्कूल में 'ग्रैजुएशन डे' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार और विद्यालय के अध्यक्ष यशस्वी ललित पुनीत रेडक्लिफ, प्रधानाचार्य लखनऊ क्रिश्चियन इंटर कॉलेज, शुभम, प्रधानाचार्य- लालबाग ईसाबेला थोबर्न स्कूल आदि उपस्थित रहे। ग्रैजुएशन डे में विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा की गई।

एकेटीयू के स्टार्टअप को 400 करोड़ की फंडिंग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एडुबुक की डिजिटल वेरिफिकेशन सेक्टर में बड़ी छलांग

अमृत विचार: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से जुड़े एक स्टार्टअप ने वैश्विक स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के कलाम सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन ऑफ स्टार्टअप फाउंडेशन में पंजीकृत एडुबुक को डिजिटल क्रेडेंशियल वेरिफिकेशन के क्षेत्र में 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 400 करोड़ रुपये) की महत्वपूर्ण फंडिंग मिली है। यह निवेश निमबस कैपिटल द्वारा किया गया है।

एडुबुक ब्लॉकचेन आधारित सुरक्षित डिजिटल वेरिफिकेशन समाधान प्रदान कर रहा है। कंपनी अब तक एक लाख से अधिक ऑन-चेन वेरिफिकेशन सफलतापूर्वक कर चुकी है और भारत के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य-पूर्व, यूरोप और अफ्रीका में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी है।

कंपनी के संस्थापक अपूर्व बजाज और शिवानी मेहरोत्रा को इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बधाई दी है। सेंटर के निदेशक प्रो. राजीव कुमार और डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने इसे प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए सकारात्मक संकेत बताया।

एडुबुक का मुख्य उद्देश्य फर्जी प्रमाण-पत्रों की समस्या का समाधान करना और वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद डिजिटल वेरिफिकेशन प्लेटफॉर्म तैयार करना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निवेश कंपनी को तकनीकी ढांचे को मजबूत करने, उत्पाद विकास में तेजी लाने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार करने में मदद करेगा।

विश्वविद्यालय का इनोवेशन हब प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यहां छात्रों और युवाओं को स्टार्टअप के लिए आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और मंच उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कई स्टार्टअप आज सफल कंपनियों के रूप में उभर रहे हैं।

भट्ठी का बाजार गर्म

गैस सिलेंडर की कमी से आ रही समस्या के समाधान के लिए बाजार में सज गई हैं भट्ठी की दुकानें, भट्ठी बनाकर लाते कारीगर। ● अमृत विचार

मुख्तार पर हमले मामले में बृजेश सिंह समेत सभी आरोपी बरी

एमपी-एमएलए कोर्ट में आरोपों को साबित करने में असफल रहा अभियोजन

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : वर्ष 2004 के गैंगवार में तत्कालीन विधायक मुख्तार अंसारी पर जानलेवा हमला करने के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने बृजेश सिंह, त्रिभुवन सिंह, आनंद राय, सुनील राय और अजय सिंह उर्फ गुड्डू को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है।

कोर्ट ने अपना फैसला देर शाम लगभग साढ़े छह बजे सुनाया। सभी आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन आरोपियों के खिलाफ आरोपों को साबित करने में असफल रहा है। लिहाजा आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त किया जाता है। शनिवार को फैसला सुनाए जाने के पहले माफिया बृजेश सिंह, आनंद राय और सुनील राय कोर्ट में हाजिर हुए, जबकि अन्य मामले में मिर्जापुर जेल में बंद त्रिभुवन सिंह और वाराणसी जेल में बंद अजय सिंह को पुलिस सुरक्षा के बीच जेल से लाकर कोर्ट में पेश किया गया। पत्रावली के अनुसार मऊ के तत्कालीन विधायक मुख्तार अंसारी ने कैंट थाने में 13 जनवरी 2004 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने परिवार के साथ अपनी गाड़ी से जा रहे थे और जैसे ही कैंटोमेंट चौराहे पर पहुंचे, तभी वहां पहले से चौराहे के इर्द गिर्द टाटा सफारी, बोलेरो, टाटा सुमो सहित कई गाड़ियां खड़ी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे ही उनकी गाड़ियों को आते देखा तो विधायक कृष्णानंद राय हाथ में एमवी राइफल, त्रिभुवन सिंह एके-47, बृजेश सिंह एसएलआर और अजय सिंह पिस्टल लेकर अपनी गाड़ियों से उतरे और उसकी हत्या की नीयत से गोलियां चलाने लगे। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों के ललकारने पर उनके गिरोह के लगभग 20 सदस्य अपनी गाड़ियों से उतरे और अपने हाथों में लिए बंदूक, राइफल पिस्टल समेत अन्य हथियारों से फायरिंग करने लगे। आरोप है कि इस फायरिंग से डर कर वादी, उसके परिवार के लोग और साथी हमले से बचने के लिए गाड़ियों से कूदकर आड़ में छिप गए। दूसरी गाड़ी में बैठे वादी के चचेरे भाई गौस मोहिउद्दीन, अफरोज ख़ान, सलीम समेत अन्य लोगों ने गाड़ियों की रोशनी में आरोपियों को भलीभांति पहचाना था। इस हमले में मुख्तार अंसारी की दो सफारी गाड़ियों में आरोपियों की चलाई गई गोलियां लगीं। इस घटना को लेकर तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय ने भी मुख्तार अंसारी के ख़िलाफ कैंट थाने में उसी दिन हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिश्वत कांड में पूर्व डीआईजी समेत तीन को तीन वर्ष का कठोर कारावास

अमृत विचार, लखनऊ : विशेष सीबीआई अदालत ने शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के पूर्व उप महानिरीक्षक (डीआईजी) विनोद कुमार शर्मा और दो अन्य कर्मियों को भर्ती भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार देते हुए तीन साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषियों पर कुल 1.2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामला वर्ष 2009 का है, जब सीबीआई ने विनोद कुमार शर्मा और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच में सामने आया कि तत्कालीन डीआईजी ने बिचौलियों के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश रची थी। इस साजिश का उद्देश्य सीआरपीएफ में सिपाही (सामान्य ड्यूटी) के पद पर भर्ती होने के इच्छुक उम्मीदवारों से अवैध उगाही करना था। जांच के दौरान सीबीआई ने पाया कि आरोपी विनोद कुमार शर्मा बिचौलियों को भर्ती के कार्यक्रम और खाली पदों की जानकारी समय से पहले ही उपलब्ध करा देते थे। इसके बदले में बिचौलिए उम्मीदवारों को शर्तिया चयन का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूलते थे। सीबीआई ने जांच के बाद 23 नवंबर 2010 और 16 जुलाई 2012 को आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए थे। लंबी सुनवाई और गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने पूर्व डीआईजी के साथ-साथ दो अन्य कर्मियों यानी सत्यवीर सिंह और तीरथ पाल चतुर्वेदी को भी भ्रष्टाचार का दोषी पाया।

प्रदेश में पीएनजी सेवाओं के विस्तार की स्वयं मॉनिटरिंग करेंगे ऊर्जा मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएनजी सेवाओं के विस्तार पर दिल्ली में हुई केंद्र-राज्य समन्वय बैठक में एके शर्मा रहे शामिल

अमृत विचार: शहरी क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) सेवाओं के विस्तार और आवश्यक सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई इस बैठक में उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा शामिल रहे।

बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने की, जिसमें मनोहर लाल खट्टर और प्रह्लाद जोशी सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसमें सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार, पीएनजी कनेक्शन वितरण में तेजी और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित ऊर्जा उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा हुई।

मंत्री एके शर्मा ने शनिवार को हुई बैठक में बताया कि उप्र. के कई नगरीय निकायों में एनओसी से जुड़े कुछ मामले लंबित हैं। इनमें बहराइच, वाराणसी, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए वे स्वयं निगरानी करेंगे और संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया सरल और तेज करने के निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूपी में सीजीडी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। केंद्र सरकार को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि आमजन को सुलभ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हर स्तर पर समन्वय किया जाएगा।

बैठक में उत्तर प्रदेश सहित हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तेलंगाना और दिल्ली ने सक्रिय भागीदारी की। इसमें केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल के जरिए शहरी विकास को गति देने पर भी विशेष जोर दिया गया।

मोदी मेहमान, सम्मान सहित विदा करेंगे : अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि हमारे प्रदेश में मेहमान बनकर आए हैं, हम उनको मेहमान मानकर ही सम्मान सहित विदा करेंगे। जाने वालों की बात का बुरा नहीं माना जाता है। जब हार साक्षात् दिखने लगती है तो इंसान को न अपने पद का मान रहता है, न ही अपने कथन पर नियंत्रण। उम्र और पद का मान करना हमारे संस्कार में है और हमेशा रहेगा।

मालूम हो कि प्रधानमंत्री मोदी ने जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन के मौके पर कहा था कि पहले की सरकारों ने नोएडा को लूट का एटीएम बना लिया था।

सात में छह हवाई अड्डे बंद : अखिलेश यादव ने कहा कि उप्र. में हाल के वर्षों में जिन सात हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया, उनमें से छह आज तक चालू नहीं हुए हैं। देखो भाजपा का भ्रष्ट प्रबंध सात में से छह नये हवाई अड्डे बंद। प्रदेश के बाकी हवाई अड्डों का क्या हाल है 'घास हटवाकर' ये भी तो देख लिया जाए।

पुराने व वर्तमान कर्मियों की कुंडली खंगाल रही पुलिस, 25 हिरासत में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मदेयगंज कलेक्शन एजेंट से 10 लाख की लूट का मामला

अमृत विचार: मदेयगंज क्षेत्र के खदरा में शराब कारोबारी के कलेक्शन एजेंट हर्ष जायसवाल से 10 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। शुरुआती पड़ताल में पुलिस को अंदरूनी संलिप्तता की आशंका है। जांच के आधार पर माना जा रहा है कि किसी करीबी ने मोबाइल के जरिए हर्ष की हर गतिविधि की जानकारी बदमाशों तक पहुंचाई।

पुलिस ने कारोबारी के वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों पर फोकस करते हुए अब तक 25 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। साथ ही घटनास्थल से हरदोई रोड से खदरा तक लगे करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। एसीपी महानगर अंकित सिंह के मुताबिक, सर्विलांस और सीसीटीवी से अहम सुराग मिले हैं। जांच में सामने आया है कि वारदात में छह से अधिक बदमाश शामिल थे, जिन्हें लगातार हर्ष की लोकेशन मिल रही थी। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए सात टीमें गठित कर हरदोई, बाराबंकी, उन्नाव और कानपुर समेत कई जिलों में दबिश दी जा रही है। बताया गया कि काकोरी निवासी हर्ष जायसवाल बुधवार रात 11 दुकानों का कैश लेकर लौट रहा था। दीनदयाल नगर स्थित तरन्नुम मार्केट गली में बदमाशों ने उसे रोककर असलहे के बल पर बैग लूट लिया और विरोध करने पर चाकू मारकर घायल कर दिया।

योगी सरकार को 'स्कॉच अवार्ड'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महाकुंभ-25 में गंगा चैनलाइजेशन और जल प्रबंधन में नवाचार के लिए पुरस्कार
- सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता उपेंद्र सिंह ने नई दिल्ली में पुरस्कार ग्रहण किया

अमृत विचार : योगी सरकार ने जल संसाधन और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता का फिर एक प्रमाण दिया है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को नई दिल्ली में आयोजित 106वें स्कॉच शिखर सम्मेलन में प्रतिष्ठित 'स्कॉच अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महाकुम्भ-25 के दौरान गंगा धाराओं के सफल चैनलाइजेशन और जल प्रबंधन में नवाचार के लिए दिया गया।

सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गंगा की धाराओं का वैज्ञानिक प्रबंधन किया गया। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान गंगा की तीन धाराओं को सफलतापूर्वक एक धारा में विलीन किया गया और संगम क्षेत्र में 'संगम नोज' एवं विस्तृत सर्कुलेटिंग एरिया का निर्माण किया गया। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम हुआ और सुरक्षा, सुव्यवस्था तथा भीड़ प्रबंधन में नया आयाम स्थापित हुआ।

इसके साथ ही रामपुर स्थित भाखड़ा वियर (डैम) पर ऑटोमैटिक गेट की स्थापना को भी विशेष सराहना मिली। इस अत्याधुनिक प्रणाली ने जल वितरण को अधिक प्रभावी और नियंत्रित बनाया, सिंचाई व्यवस्था सुधारने और जल संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुख्य अभियंता उपेंद्र सिंह ने बताया कि यूपी सिंचाई विभाग की यह उपलब्धि प्रदेश की प्रशासनिक क्षमता और बड़े आयोजन में कार्यकुशलता को उजागर करती है।

ढांचागत कमियां महिलाओं के आगे बढ़ने में बाधक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ मंडल के उच्च शिक्षा संस्थानों में महिलाओं के नेतृत्व पर शोध में हुआ खुलासा
- डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में किया गया शोध

अमृत विचार: शिक्षा, योग्यता अथवा रुचि की बजाय महिलाओं के आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी बाधा व्यवस्थागत कमियां है। लखनऊ मंडल के उच्च शिक्षा संस्थानों में महिलाओं के नेतृत्व पर किए गए एक महत्वपूर्ण शोध से यह बात सामने आई है कि महिलाओं की कम भागीदारी का कारण उनकी रुचि या योग्यता की कमी नहीं है। असली समस्या यह है कि संस्थानों में ऐसे रास्ते और व्यवस्थाएं मजबूत नहीं हैं, जो महिलाओं को शिक्षण और शैक्षणिक भागीदारी से आगे बढ़ाकर नेतृत्व पदों तक पहुंचा सकें।

यह शोध डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डॉ. शशांक शेखर द्वारा एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। अध्ययन लखनऊ मंडल के विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े 100 उत्तरदाताओं पर आधारित है। इसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालय, सरकारी महाविद्यालय, निजी महाविद्यालय, डीम्ड विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों को शामिल किया गया। शोध में यह समझने की कोशिश की गई कि महिलाओं के नेतृत्व में आने की राह में कौन-कौन सी वास्तविक बाधाएं मौजूद हैं।

शोध के निष्कर्ष

शोध का एक बहुत महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि नेतृत्व की इच्छा की कमी नहीं है। सर्वेक्षण में 74 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि नेतृत्व या प्रशासनिक पदों पर जाना चाहते हैं। इसका मतलब है कि महिलाओं की कम उपस्थिति को सिर्फ इस आधार पर नहीं समझा जा सकता कि वे नेतृत्व में आना नहीं चाहतीं।

सर्वेक्षण में खुलासा

42 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके संस्थान में महिलाएं वरिष्ठ नेतृत्व पदों पर हैं, लेकिन केवल 8 प्रतिशत ने माना कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत पर्याप्त है। दूसरी ओर, बड़ी संख्या में उत्तरदाताओं ने कहा कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व या तो बहुत कम है या लगभग नहीं के बराबर है। इससे साफ होता है कि कुछ महिलाओं का नेतृत्व पदों पर होना पर्याप्त नहीं है। ज़रूरी यह है कि उनकी संख्या और भूमिका दोनों प्रभावशाली हों।

औपचारिक और वास्तविक अवसर के अंतर

शोध में यह भी सामने आया कि औपचारिक अवसर और वास्तविक अवसर में अंतर है। 52 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि महिलाओं को नेतृत्व पदों के लिए समान अवसर व्यवहार में नहीं मिलते, जबकि केवल 31 प्रतिशत ने सहमति जताई। इसका अर्थ यह है कि नियमों में भले कोई सीधा भेदभाव न दिखे, लेकिन व्यवहार में अवसर कई बार अनौपचारिक नेटवर्क, चयन प्रक्रिया, प्रशासनिक और "कौन उपयुक्त है" जैसी धारणाओं से प्रभावित होते हैं।

समस्याएं

- 63 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने वर्क लाइफ बैलेंस को जीवन को बड़ी समस्या बताया।
- 58 प्रतिशत ने पारिवारिक जिम्मेदारियों को माना
- 56 प्रतिशत ने सामाजिक धारणाओं को
- 54 प्रतिशत ने उत्साह की कमी को
- 52 प्रतिशत ने नेतृत्व प्रशिक्षण की कमी को
- 50 प्रतिशत ने संस्थागत सहयोग की कमी को

कॉपियों का मूल्यांकन 83.24 प्रतिशत पूरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ मंडल में यूपी बोर्ड की अबतक कुल 19,20,720 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य अब लगभग समापन की ओर बढ़ रहा है। मण्डल के 6 जिलों लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, रायबरेली, में मूल्यांकन कार्य गतिमान है,

संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल डॉ. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में मण्डलीय कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। मण्डलीय कन्ट्रोल रूम के नोडल डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि आज लखनऊ मण्डल ने अपने मूल्यांकन का 83.24 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया है। शनिवार को मूल्यांकन कार्य सम्पन्न होने के बाद लखनऊ मण्डल ने अब तक अपने कुल प्राप्त 23,02,715 उत्तर पुस्तिकाओं में से 19,20,720 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य समाप्त कर लिया है। जो सम्पूर्ण मूल्यांकन का 83.24 प्रतिशत है।

मूल्यांकित व अवशेष उत्तर पुस्तिकाओं की रिपोर्ट

*लखनऊ जनपद में मूल्यांकित 4,59,034 व अब अवशेष कुल उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 1,06,610

*उन्नाव जनपद में मूल्यांकित 2,47,179 अब अवशेष कुल उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 90,802

*रायबरेली जनपद में मूल्यांकित 2,90,212 व अब अवशेष कुल उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 55,684

*हरदोई जनपद में मूल्यांकित 3,26,688 व अब अवशेष कुल उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 43,305

*सीतापुर जनपद में मूल्यांकित 2,81,011व अब अवशेष कुल उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 53,360

*लखीमपुर खीरी जनपद में मूल्यांकित 3,16,596 व अब अवशेष कुल उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 32,237 हैं।

अभेद्य किला बना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

पांच नई पुलिस चौकियों और दो अग्निशमन केंद्रों के साथ सुदृढ़ सुरक्षा मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/नोएडा

- इमिग्रेशन कोर्स से प्रशिक्षित किए गए 70 पुलिसकर्मी, 35 कर्मियों की थाने में तैनाती
- नो-फ्लाई जोन, एंटी-ड्रोन और हाईटेक निगरानी से एयरपोर्ट सुरक्षा को नई ऊंचाई

अमृत विचार : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था का मॉडल देश के लिए मिसाल बन गया। एयरपोर्ट और इसके आसपास के क्षेत्र को बहुस्तरीय और हाईटेक सुरक्षा घेरे में तब्दील किया गया है। पांच नई अस्थायी पुलिस चौकियों का निर्माण और दो स्थानों पर 7-7 यूनिट के अग्निशमन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिससे अप्रिय परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई संभव हो सके।

जॉइंट पुलिस कमिश्नर राजीव नारायण मिश्रा के अनुसार, एयरपोर्ट सुरक्षा और संचालन के लिए कुल 70 पुलिसकर्मी जेवर इमिग्रेशन कोर्स के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इसमें तीन निरीक्षक, 24 उपनिरीक्षक, 17 मुख्य आरक्षी और 26 आरक्षी शामिल हैं। आगामी प्रशिक्षण के लिए 61 और पुलिसकर्मियों का नामांकन भी किया गया है। इसके अतिरिक्त, थाना जेवर डॉमेस्टिक टर्मिनल के लिए 35 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जिसमें निरीक्षक, उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी और तकनीकी स्टाफ शामिल हैं।

एयरपोर्ट क्षेत्र में माइल स्टोन-15, 27 और 32, कार्गो टर्मिनल और डॉमेस्टिक टर्मिनल में पांच नई चौकियां स्थापित की गई हैं। इन चौकियों के माध्यम से परिधि सुरक्षा सुदृढ़ की गई है और आवागमन मार्गों की निगरानी प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जा रही है। पीसीआर/पीआरवी वाहनों के माध्यम से लगातार गश्त की जा रही है और सुरक्षा हर समय सक्रिय रहती है।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-32 और सेक्टर-18 में दो नए अग्निशमन केंद्र बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक केंद्र में एक अग्निशमन अधिकारी, 3 द्वितीय अधिकारी, एक एएसआईएम, 8 एलएफएम, 9 चालक और 44 फायरमैन तैनात किए जाएंगे। इससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

पीएम नरेंद्र मोदी के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर (गौतमबुद्ध नगर) लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र में पांच-स्तरीय सुरक्षा घेरे बनाए गए। हाईटेक एंटी-ड्रोन सिस्टम, 200 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर, बम डिस्पोजल स्क्वाड, एंटी-सैबोटाज चेक और स्निफर डॉग्स तैनात किए गए। लगभग 5000 पुलिसकर्मी, पीएसी, आरएएफ, एटीएस, सीआईएसएफ और एसपीजी सुरक्षा में मुस्तैद रहे।

यूपी बना सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य

अमृत विचार, लखनऊ/नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के उद्घाटन के साथ ही उत्तर प्रदेश ने नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। जेवर एयरपोर्ट के शुरू होते ही प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की संख्या पांच हो गई, जिससे यूपी ने केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। प्रदेश में कुल एयरपोर्ट की संख्या अब 17 है। इसमें 12 घरेलू और 5 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट शामिल हैं। साथ ही 7 एयरपोर्ट परियोजनाएं प्रक्रियाधीन हैं, जिनके पूरा होने के बाद प्रदेश की कुल एयरपोर्ट संख्या 24 तक पहुंच जाएगी।

घरेलू एयरपोर्ट : वर्तमान में प्रदेश में घरेलू एयरपोर्ट 12 हैं, ये आगरा, त्रिशूल (बरेली), गोरखपुर, हिंडन (गाजियाबाद), प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती, चित्रकूट, सहारनपुर में स्थित हैं। प्रक्रियाधीन एयरपोर्ट सात हैं, म्योरपुर (सोनभद्र), ललितपुर, मेरठ, पलिया (लखीमपुर), फुरसतगंज (अमेठी), गाजीपुर और झांसी में तैयार हो रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर), चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट (लखनऊ), लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डा (वाराणसी), महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट (अयोध्या), कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (कुशीनगर)।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 29 मार्च 2026 www.amritvichar.com

आखिर क्यों उड़ी-उड़ी सी है नींद

हिंदी फिल्मों के कतिपय गीतों पर जरा गौर फरमाइए,"वो मेरी नींद मेरा चैन मुझे लौटा दो", "मुझे नींद न आए, मुझे चैन न आए, कोई जाए जरा ढूंढ के लाए", "नींद चुराई मेरी किसने", "अब है नींद किसे, अब है चैन कहां" ऐसे न जाने कितने गीत हैं, जिनका केंद्रीय भाव नींद उड़ जाने अथवा छिन जाने अथवा दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो सीधे-सीधे अनिद्रा से जुड़ा हुआ है। गीतों के सृजन के वक्त भले ही इश्क और प्रेम के वशीभूत हो जाने की वजह से नींद उड़ जाने का जिक्र किया गया हो, किंतु इन गीतों का शाब्दिक अर्थ आज की जीवनशैली, आज के समाज एवं आज की युवा पीढ़ी पर पूरी तरह से चरितार्थ होता है। अनिद्रा आधुनिक युग की एक ज्वलंत समस्या के रूप में उभरकर सामने आ चुकी है। खास बात तो यह है कि इस आधुनिक रोग की चपेट में सर्वाधिक प्रतिशत युवा वर्ग का है। मानव जीवन की सहज और स्वाभाविक क्रियाओं में से एक है-नींद। दिन भर के परिश्रम और भागदौड़ के बाद जब रात्रि के अंधकार का प्रसार होता है, तो शरीर स्वत: ही विश्राम की मुद्रा में आना चाहता है। उस समय प्रकृति मनुष्य को शरीर की विश्रांति हेतु निद्रा का वरदान देती है।

शिशिर शुक्ला
असिस्टेंट प्रोफेसर

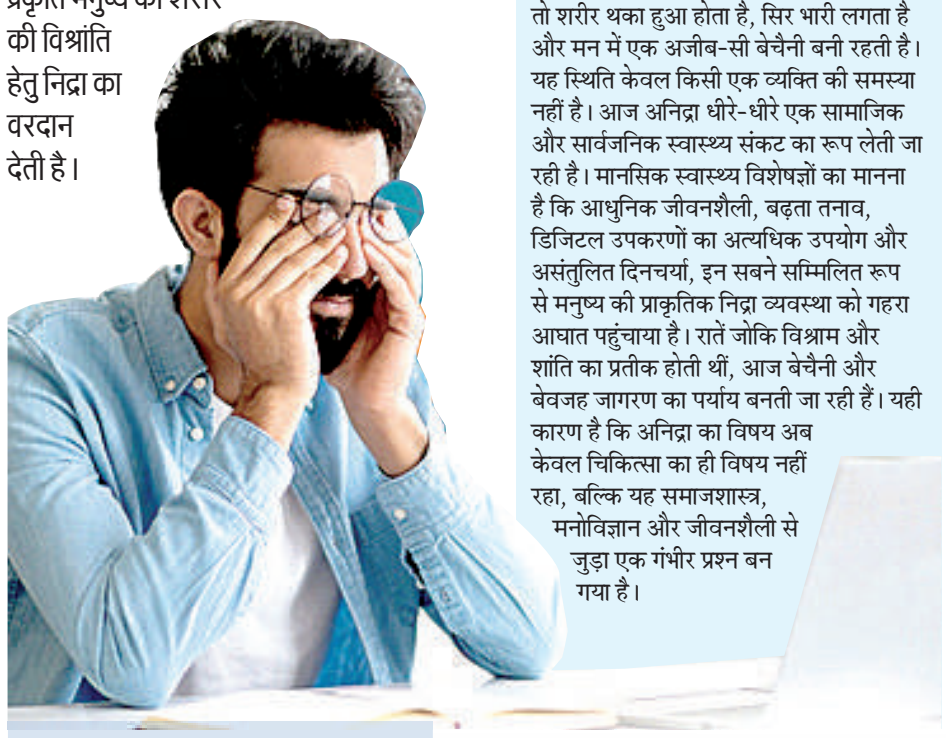

केवल चिकित्सा का विषय नहीं

निद्रा केवल शरीर की थकान मिटाने का साधन ही नहीं होती, अपितु मन को शांत करने, मस्तिष्क को संतुलित रखने और जीवन की ऊर्जा की पुनर्प्राप्ति का एक उत्तम माध्यम भी होती है। किंतु आधुनिक समय का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि तकनीकी की वजह से जितनी सुविधाएं मनुष्य को मिली हैं, उसी अनुपात में उसकी शांति का भी क्षय होता गया है। भौतिक उपलब्धियों और तकनीकी प्रगति के बीच रात में शरीर के दरवाजे पर दस्तक देने वाली सुकून की नींद शनैः शनैः मनुष्य से दूर होती जा रही है। आज विश्व में लाखों-करोड़ों लोग ऐसे हैं, जो रात को बिस्तर पर तो जाते हैं, किंतु नींद उन्हें देर तक नहीं आती अथवा बिल्कुल नहीं आती। कई लोग पूरी रात करवटें बदलते रहते हैं, तो कई लोग थोड़ी-सी नींद आने के बाद पुनः जाग जाते हैं। परिणाम यह होता है कि सुबह जब वे उठते हैं, तो शरीर थका हुआ होता है, सिर भारी लगता है और मन में एक अजीब-सी बेचैनी बनी रहती है। यह स्थिति केवल किसी एक व्यक्ति की समस्या नहीं है। आज अनिद्रा धीरे-धीरे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप लेती जा रही है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता तनाव, डिजिटल उपकरणों का अत्यधिक उपयोग और असंतुलित दिनचर्या, इन सबने सम्मिलित रूप से मनुष्य की प्राकृतिक निद्रा व्यवस्था को गहरा आघात पहुंचाया है। रातें जोकि विश्राम और शांति का प्रतीक होती थीं, आज बेचैनी और बेवजह जागरण का पर्याय बनती जा रही हैं। यही कारण है कि अनिद्रा का विषय अब केवल चिकित्सा का ही विषय नहीं रहा, बल्कि यह समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और जीवनशैली से जुड़ा एक गंभीर प्रश्न बन गया है।

ताजा स्थिति एवं कारण

विगत कुछ वर्षों में जीवनशैली में आए परिवर्तनों ने नींद की गुणवत्ता पर गहरा असर डाला है। पहले जहां रात विश्राम का समय हुआ करती थी, वहीं आज के माहौल में यह लोगों के लिए काम, मनोरंजन और डिजिटल गतिविधियों का समय बन चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन उतनी नींद नहीं ले पा रहे हैं, जितनी शरीर और मस्तिष्क के लिए आवश्यक है। सामान्यतः एक वयस्क व्यक्ति को लगभग सात से आठ घंटे की नींद की जरूरत होती है, लेकिन आधुनिक जीवनशैली इस समय को लगातार घटाती जा रही है। सबसे चिंताजनक बात तो यह है कि अनिद्रा की समस्या बुजुर्गों की अपेक्षा युवाओं और किशोरों को कहीं अधिक तीव्रता से अपनी चपेट में ले रही है। देर रात तक मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट के उपयोग ने नींद की प्राकृतिक लय को प्रभावित किया है। विद्यार्थी परीक्षा और करियर की चिंता के कारण देर रात तक जागते रहते हैं, जबकि पेशेवर युवा काम के अनावश्यक दबाव और इस कारण से अनियमित हुई दिनचर्या के कारण पर्याप्त विश्राम नहीं कर पाते। शहरी जीवन में तो यह समस्या कहीं अधिक गंभीर दिखाई देती है। तेज रोशनी, बेवजह का शोर, व्यस्त दिनचर्या और मानसिक तनाव, ये सभी कारक मिलकर नींद की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं, जो रात को सो तो जाते हैं, लेकिन उनकी नींद बार-बार टूटती है और सुबह उठने पर उन्हें ताजगी का अनुभव नहीं होता। दूसरे शब्दों में कहें, तो अनिद्रा अब केवल "नींद के अभाव" की साधारण समस्या नहीं रह गई, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य, कार्यक्षमता और सामाजिक जीवन को प्रभावित करने वाली एक व्यापक चुनौती बन चुकी है। अनिद्रा की समस्या अचानक उत्पन्न नहीं होती। इसके पीछे कई कारण एक साथ काम करते हैं। आधुनिक जीवनशैली के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया जाए, तो स्पष्ट होता है कि कई आदतें और परिस्थितियां संयुक्त रूप से नींद को प्रभावित कर रही हैं। आज का जीवन जरूरत से ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो गया है। नौकरी, शिक्षा, आर्थिक स्थिति और सामाजिक अपेक्षाएं व्यक्ति के मन पर लगातार दबाव बनाए रखती हैं। जब मन में चिंता और तनाव अधिक होता है, तब मस्तिष्क लगातार सक्रिय रहता है। व्यक्ति बिस्तर पर लेट तो जाता है, लेकिन उसके विचार शांत नहीं होते। यही स्थिति नींद आने में बाधा बनती है। दीर्घकालिक मानसिक तनाव अनिद्रा की स्थायी समस्या को जन्म देता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है-डिजिटलीकरण की बढ़ती गिरफ्त। मोबाइल फोन, कंप्यूटर और टेलीविजन का बढ़ता उपयोग भी अनिद्रा का एक बड़ा

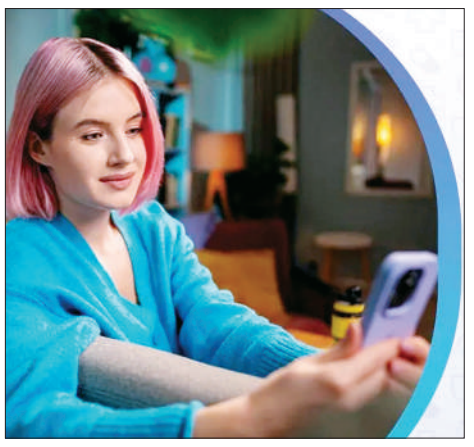

कारण बन चुका है। आज अधिकांश लोग देर रात तक सोशल मीडिया, वीडियो रील्स या ऑनलाइन गेम में व्यस्त रहते हैं। स्क्रीन से निकलने वाली तेज रोशनी मस्तिष्क की कार्यविधि को बाधित करती है। इससे शरीर में नींद लाने वाला हार्मोन मेलाटोनिन पर्याप्त मात्रा में नहीं बन पाता और नींद आने में देर लगती है अथवा नींद गायब हो जाती है। यदि यह आदत नियमित हो जाए, तो धीरे-धीरे शरीर की जैविक घड़ी प्रभावित हो जाती है। अनियमित जीवनशैली अनिद्रा को बढ़ावा देने वाला तीसरा प्रमुख कारण है। देर रात तक जागना और फिर सुबह देर से उठना, अनियमित समय पर भोजन करना और पर्याप्त शारीरिक गतिविधि न करना, ये सभी आदतें शरीर की प्राकृतिक लय को बिगाड़ देती हैं। शरीर की क्रियाविधि असंतुलित हो जाने पर नींद भी प्रभावित होती है। इसके अलावा चाय, कॉफी और ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों का अत्यधिक सेवन भी नींद की समस्या को बढ़ा सकता है। इनमें मौजूद कैफीन मस्तिष्क को उत्तेजित करता है और व्यक्ति को लंबे समय तक जाग्रत अवस्था में बनाए रखता है। परिणामतः नींद आने में कठिनाई हो सकती है। कतिपय स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, जैसे कुछ शारीरिक और मानसिक बीमारियां भी अनिद्रा का कारण बन सकती हैं। उदाहरणार्थ- अवसाद, चिंता विकार, थायरॉयड की समस्या, अस्थमा या लगातार दर्द की स्थिति। बीमारियों में ली जाने वाली दवाओं के दुष्प्रभाव भी नींद को प्रभावित कर सकते हैं। अनिद्रा की बढ़ती समस्या हमें यह संकेत देती है कि आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार में कहीं न कहीं हमने संतुलन को खो दिया है। तकनीकी प्रगति और भौतिक सुविधाओं के बावजूद भी यदि हम चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं, तो निस्संदेह यह चिंता का विषय है। नींद केवल विश्राम का साधन ही नहीं है, बल्कि यह शरीर और मन के संपूर्ण स्वास्थ्य की आधारशिला है।

डिजिटलीकरण और जीवनशैली में संतुलन जरूरी

एक स्वाभाविक सा प्रश्न यह उठता है कि आखिरकार डिजिटलीकरण हमारे लिए एक वरदान है अथवा अभिशाप। एक सूक्ति है-'अति सर्वत्र वर्जयेत्', यही सिद्धांत डिजिटलीकरण के साथ भी लागू होता है। आज बड़ी संख्या में लोग रात को देर तक जागते रहते हैं, मोबाइल स्क्रीन पर नजरें टिकाए रहते हैं और जब सोने की कोशिश करते हैं, तो नींद आसानी से नहीं आती। डिजिटलीकरण ने मनुष्य के जीवन की गति को अत्यधिक तीव्र कर दिया है। एक उदाहरण के रूप में देखें, तो पहले जहां सूचना प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय या समाचार पत्र का सहारा लेना पड़ता था, वहीं आज इंटरनेट के माध्यम से कुछ ही क्षणों में दुनियाभर की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। मोबाइल फोन ने संचार को इतना आसान बना दिया है कि हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति से भी हम तुरंत संवाद कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल बैंकिंग, ई-कॉमर्स और दूरस्थ कार्य प्रणाली ने जीवन को सुविधाजनक बना दिया है, लेकिन इसी डिजिटल सुविधा ने धीरे-धीरे जीवन की लय को भी बदल दिया है। अब काम और विश्राम के बीच की सीमाएं धुंधली हो गई हैं। प्रत्येक क्षेत्र में मोबाइल फोन और इंटरनेट के उपयोग के कारण मनुष्य हर समय अतिसक्रियता और दबाव में रहता है। यही स्थिति कई बार नींद के प्राकृतिक क्रम को प्रभावित करती है। अधिकांश लोग देर रात तक या तो सोशल मीडिया के साथ उलझे रहते हैं अथवा वीडियो एवं वेब सीरीज में डूबे रहते हैं या फिर काम से जुड़े संदेशों और ई-मेल का जवाब देते रहते हैं। इस आदत के कारण सोने का समय लगातार आगे खिसकता जाता है और नींद का प्राकृतिक क्रम प्रभावित होता है। सोशल मीडिया पर लगातार नई सूचनाएं, संदेश और प्रतिक्रियाएं मिलती रहती हैं। इससे मस्तिष्क लगातार उत्तेजित रहता है। गलत इस्तेमाल की दशा में डिजिटलीकरण मानसिक बेचैनी और अनिद्रा को बढ़ावा दे सकता है। डिजिटल तकनीक का सबसे अधिक प्रभाव युवाओं और बच्चों पर दिखाई देता है। किशोर और युवा वर्ग अक्सर देर रात तक ऑनलाइन गेम, सोशल मीडिया या मनोरंजन के विभिन्न साधनों में व्यस्त रहते हैं। यह आदत धीरे-धीरे उनकी नींद की लय को बिगाड़ देती है। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के तरीके में है। यदि डिजिटल साधनों का उपयोग संतुलित और सीमित रूप से किया जाए, तो वे जीवन को समृद्ध और सुविधाजनक बना सकते हैं, वहीं यदि इनका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग किया जाए, तो वही तकनीक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती है। अनिद्रा जैसी समस्या से बचने के लिए डिजिटलीकरण और जीवनशैली के मध्य संतुलन स्थापित करना नितांत आवश्यक है।

बच्चे भी हो रहे हैं शिकार

हालिया शोध बताते हैं कि अनिद्रा की समस्या बच्चों में भी एक बड़ी सीमा तक व्याप्त है और इसका प्रमुख कारण है- बढ़ता स्क्रीन टाइम। आजकल के बच्चे जरूरत से ज्यादा समय तक मोबाइल अथवा कम्प्यूटर की स्क्रीन के साथ उलझे रहते हैं। परिणाम यह होता है कि उससे निकालने वाले खतरनाक विकिरण उनकी आंखों एवं मस्तिष्क को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। नतीजतन अनिद्रा, अवसाद एवं मानसिक रोग जैसी समस्याएं उन्हें घेर लेती हैं। ताजा रिपोर्ट बताती है कि मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय देने की वजह से बच्चों में मोटापा भी बढ़ रहा है। स्पष्ट है कि यह मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण एवं चिंताजनक रूप ले चुका है। अधिक स्क्रीन टाइम की वजह से अनिद्रा ही नहीं अपितु भांति-भांति के रोगों का काया में प्रवेश बहुत सरल हो गया है। लिहाजा स्वास्थ्य पर संकट के बादल हर वक्त मंडरा रहे हैं।

आखिर कैसे मिले मुक्ति

यह समझना बेहद जरूरी है कि स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए भोजन एवं व्यायाम जितने आवश्यक हैं, उतनी ही आवश्यक है सुकूनभरी और पर्याप्त नींद। जब रातें शांत और आरामदायक होंगी, तभी जीवन भी ऊर्जा और संतुलन से परिपूर्ण हो सकेगा। अनिद्रा से मुक्ति हेतु सर्वप्रथम तो हमें स्वयं को यह समझाना पड़ेगा कि नींद हमारे शरीर की एक मूलभूत आवश्यकता है। इसका सीधा-सीधा संबंध हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य से है। इसलिए हम अपनी जीवनशैली को इस तरह से व्यवस्थित करें कि नींद हेतु निर्धारित समय के साथ कोई छेड़खानी न होने पाए। किसी भी दशा में हमें अपनी दिनचर्या को नियमित एवं अनुशासनबद्ध रखना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि हम समय पर सोने एवं समय पर उठने की आदत डालें। यह तभी संभव हो सकेगा, जबकि हम मोबाइल एवं अन्य डिजिटल उपकरणों का उतना ही उपयोग करें जितना कि आवश्यक है। अनावश्यक रूप से देर रात तक व्यर्थ की वीडियो रील्स देखना, ऑनलाइन गेम खेलना एवं सोशल मीडिया से उलझे रहना निश्चित रूप से स्वास्थ्य को बर्बादी की ओर धकेलना है। शारीरिक गतिविधि का नींद से बेहद गहरा संबंध है। यदि शरीर दिनभर निष्क्रिय रहता है, तो रात को स्वाभाविक थकान महसूस नहीं होती। आज की जीवनशैली में बहुत से लोग लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं, जिससे शरीर को पर्याप्त श्रम नहीं मिल पाता। हल्का व्यायाम, तेज चलना, योग या अन्य शारीरिक गतिविधियां शरीर को सक्रिय बनाए रखती हैं और रात को गहरी नींद आने में सहायता करती हैं।

डिजिटल डिटॉक्स : एक अचूक अस्त्र

डिजिटल डिटॉक्स का अर्थ है- एक निश्चित समय के लिए डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाना और अपने मन व शरीर को निरंतर सूचना और उत्तेजना के दबाव से मुक्त करना। आधुनिकता के इस दौर में मनुष्य का मस्तिष्क लगभग हर समय सक्रिय रहता है। कारण यह है कि मोबाइल फोन पर आने वाले संदेश, सोशल मीडिया की सूचनाएं और इंटरनेट पर उपलब्ध अनंत सामग्री मस्तिष्क को लगातार उत्तेजित करती रहती हैं। प्राय: जब रात्रि के समय भी यही स्थिति बनी रहती है, तब मस्तिष्क को विश्राम का अवसर नहीं मिल पाता और नींद आने में कठिनाई होती है। यही कारण है कि डिजिटल उपकरणों का अनियंत्रित उपयोग अनिद्रा का एक प्रमुख कारण बन गया है। ऐसी स्थिति में डिजिटल डिटॉक्स एक सरल, किंतु अत्यंत प्रभावी उपाय सिद्ध हो सकता है। यदि व्यक्ति सोने से एक या दो घंटे पहले मोबाइल, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों से दूरी बना ले, तो मस्तिष्क धीरे-धीरे शांत होने लगता है। इसी समय को यदि पढ़ने, हल्का संगीत सुनने, ध्यान करने या परिवार के साथ बातचीत में बिताया जाए, तो मन को एक स्वाभाविक विश्राम का अनुभव होता है। धीरे-धीरे यह आदत नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाती है। डिजिटल डिटॉक्स का अर्थ यह नहीं है कि तकनीक को पूरी तरह त्याग दिया जाए अपितु इससे आशय है-नियमित दिनचर्या एवं तकनीक के मध्य एक संतुलन स्थापित करके विवेकपूर्ण ढंग से तकनीक का उपयोग किया जाए। हमें यह बात जेहन में उतारनी होगी कि अनिद्रा से मुक्ति किसी एक ही चमत्कारी उपाय से संभव नहीं है। यह कहीं न कहीं जीवन को संतुलित करने से प्राप्त होती है। दिनचर्या का नियमन, बनाता है, शरीर की सक्रियता, मन की शांति और तकनीक के उपयोग में संयम, इन सभी उपायों के उचित समन्वय से नींद धीरे-धीरे स्वाभाविक रूप में लौटने लगती है। अच्छी और गहरी नींद केवल शरीर की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और संतुलित जीवन की आधारशिला है। इस विचार को जीवनशैली में उतार लेना ही अनिद्रा से वास्तविक मुक्ति का मार्ग है।

क्या कहते हैं चिकित्सक

नींद और तनाव

यदि भारतीय परिप्रेक्ष्य में बात करें तो लगभग 60 प्रतिशत युवा लंबे समय से अपर्याप्त नींद की समस्या से गुजर रहे हैं। हर 4 में से 1 व्यक्ति नींद में गिरावट की शिकायत कर रहा है। दु:ख की बात यह है कि जापान के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो नींद की समस्या से जूझ रहा है। आज के भागदौड़ भरे समय में कार्यस्थल के तनाव और व्यक्तिगत जिम्मेदारियां नींद की गुणवत्ता पर असर डाल रहीं हैं। वास्तव में देश में बढ़ रही नींद की समस्या एक चिंता का विषय है। आधुनिक शोध के अनुसार 31 से 50 साल के लोगों में नींद की समस्या होने का खतरा 48 प्रतिशत तक देखा जा सकता है।

नींद कम होने से सरकैडियन रिदम भी प्रभावित होता है जिसका दुष्प्रभाव व्यावहारिक स्तर पर दिखाई देता है। उतना ही नहीं ये हमारे इम्यून सिस्टम की कार्य प्रणाली को प्रभावित करता है जिसके कारण कई बार इंफ्लेमेशन की प्रक्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है। वास्तव में देखा जाए तो नींद हमारे लिए मूलभूत रूप से बहुत आवश्यक है। डिजिटल उपकरणों का अत्यधिक उपयोग, शहरी दबाव, व्यस्त जीवनशैली के कारण नींद की गुणवत्ता पर बुरा असर देखने को मिल रहा है। इसका सीधा प्रभाव कार्य निष्पादन और ध्यान देने की क्षमता पर देखा जा रहा है। नींद की समस्या से जूझ रहे लोगो में अक्सर मूड स्विंग की प्रॉब्लम भी देखी जाती है। इसलिए नींद संबंधी समस्याओं को हलके में लेने के बजाय इससे निपटना बेहद जरूरी है जिससे ये संतुलित एवं स्वस्थ जीवनशैली पर बुरा असर न डाले।

- डॉ. तान्या दीक्षित
वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक एवं साइकोथेरेपिस्ट, लखनऊ।

विलासिता नहीं है नींद

विशेषकर महानगरों की तेज रफ्तार जिंदगी ने लोगों की दिनचर्या को इस तरह बदल दिया है कि पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद लेना कठिन होता जा रहा है। दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों में देर रात तक काम करना, मोबाइल और लैपटॉप का अत्यधिक उपयोग तथा अनियमित खान-पान ने लोगों की जैविक घड़ी को असंतुलित कर दिया है। परिणामस्वरूप, बहुत से लोग या तो ठीक से सो नहीं पाते या फिर पूरी रात सोने के बाद भी थकान और मानसिक तनाव महसूस करते हैं। उदाहरण के तौर पर, एक कॉर्पोरेट कर्मचारी देर रात तक लैपटॉप पर काम करता है और सोने से पहले भी मोबाइल का उपयोग करता रहता है, जिससे उसकी नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसी तरह, एक छात्रा देर रात तक सोशल मीडिया और वेब सीरीज देखती है, जिससे उसकी नींद का समय लगातार बिगड़ता है और दिनभर एकाग्रता में कमी रहती है। ये उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि समस्या केवल नींद की कमी नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता में गिरावट भी है। नींद की कमी का प्रभाव मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर पड़ता है। आयुर्वेद में इसके समाधान के लिए प्राकृतिक और संतुलित उपाय बताए गए हैं। जैसे-रात को सोने से पहले गुनगुने दूध का सेवन, सिर और पैरों में तेल (तिल या नारियल तेल) से मालिश, नियमित दिनचर्या का पालन और मानसिक शांति के लिए ध्यान व प्राणायाम। इसके अलावा, ब्राह्मी, अश्वगंधा जैसी औषधियां भी चिकित्सकीय सलाह से लाभकारी हो सकती हैं। उदाहरण के रूप में, यदि कोई व्यक्ति सोने से पहले 10 मिनट ध्यान और पैरों में तेल मालिश करता है, तो उसकी नींद की गुणवत्ता में सुधार देखा जा सकता है। आयुर्वेद में निद्रा को जीवन के तीन प्रमुख स्तंभों (आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य) में से एक माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार, जब वात और पित्त दोष असंतुलित हो जाते हैं, तब अनिद्रा की समस्या उत्पन्न होती है। देर रात तक जागना, अधिक स्क्रीन टाइम, तनाव और अनियमित दिनचर्या इन दोषों को बढ़ाकर नींद में बाधा डालते हैं। आयुर्वेद में इसे अनिद्रा या निद्रानाश कहा गया है, जिसका प्रभाव शरीर और मन दोनों पर पड़ता है। यह समझना आवश्यक है कि नींद कोई विलासिता नहीं, बल्कि शरीर और मन के संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

-डॉ. विशाल अग्रवाल
निदेशक, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरेली।

नींद की अहमियत

नींद प्राणी के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। नींद से प्राणी नई ऊर्जा को ग्रहण कर कार्यों को सही ढंग से करने में सक्षम होता है, जिन व्यक्तियों की नींद पूरी नहीं होती, उनकी स्थिति अजीब जैसी होती है। लंबे समय तक नींद पूरी न हो, तो प्राणी को गंभीर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम होता है। आज विश्व की एक बड़ी आबादी नींद की समस्या से ग्रस्त है। अध्ययनों में पाया गया कि हर 10 में से 3 व्यक्ति नींद की समस्या से ग्रस्त है। भारत के महानगरों में निवास करने वाले 50 प्रतिशत लोग अपनी नींद पूरी नहीं कर पाते हैं। 72 प्रतिशत भारतीयों की रात में 3 से अधिक बाद नींद टूटती है। 11 प्रतिशत लोगों को नींद पूरी न होने के कारण अपने काम से छुट्टी लेनी पड़ती है। इसके बावजूद केवल 2 प्रतिशत लोग ही नींद की समस्या के उपचार हेतु चिकित्सक के पास जाते हैं। शोधों में यह प्रमाणित हुआ है कि अनिद्रा अनेक बीमारियों का कारण है। पर्याप्त नींद से व्यक्ति अगले दिन अपने को ऊर्जावान अनुभव करता है, जबकि पर्याप्त नींद न लेने से व्यक्ति अपने आपको उर्जा हीन महसूस करता है। बच्चों को 17 घंटे, किशोरों को 9-10 घंटे तथा वयस्कों के लिए 6-8 घंटा सोना पर्याप्त होता है।

-डॉ. मनोज कुमार तिवारी,
वरिष्ठ परामर्शदाता, बीएचयू, वाराणसी

नींद एक आवश्यक क्रिया

नींद वास्तव में ईश्वर का एक अनमोल वरदान है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। यह शरीर को रिचार्ज, नई कोशिकाओं का निर्माण, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत और तनाव को कम करके याददाश्त को तेज करती है। पर्याप्त नींद न केवल हमें तरोताजा रखती है, बल्कि कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों से भी बचाती है। अच्छी नींद शरीर को स्वस्थ रखने और बीमारियों से बचाने में भी मदद करती है। पर्याप्त नींद के बिना, मस्तिष्क ठीक से काम नहीं कर पाता, जिससे एकाग्रता, स्पष्ट सोच और यादों को संसाधित करने की क्षमता प्रभावित होती है। अगर आप अपनी मर्जी से, मजबूरी में या सोने की पूरी कोशिश के बावजूद पूरी रात जागते रहे हैं, तो आप जानते हैं कि आपकी सेहत के लिए नींद कितनी जरूरी है।

नींद की कमी के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, इसलिए यह जानना जरूरी है कि नींद क्यों महत्वपूर्ण है, यह कैसे काम करती है और अच्छी नींद पाने के लिए आप क्या कर सकते हैं। नींद एक आवश्यक क्रिया है, जो आपके शरीर और दिमाग को फिर से ऊर्जा प्रदान करती है, जिससे आप जागने पर तरोताज़ा और सतर्क महसूस करते हैं। भारत धीरे-धीरे नींद की कमी की गंभीर समस्या की ओर बढ़ता दिख रहा है। एक हालिया राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार देश के लगभग 46 प्रतिशत लोगों को रोजाना छह घंटे से भी कम निर्बाध नींद मिल पाती है, जबकि चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक स्वस्थ रहने के लिए औसतन आठ घंटे की नींद जरूरी मानी जाती है। 10-3-2-1-0 नियम : सोने से 1 घंटा पहले स्क्रीन बंद करें (1), 2 घंटे पहले काम बंद करें, 3 घंटे पहले खाना/शराब बंद करें। स्क्रीन-मुक्त बेडरूम : बिस्तर पर फोन या लैपटॉप का उपयोग बिल्कुल न करें। सोने से कम से कम 1 घंटा पहले टीवी, मोबाइल और लैपटॉप का उपयोग बंद कर दें।

-डॉ. पूनम यादव
नैदानिक मनोवैज्ञानिक
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज,बंथरा, शाहजहांपुर

डॉ. राम बाबू प्रजापति
पंचकर्म विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली

पक्षाघात, जिसे आम भाषा में लकवा कहा जाता है, एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर का कोई हिस्सा अचानक काम करना बंद कर देता है। यह समस्या अक्सर शरीर के आधे भाग में दिखाई देती है, जैसे दायां या बायां हिस्सा कमजोर हो जाना। कई बार मरीज हाथ-पैर हिला नहीं पाता, बोलने में दिक्कत होती है या चेहरा टेढ़ा हो जाता है। यह बीमारी अचानक भी हो सकती है और धीरे-धीरे भी विकसित हो सकती है।

लकवा अब लाचारी नहीं

आयुर्वेद से फिर पाएं नई जिंदगी

आयुर्वेद के अनुसार हमारे शरीर में तीन दोष होते हैं-वात, पित्त और कफ। इनमें से वात दोष शरीर की गति और नसों को नियंत्रित करता है। जब वात दोष बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, तो यह नसों और मांसपेशियों को सुखा देता है और उनकी शक्ति कम कर देता है। इसी कारण शरीर का कोई भाग काम करना बंद कर देता है।

गलत खान-पान, ज्यादा तनाव, ठंडी चीजों का सेवन, कमजोरी, ज्यादा मेहनत या उम्र बढ़ने के कारण वात दोष बढ़ जाता है, जिससे पक्षाघात होने का खतरा बढ़ता है।

पक्षाघात के मुख्य कारण

आज के समय में यह समस्या कई कारणों से हो सकती है। पक्षाघात (लकवा) के मुख्य कारणों को समझना बहुत आवश्यक है, क्योंकि यह रोग अचानक दिखाई देता है, लेकिन इसके पीछे लंबे समय से चल रहे शारीरिक और मानसिक असंतुलन होते हैं। पक्षाघात मुख्यत: वात दोष के अत्यधिक बढ़ जाने से होता है। जब व्यक्ति अनियमित दिनचर्या अपनाता है, अत्यधिक ठंडा, सूखा या बासी भोजन करता है, अत्यधिक उपवास करता है या शरीर में कमजोरी आ जाती है, तब वात दोष बढ़कर शरीर की नसों (स्नायु तंत्र) को प्रभावित करता है। इसके साथ ही शरीर की नाड़ियों में अवरोध (स्रोतस अवरोध) उत्पन्न हो जाता है, जिससे रक्त और पोषण का प्रवाह सही तरीके से नहीं हो पाता। मानसिक कारण भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं-जैसे अत्यधिक तनाव, चिंता, भय या अचानक शोक-ये सभी वात को और अधिक बढ़ाकर पक्षाघात की स्थिति उत्पन्न कर सकते हैं। इसके अलावा, किसी प्रकार की चोट, दुर्घटना या सिर पर आघात भी इस रोग का कारण बन सकता है। पक्षाघात का सबसे प्रमुख कारण स्ट्रोक होता है, जिसमें मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है या तो रक्त का थक्का बनने से या रक्तस्राव होने से, इसके अलावा हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल बढ़ना, सिर में चोट लगना या नसों में कमजोरी भी इसके कारण हो सकते हैं। अनियमित भोजन, देर रात जागना, मानसिक तनाव, शरीर की कमजोरी और प्राकृतिक क्रियाओं (जैसे पेशाब, मल) को रोकना भी इसके कारण माने जाते हैं। इसके अलावा उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), मधुमेह (डायबिटीज) और हृदय रोग जैसे कारण भी नसों और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाकर पक्षाघात की संभावना को बढ़ाते हैं। धूम्रपान, शराब और तंबाकू जैसी नशे की आदतें भी इस रोग के जोखिम को बढ़ाती हैं। कुछ अन्य कारणों में ब्रेन ट्यूमर, संक्रमण या अन्य स्नायु तंत्र से संबंधित बीमारियां शामिल हैं। इस प्रकार, पक्षाघात एक बहुआयामी रोग है, जिसमें जीवनशैली, मानसिक स्थिति और शारीरिक रोग मिलकर इसकी उत्पत्ति में भूमिका निभाते हैं।

ऐसे पहचानें लक्षण

पक्षाघात के लक्षण अचानक दिख सकते हैं। जैसे शरीर के एक हिस्से में कमजोरी आना, हाथ-पैर सुन्न होना, बोलने में कठिनाई होना, चेहरे का एक तरफ झुक जाना, चलने में परेशानी होना आदि। कुछ लोगों में याददाश्त कमजोर हो जाती है और सोचने-समझने की क्षमता भी कम हो सकती है। यदि ऐसे लक्षण दिखें, तो तुरंत इलाज शुरू करना बहुत जरूरी होता है।

आयुर्वेद में उपचार

आयुर्वेद में पक्षाघात का इलाज शरीर के संतुलन को ठीक करने पर आधारित होता है। इसमें सबसे पहले शरीर में बढ़े हुए वात दोष को शांत किया जाता है। इसके लिए तेल से मालिश, भाप देना, शरीर की सफाई (पंचकर्म) और औषधियों का उपयोग किया जाता है। आयुर्वेदिक उपचार धीरे-धीरे शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है और लाभ देता है।

स्नेहन (तेल मालिश) का महत्व

पक्षाघात में तेल से मालिश करना बहुत जरूरी होता है। इसमें विशेष औषधीय तेलों से पूरे शरीर या प्रभावित हिस्से की मालिश की जाती है। इससे नसों को पोषण मिलता है और मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है। नियमित मालिश से शरीर का सूखापन दूर होता है और धीरे-धीरे अंगों में हरकत आने लगती है।

क्यों जरूरी है स्वेदन (भाप या सेक)

तेल मालिश के बाद शरीर को भाप दी जाती है या गर्म पोटली से सेक किया जाता है। इससे शरीर की जकड़न कम होती है और रक्त संचार बेहतर होता है। यह प्रक्रिया मांसपेशियों को ढीला करती है और दर्द में राहत देती है, जिससे मरीज को चलने-फिरने में आसानी होने लगती है।

बस्ति (पंचकर्म की मुख्य चिकित्सा)

आयुर्वेद में बस्ति को पक्षाघात के लिए सबसे प्रभावी उपचार माना गया है। इसमें औषधीय तेल या काढ़ा शरीर में विशेष तरीके से दिया जाता है। यह सीधे वात दोष को नियंत्रित करता है और नसों को मजबूत बनाता है। नियमित बस्ति से शरीर की शक्ति धीरे-धीरे वापस आने लगती है।

आयुर्वेदिक दवाओं की भूमिका

पक्षाघात में कई आयुर्वेदिक दवाएं दी जाती हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाती हैं। ये दवाएं नसों को पोषण देती हैं, सूजन कम करती हैं और शरीर में ताकत बढ़ाती हैं। इनका सेवन हमेशा डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए, क्योंकि हर मरीज की स्थिति अलग होती है।

आहार

पक्षाघात के मरीज को हमेशा गर्म, ताजा और हल्का भोजन करना चाहिए। खिचड़ी, मूंग दाल, घी, सूप और हरी सब्जियां बहुत फायदेमंद होती हैं। गुनगुना पानी पीना चाहिए और भोजन समय पर करना चाहिए। अदरक और लहसुन का सेवन भी लाभकारी होता है।

क्या नहीं खाना चाहिए

ठंडी चीजें, बासी खाना, फास्ट फूड और बहुत ज्यादा सूखा भोजन नहीं लेना चाहिए। इससे वात दोष बढ़ता है और बीमारी बढ़ सकती है। ज्यादा ठंड से बचना चाहिए और ठंडी हवा में ज्यादा देर नहीं रहना चाहिए।

योग और व्यायाम का महत्व

पक्षाघात में धीरे-धीरे हल्का व्यायाम और योग बहुत जरूरी होता है। प्राणायाम और साधारण एक्सरसाइज से शरीर में ताकत आती है और मन शांत रहता है। नियमित अभ्यास से मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और शरीर धीरे-धीरे सामान्य होने लगता है।

क्यों जरूरी है मानसिक स्थिति का ध्यान रखना

पक्षाघात के मरीज अक्सर मानसिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। उन्हें डर, चिंता और निराशा हो सकती है। ऐसे में परिवार का सहयोग, सकारात्मक सोच और ध्यान (मेडिटेशन) बहुत जरूरी होता है। अच्छा माहौल मरीज के जल्दी ठीक होने में मदद करता है। जरूरी है, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और नियमित व्यायाम। पक्षाघात एक गंभीर बीमारी है, लेकिन सही समय पर उपचार और सही देखभाल से इसमें सुधार संभव है। आयुर्वेद में इसका इलाज शरीर, मन और जीवनशैली को संतुलित करके किया जाता है।

रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली पक्षाघात से पीड़ित मरीजों के लिए समग्र उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यहां आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर रोग के मूल कारण-विशेषकर वात दोष के असंतुलन को ध्यान में रखते हुए उपचार किया जाता है। संस्थान में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा व्यक्तिगत रोगानुसार चिकित्सा योजना तैयार की जाती है, जिसमें पंचकर्म चिकित्सा जैसे बस्ति, अभ्यंग, स्वेदन और शिरोधारा का उपयोग कर शरीर की नसों को सक्रिय करने और रक्त संचार को सुधारने का प्रयास किया जाता है। इसके साथ ही कपिंग थेरेपी और फिजियोथेरेपी जैसी सहायक विधियों का भी उपयोग किया जाता है, जिससे मांसपेशियों की जकड़न कम होती है और धीरे-धीरे अंगों की कार्यक्षमता में सुधार आता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान योग और प्राणायाम के माध्यम से मरीजों के मानसिक और शारीरिक संतुलन को पुनः स्थापित करने में सहायता करता है। मरीजों को उचित आहार-विहार की सलाह दी जाती है, जिससे पुनः रोग होने की संभावना कम हो सके। रुहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज नियमित रूप से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर पक्षाघात के मरीजों को परामर्श और उपचार का अवसर प्रदान करता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी लाभ उठा सके। इस प्रकार, यह संस्थान न केवल उपचार प्रदान करता है, बल्कि पुनर्वास, जागरूकता और जीवनशैली सुधार के माध्यम से मरीजों को पुनः सामान्य जीवन जीने में सहायता करता है। रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश +91 8077808309

माहवारी बीमारी नहीं एक सामान्य प्रक्रिया

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

माहवारी बंद होना जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए चरण की शुरुआत है। जरूरत है सही जानकारी, जागरूकता और सकारात्मक सोच की। समाज में इस विषय पर खुलकर बात की जाए और डॉक्टरों की सलाह को महत्व दिया जाए, तो महिलाएं इस चरण को बिना डर और तनाव के बेहतर तरीके से जी सकती हैं।

माहवारी और रजोनिवृत्ति का प्राकृतिक क्रम

महिलाओं में माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसके शुरू होने और इसके बंद होने का समय भी लगभग तय है। यह 10 से 15 साल की आयु में शुरू हो जाती है और 45 से 50 साल की उम्र तक बंद हो जाती है। इसे रजोनिवृत्ति भी कहते हैं। वर्तमान में खान-पान और तनावभरी जिंदगी के कारण रजोनिवृत्ति की आयु घट रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, माहवारी करीब 5 साल घट गई है। अब औसतन 40 से 45 साल के बीच ही रजोनिवृत्ति हो जाती है। पहले यह आंकड़ा 5 प्रतिशत हुआ करता था, जो अब बढ़कर 16 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

शारीरिक और मानसिक बदलाव

भारत में पश्चिमी देशों की तुलना में रजोनिवृत्ति की आयु कम है। यह वह समय होता है, जब महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर घटने लगता है और प्रजनन क्षमता समाप्त हो जाती है। हालांकि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन इसके साथ आने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बदलाव महिलाओं के जीवन को गहराई से प्रभावित करते हैं। महिलाओं को रजोनिवृत्ति के बाद होने वाले शारीरिक बदलावों को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत है। वह यह समझ ही नहीं पाती है कि क्या हो रहा है? इन बदलावों को लेकर उसे घबराना नहीं चाहिए।

रजोनिवृत्ति के दौरान महिलाओं को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शरीर में अचानक गर्मी लगना (हॉट फ्लैश), अत्यधिक पसीना, नींद की कमी, थकान, वजन बढ़ना और हड्डियों का कमजोर होना आम शारीरिक लक्षण हैं। इसके साथ ही मानसिक स्तर पर चिड़चिड़ापन, मूड स्विंग, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं भी देखी जाती हैं। कई महिलाओं को योनि में सूखापन और यौन इच्छा में कमी जैसी समस्याएं भी होती हैं, जिससे उनके व्यक्तिगत जीवन पर असर पड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार, अधिकांश महिलाएं इस चरण में किसी न किसी रूप में लक्षण अनुभव करती हैं, लेकिन इनकी तीव्रता अलग-अलग हो सकती है।

रजोनिवृत्तिः बीमारी नहीं समझदारी से संभालने की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि रजोनिवृत्ति कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर का प्राकृतिक बदलाव है। हालांकि इसे नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। डॉक्टर सलाह देते हैं कि यदि लक्षण ज्यादा परेशान कर रहे हों, तो समय पर जांच और इलाज जरूरी है। हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी कुछ मामलों में फायदेमंद हो सकती है, लेकिन इसे केवल विशेषज्ञ की सलाह पर ही लेना चाहिए। डॉक्टर यह भी बताते हैं कि कैसे संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव नियंत्रण और पर्याप्त नींद इस अवस्था को सहज बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज के समय में एक महत्वपूर्ण सवाल यह उठ रहा है कि क्या माहवारी बंद होने की उम्र घट रही है?

घटती रजोनिवृत्ति आयुः एक उभरती स्वास्थ्य चिंता

अध्ययन बताते हैं कि भारत में कुछ महिलाओं में रजोनिवृत्ति अपेक्षाकृत कम उम्र में होने लगी है। यदि 40 वर्ष से पहले माहवारी बंद हो जाए, तो इसे प्रीमैच्योर मेनोपॉज कहा जाता है और 40 से 45 वर्ष के बीच होने को अर्ली मेनोपॉज कहा जाता है। भारत में लगभग 3 से 4 फीसदी महिलाओं में समय से पहले (40 वर्ष से पहले) माहवारी बंद हो जाती है। वहीं 40-44 वर्ष की आयु वर्ग में लगभग 16 फीसदी महिलाओं में अर्ली मेनोपॉज देखा गया है। समय से पहले रजोनिवृत्ति के पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे अत्यधिक तनाव, खराब खान-पान, धूम्रपान, हार्मोनल असंतुलन, थायरॉयड की समस्या, प्रदूषण और बदलती जीवनशैली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव और अनियमित दिनचर्या भी इस बदलाव को प्रभावित कर रहे हैं। हालांकि यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि हर महिला में उम्र तेजी से घट रही है, लेकिन यह एक बढ़ती हुई स्वास्थ्य चिंता जरूर बनती जा रही है।

भ्रांतियां और सामाजिक सोच

भारत में रजोनिवृत्ति को लेकर कई भ्रांतियां भी प्रचलित हैं, जो महिलाओं की परेशानी को और बढ़ा देती हैं। बहुत से लोग इसे बीमारी मानते हैं, जबकि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। कुछ जगहों पर यह भी माना जाता है कि रजोनिवृत्ति के बाद महिला की उपयोगिता कम हो जाती है, जो पूरी तरह गलत है। यौन जीवन समाप्त हो जाना, डॉक्टर के पास जाने की जरूरत न होना और इस विषय पर बात करना शर्म की बात समझना ये सभी मिथक हैं। इन भ्रांतियों के कारण महिलाएं सही जानकारी और इलाज से वंचित रह जाती हैं। इन समस्याओं से पूरी तरह बचा नहीं जा सकता, लेकिन इनके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

स्वस्थ जीवनशैली से सहज बन सकती है यह अवस्था

संतुलित आहार, जिसमें कैल्शियम और विटामिन डी तथा नियमित व्यायाम जैसे- योग और वॉक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान और बातचीत व नियमित स्वास्थ्य जांच, ये सभी उपाय बहुत प्रभावी हैं। साथ ही धूम्रपान और शराब जैसी आदतों से दूरी बनाए रखना भी जरूरी है। माहवारी बंद होना जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए चरण की शुरुआत है। जरूरत है सही जानकारी, जागरूकता और सकारात्मक सोच की। यदि समाज में इस विषय पर खुलकर बात की जाए और डॉक्टरों की सलाह को महत्व दिया जाए, तो महिलाएं इस चरण को बिना डर और तनाव के बेहतर तरीके से जी सकती हैं।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी, ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष इस सप्ताह स्वजनों के साथ बेहतर तालमेल बिठाकर चलने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन पाने में कामयाब हो जाते हैं तो आपके सोचे हुए कार्य समय पर और बेहतर तरीके से पूरे होंगे।

वृष यह सप्ताह करियर-कारोबार की दृष्टि से अनुकूल तो वहीं सेहत और संबंध की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रह सकता है। आपको अपने करियर अथवा कारोबार से जुड़ी बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार मिल सकता है। इस दौरान आपके प्रयास और परिश्रम का पूरा फल मिलेगा।

मिथुन इस सप्ताह आपको अपने करियर-कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आप अपनी मेहनत और प्रयास के बल पर अपनी योजनाओं को जमीन पर उतारने में कामयाब हो जाएंगे। कार्यक्षेत्र हो या फिर कारोबार आपकी साख बढ़ेगी।

कर्क इस सप्ताह आप किसी भी कार्य को जितना परिश्रम और मनोयोग के साथ करेंगे आपको उसमें उतनी ही सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। यदि आप बीते कुछ समय से अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए परेशान थे तो इस सप्ताह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से वो समय रहते पूरे हो जाएंगे।

सिंह इस सप्ताह कुछ कार्यों में उम्मीद के मुताबिक सफलता और लाभ की प्राप्ति न हो पाने पर आपके मन में हताशा एवं निराशा के भाव पनप सकते हैं। आप कार्यों में अचानक से बाधाएं और अड़चनें आ सकती हैं। आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके कारण आपकी वित्तीय स्थिति गड़बड़ा सकती है।

कन्या इस सप्ताह किसी भी कार्य में लापरवाही करने तथा स्वजनों के साथ तकरार करने से बचना होगा। इस सप्ताह कार्यों में आने वाली अड़चनों और स्वजनों का समय पर सहयोग न मिल पाने के कारण तनावपूर्ण स्थितियों से गुजरना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता रहेगी।

तुला इस सप्ताह अपने भीतर आलस्य और अभिमान को आने देने से बचना होगा। काम को टालने से बनते काम भी बिगड़ सकते हैं। ऐसे में किसी भी कार्य को समय पर पूरे मनोयोग के साथ करने का प्रयास करें। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। उन्हें अथक परिश्रम के बाद ही मनचाही सफलता की प्राप्ति संभव हो पाएगी।

वृश्चिक यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। आपकी आजीविका से जुड़ी समस्याएं स्वत: दूर होती हुई नजर आएंगी। करियर-कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं शुभ और लाभप्रद साबित होंगी। यदि आप लंबे समय से पैतृक संपत्ति की प्राप्ति के लिए परेशान चल रहे थे तो इस सप्ताह उसमें आ रही अड़चनें दूर होंगी।

धनु इस सप्ताह की शुरुआत में आपको छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस सप्ताह आपको कठिन परिश्रम के बाद ही मनचाहे परिणाम मिल पाएंगे। धन-संपत्ति से जुड़े मामलों में जल्दबाजी करने से बचना चाहिए अन्यथा बाद में नुकसान झेलना पड़ सकता है।

मकर यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। आपको करियर-कारोबार से जुड़ी चिंताएं घेरे रहेंगी। यदि आप व्यवसायी हैं तो आपको बाजार में अपनी साख बनाए रखने और मनचाहे लाभ की प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करने होंगे। धन एवं पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद होने की आशंका बनी रहेगी।

कुंभ यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। आप अपने कार्य को पूरे लगन और मेहनत से करेंगे। जिसका आपको सुखद परिणाम और लाभ भी प्राप्त होगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह की शुरुआत अत्यंत ही शुभ साबित होगी। इस दौरान आपको नए क्षेत्रों अथवा नए शहरों में अपने काम को बढ़ाने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन इस सप्ताह आपको लंबे समय से चली आ रही परेशानियों से कुछ राहत तो मिल सकती है लेकिन उन्हें बेहद सावधानी के साथ कोई भी कदम उठाने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप पार्टनरशिप में कारोबार करते हैं तो आपको धन के लेनदेन में सावधानी बरतनी चाहिए। भूलकर भी नियम अथवा कानून का उल्लंघन न करें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 52

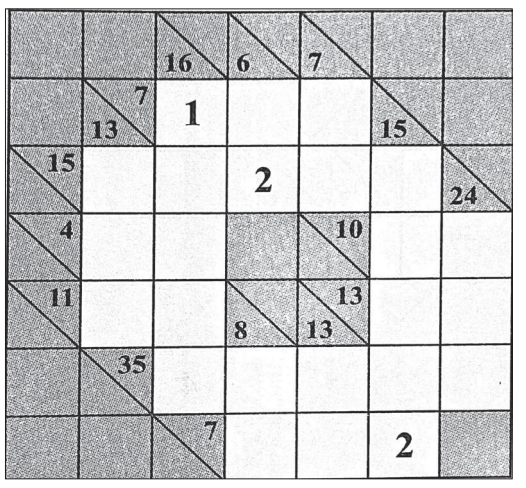

काकुरो 51 का हल

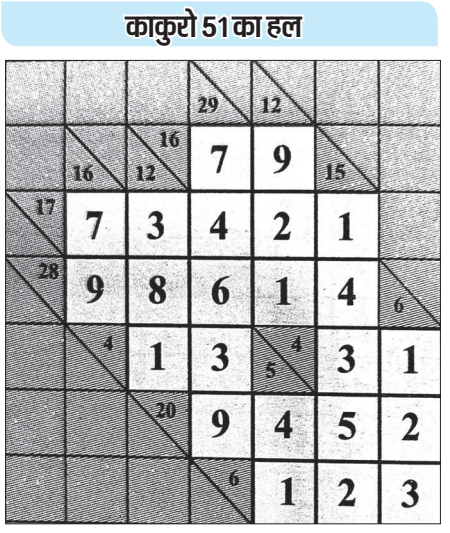

कहानी

प्रिया की जीत

भाद्रपद की तपती दुपहरी हो, लू की सनसनाती हवाएं हों या माघ की कपा देने वाली सर्दी मौसम कभी बंसीलाल जी के कामों में आड़े नहीं आता था। उनके लहलहाते खेतों को देखना अपने आप में एक सुकून था। वे उसूलों के पक्के थे, न किसी का हक खाते, न किसी को खाने देते। एक तरफ जहां वे अपने बैलों की जोड़ी की बच्चों की तरह देखभाल करते, वहीं बकरियों की जिम्मेदारी उनकी पत्नी वीणा उठा लेती। पांच से आठ बीघा जमीन थी, मगर याद नहीं आता कि बुवाई से लेकर कटाई तक कभी किसी बाहरी मजदूर का सहारा लिया हो।

बंसीलाल जी जितने मेहनती थे, उतने ही धैर्यवान। जीवन के इस पड़ाव तक कितनी ही बार प्राकृतिक आपदाओं ने उनकी फसलों को बेरहमी से दबोचा, लोगों ने उनमें कृषक हीनता की भावना जगाने की कोशिश की, लेकिन अपनी सहनशीलता पर वे अडिग रहे। यही गुण उनकी बेटी प्रिया में भी कूट-कूट कर भरे थे। गेहुआं बदन, मध्यम कद, झील जैसी गहरी आंखें और झुकी नजरें, प्रिया ने शायद कभी किसी के सामने आंख उठाकर देखना सीखा ही नहीं था। उसके स्वरों से मानो रस टपकता था। वह मासूमियत की मूरत थी, जिसकी दुनिया विद्यालय से घर और घर से खेतों की पगडंडियों तक ही सिमटी हुई थी। देखते-देखते वह बड़ी होती गई। बंसीलाल जी दिन भर की हाड़-तोड़ मेहनत के बाद जब थके-हारे घर लौटते, तो कब उनकी आंख लग जाती, पता भी न चलता। प्रिया की सारी जिम्मेदारी मां वीणा के कंधों पर थी। जितनी भोली प्रिया थी, उससे कहीं अधिक भोली उसकी मां! वीणा दुनियादारी से बेखबर अपनी छोटी सी गृहस्थी में ही मगन रहती थी।

डोली शाह
लेखिका

प्रिया ने दसवीं और बारहवीं की परीक्षा पास की, लेकिन अंकों ने मानो उसे धोखा दे दिया। माता-पिता परेशान थे, परंतु अनुसूचित जनजाति के कोटे ने उसका दाखिला शहर के एक मध्यमवर्गीय कॉलेज में करवा दिया। प्रिया अब पूरे मन से पढ़ाई में जुट गई। हर दिन सुबह घंटों सवारी का इंतजार करना और फिर कॉलेज पहुंचना उसकी दिनचर्या बन गई। सावन का महीना था और आसमान से लगातार वर्षा का कहर बरस रहा था। बस स्टैंड पर खड़ी प्रिया बार-बार अपनी घड़ी देख रही थी। समय तेजी से भाग रहा था और बस का कहीं पता न था। अचानक बारिश की मोटी बूंदों के बीच एक नवयुवक छाता लिए उसके सामने आया और बोला, "आप यह छतरी ले लीजिए, मैं दुकान के अंदर चला जाता हूं।" प्रिया ने झट से उत्तर दिया, "अरे नहीं, बस... मैं ठीक हूं।" "ले लीजिए, आप पूरी भीग जाएंगी," युवक ने दोबारा आग्रह किया, "वैसे जाना कहां है आपको?" "कॉलेज," प्रिया ने संक्षेप में कहा। "कौन सा कॉलेज? वैसे तो मैं आपको रोज यहां देखता हूं, पर कभी पूछा नहीं..." "सियाराम गर्ल्स कॉलेज," प्रिया ने फिर छोटा सा जवाब दिया। "अच्छा कॉलेज है वह," युवक ने तारीफ की। वह बहुत कुछ कहना चाहता था, लेकिन प्रिया की मौनता ने उसे मौका नहीं दिया। मासूम चेहरा और झुकी निगाहें, उस युवक के दिमाग में पूरे दिन दफ्तर में वही चेहरा घूमता रहा। अगली सुबह फिर दोनों बस अड्डे पर मिले। युवक का नाम रहीम था। वह मन ही मन ख्याली पुलाव पका रहा था। उसने लड़खड़ाते हुए कहा, "कब से इंतजार कर रहा हूं आपका, मतलब बस का। अगर बुरा न मानें तो नाम जान सकता हूं?" "मैं प्रिया हूं।" "वाह, बहुत प्यारा नाम है।" सौभाग्य से बस में एक ही सीट खाली थी, जिस पर प्रिया को रहीम के साथ बैठना पड़ा। बातों का सिलसिला शुरू हुआ। प्रिया को भी सफर में एक साथी मिल गया। धीरे-धीरे रहीम ने अपनेपन का जाल फैलाना शुरू किया। अब तो वह शाम को लौटते समय भी बहाने से प्रिया के साथ हो लेता। एक दिन रहीम ने चाय पीने की जिद की। प्रिया ने मना करना चाहा, पर मन की इच्छाओं के आगे वह पिघल गई। अब घंटों फोन पर बातें होने लगीं। बातों-बातों में प्रिया ने अपने जन्मदिन का जिक्र कर दिया। रहीम ने शहर के एक होटल के कमरे में भव्य तैयारी की। कॉलेज के बहाने प्रिया वहां पहुंची। कमरे की सजावट देख वह चौंक गई, "वाओ! अमेजिंग! इतनी जल्दी इतना सब कुछ?" "यह तो कुछ भी नहीं प्रिया, तुम इससे कहीं ज्यादा सुंदर हो," रहीम ने मधुर स्वर में कहा, "लेकिन इतने पैसे खर्च करने की क्या जरूरत थी?" प्रिया गंभीर हुई। "तुम्हारे लिए तो मैं कुछ भी कर सकता हूं," रहीम ने उसका हाथ थाम लिया।

दोनों ने केक काटा, मौज-मस्ती की। प्रिया भावुक हो गई, "थैंक्स रहीम, आज का दिन यादगार बनाने के लिए। आज तक किसी ने मेरा जन्मदिन ऐसे नहीं मनाया।" भावनाओं के सागर में डूबे दोनों अपनी सीमाओं से आगे बढ़ गए। जब प्रिया घर पहुंची, तो मां ने उसके कपड़ों पर लगे निशानों के बारे में पूछा। प्रिया ने 'बेंच पर कुछ लगा था' कहकर बात टाल दी और अपने कमरे में जाकर रोने लगी। उधर रहीम अपने दोस्तों के साथ शराब के नशे में डूबा था। उसने बड़े गर्व से दोस्तों को प्रिया की तस्वीर दिखाई। उसके दोस्त अब्दुल्ला की नीयत बिगड़ गई। उसने रहीम के मोबाइल से प्रिया का नंबर निकाल लिया। एक दिन अब्दुल्ला ने रहीम की बीमारी का वास्ता देकर प्रिया को खेतों की पगडंडियों पर बुलाया। प्रिया घबराकर पहुंची, तो वहां अब्दुल्ला को अकेला पाया। "तुम यहां? रहीम कहां है?" प्रिया ने गरज कर पूछा। अब्दुल्ला ने झूठ बोला कि रहीम होटल के कमरे में पैर दर्द के कारण उसका इंतजार कर रहा है। प्रिया उसके साथ कमरे में पहुंची, तो वहां रहीम नहीं था। "डार्लिंग, मैं हूं न तुम्हारा रहीम," अब्दुल्ला ने घिनौनी हरकत शुरू की। प्रिया चिल्लाई, लेकिन अब्दुल्ला ने उसे बेहोशी की दवा सूंघा दी और उसके साथ दरिंदगी की। जब प्रिया को होश आया, वह सब कुछ लुट चुका था। वह रोती-बिलखती घर पहुंची। उसने रहीम को फोन किया, लेकिन रहीम ने सहानुभूति के बजाय उस पर ही इल्जाम लगा दिया। "प्रिया, तुम मेरे दोस्त के साथ... छी! मुझे शर्म आती है तुम्हें अपना कहने में।" उसने फोन काट दिया। प्रिया पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। वह भीतर ही भीतर मर गई।

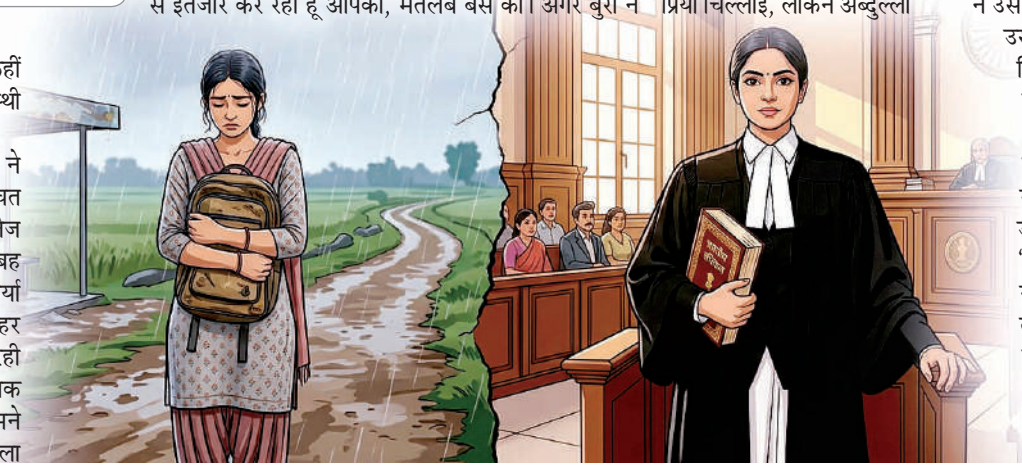

समय बीतता गया। प्रिया ने खुद को संभाला और आगे की पढ़ाई जारी रखी। माता-पिता ने शादी की बात की, तो उसने साफ इनकार कर दिया। इसी तनाव के बीच एक दिन बंसीलाल जी को दिल का दौरा पड़ा और वे चल बसे। हरा-भरा खेत बंजर हो गया। प्रिया अब नौकरी की तलाश में जुटी। बीए के बाद उसने वकालत (एलएसबी) की पढ़ाई की, लेकिन परीक्षा के अंकों ने फिर साथ नहीं दिया और उसे 'ऑल इंडिया बार एग्जाम' (एआईबीई) में बैठने की पात्रता नहीं मिली। वह दुखी होकर असिस्टेंट बोर्ड अधिकारी शिवाजी लाल जी के पास पहुँची। रविवार का दिन था। गेटकीपर ने मना किया, पर प्रिया की मासूमियत देख उसे अंदर भेज दिया। "सर, मुझे एआईबीई की परीक्षा देनी है, पर मेरे अंक कम हैं। आप चाहें तो मदद कर सकते हैं।" प्रिया ने गुहार लगाई। लाल साहब ने उसे गौर से देखा। "काम तो हो जाएगा, पर बदले में मुझे क्या मिलेगा?" उनकी नजरें प्रिया के जिस्म को टटोल रही थीं। प्रिया सब समझ गई। उसने दिल पर पत्थर रखकर कहा, "सर, पहले साइन कर दीजिए और सीसीटीवी बंद कर दीजिए।" लाल साहब मुस्कुराए। उन्होंने अपनी हवस पूरी की और प्रिया को सर्टिफिकेट दे दिया। प्रिया एक जिंदा लाश की तरह वहां से बाहर निकली। उसी सर्टिफिकेट के आधार पर उसने परीक्षा दी और सफल हुई। प्रिया अब एक जाने-माने वकील बृजेश साहब की असिस्टेंट बन गई। वह कोर्ट में हर केस को बारीकी से समझने लगी। एक दिन कोर्ट में एक बुजुर्ग दंपत्ति आए, जिनकी बेटी 'रिया' के साथ रेप हुआ था। वकील बृजेश ने रिया के चरित्र पर सवाल उठाए कि वह रात 9 बजे लड़के के घर क्यों गई? यह सुनकर प्रिया का खून खौल उठा। "सर, इस तरह के कामों के लिए समय मायने नहीं रखता। हम लड़कियां दिन के उजाले में भी सुरक्षित नहीं हैं, न रात के अंधेरे में। आखिर हम अपनी मंजिल तक पहुंचे भी तो कैसे? हर ऊंचे पद पर ऐसे भेड़िए बैठे हैं, जो 'मौके पे चौका' मारते हैं।" उसने बृजेश सर से दरख्वास्त की कि उसे 'आपराधिक बचाव वकील' के रूप में तैयार करें, ताकि वह महिलाओं के लिए लड़ सके।

धीरे-धीरे प्रिया 'सीनियर लॉयर ऑफ वूमेन' की सूची में सबसे ऊपर आ गई। अंतिम सुनवाई का दिन था। कोर्ट में सन्नाटा पसरा था। बृजेश सर और लाल साहब भी मौजूद थे। प्रिया की आत्मविश्वास से भरी आवाज ने कानून की बारीकियों को इस तरह रखा कि जज ने उसके पक्ष में फैसला सुनाया। अपराधी को सजा मिली। लाल साहब उसके पास आए, "बधाई हो बेटा! पर मुझे माफ कर देना।" प्रिया ने व्यंग्य से मुस्कुराते हुए कहा, "माफी क्यों सर? आज आपकी ही 'मदद' की वजह से मैं यहां तक पहुंची हूं। क्या आपके साथ एक सेल्फी ले सकती हूं?" लाल साहब ने शर्म से सिर झुकाते हुए कहा, "जरूर बेटा।" "सर, बेटा नहीं... बेबी!" प्रिया का यह एक शब्द लाल साहब के गाल पर तमाचे की तरह लगा। सेल्फी खिंचवाते हुए लाल साहब और बृजेश सर के चेहरे झुके हुए थे और प्रिया का चेहरा स्वाभिमान से दमक रहा था। पूरा कोर्ट 'प्राउड ऑफ यू' की आवाज से गूंज उठा। प्रिया ने साबित कर दिया कि समाज उसे जितना झुकाएगा, वह उतनी ही ताकत से उठकर न्याय की मशाल जलाएगी।

काव्य

एक बूंद पानी की

बूंद-बूंद पानी की, एक बूंद
पानी की जीवन को सींचेगी,
तन-मन को सींचेगी
जाया मत जाने दो, नाली में,
नालों में कीचड़ के थालों में,
जाने से रोको अब।

बोओ तालाबों में, जोहड़ में,
पोखर में, धरती की रग-रग
में, इसको रम जाने दो,
बूंद-बूंद पानी की, एक बूंद
पानी की कण-कण को
सींचेगी। जीवन को सींचेगी।

मत खेलो, मत खेलो, पानी से
मत खेलो जब तक ये पानी
है, राजा है, रानी है, हर इक
कहानी है, रहिमन की बानी
है- 'बिन पानी सब सूना'
सूना सब पानी बिन।
सब सूना पानी बिन।

क्यों न तुम समझ पाते, पानी
से ये नाते मत खेलो पानी से,
खेलो मत पानी से
एक बूंद पानी की, सावन को
सींचेगी। जीवन को सींचेगी।

पानी के व्यापारी लेकर ये आए
हैं पानी बाजारों में बोतल में,
जारों में लगकर कतारों में
झरनों को लीलेंगे,
पोखर को सोखेंगे,
जन-जन तक जाने से
नदिया को रोकेंगे बादल
खरीदेंगे, आंगन बरसाएंगे
हां, अपने आंगन में,
बस अपने आंगन में, बेचेंगे
पानी की बूंद-बूंद बेचेंगे, दूर
देश से आकर माल खूब
खीचेंगे।
हम प्यासे बादल तक,
टकटकी लगाएंगे।

सीख याद आएंगी दादी की,
नानी की एक-एक ज्ञानी
की- बूंद-बूंद पानी की
एक बूंद पानी की आंगन को
सींचेगी जीवन को सींचेगी
जाया मत जाने दो।

अशोक 'अंजुम'
वरिष्ठ साहित्यकार

बस तेरे होने से

दुनिया और भी खूबसूरत
हो रही है
एक तेरे होने से,
रोशनी में नूर देख
तेरे होने से।
चांदनी और भी नरम
देख तेरे होने से।
घंटे पलों में बदल रहे
रास्ते नजारों से भर रहे।
इंतजार प्यार और सुखन
भरा
बस एक तेरे होने से।
तेरा मेरा रिश्ता जैसे
ओस की बूंद का फूलों से,
कब तक कितना कैसे से परे
देख बस तेरे होने से।

निवेदिता शर्मा
कवयित्री

दुखों को ओढ़ कर

दुखों को ओढ़ कर सोया रहा
सर्दी बहुत थी
दुखों को ओढ़ कर सोया वो
जैसे कोई पुरानी चादर हो
जिसमें सिलवटें भी तमाम थीं
और सर्दी भी बहुत थी।

रात भर करवटों में
वक्त की किरचें
नश्तर चुभोती रहीं,
पर उसने आह तक न की
कहीं सारे घर की
नींद न टूट जाए।

तकिये के नीचे रखे सपने
धीरे-धीरे धुंधला गए,
पर माथे पर जिम्मेदारियों का
हाथ वैसे ही टिका रहा।

दुखों को ओढ़ कर सोया वो,
पर सुबह फिर
मुस्कान पहनकर उठा
जैसे कुछ हुआ ही न हो।
उसकी चुप्पी में
अनगिनत प्रश्न थे,
और आंखों की कोरों में
थोड़ी-सी भीगी तरल रोशनी

दुखों को ओढ़ कर सोया वो
बस उम्मीद की एक
पतली-सी
धूप की किरण
खिड़की से भीतर आती रही।

निरुपमा सिंह
बिजनौर

लघुकथा

टिफिन

वर्मा जी कमरे में बैठे टिफिन का इंतजार कर रहे थे। उनकी उम्र अस्सी वर्ष से ऊपर हो गई थी। कुछ वर्ष पहले उनकी पत्नी का देहांत हो गया था। दोनों लड़के विदेश में बस गए थे। अब वे इस मकान में अकेले रहते थे।

कुछ दिन पहले उन्होंने अपने वाट्सऐप पर एक मैसेज देखा था। मैसेज सीनियर वेलफेयर सोसाइटी का था। उसमें लिखा था कि जो सीनियर सिटीजन बिल्कुल अकेले हैं और खाना बनाने में असमर्थ हैं वे मैसेज में दिए टेलीफोन नंबर पर अपना पता नोट करा दें। सोसाइटी उनके लिए दोनों टाइम निःशुल्क टिफिन पहुंचाने की व्यवस्था करेगी।

यह मैसेज देखकर वर्मा जी बड़े खुश हुए। इस उम्र में उन्हें खाना बनाने में बड़ी दिक्कत होती थी। उन्होंने दिए हुए फोन नंबर पर अपना पता-ठिकाना नोट करा दिया था। इस बात को आठ-दस दिन हो गए थे, तब से दोनों टाइम उनके यहां टिफिन आ रहा था। वे बड़े खुश थे। वर्मा जी ने घड़ी पर नजर डाली नौ बजे गए थे। आज अभी तक टिफिन लेकर कोई आया नहीं वे मन ही मन बुदबुदाए। तभी डोर बेल बज उठी। लो आ गया टिफिन वाला उन्होंने स्वयं से कहा। फिर उन्होंने उठकर दरवाजा खोला। सामने टिफिन वाले लड़के को देखकर उनके चेहरे पर हल्की सी मुस्कुराहट दौड़ गई। लड़के ने टिफिन उनके हाथ में पकड़ा दिया। वह उनके पीछे-पीछे चलने लगा। कॉरीडोर में वह रुकते हुए बोला-"मैं एक फोन करके आता हूं।"

सुरेश बाबू मिश्रा
वरिष्ठ लेखक

वर्मा जी अंदर आकर खाना खाने लगे। वे खाना खाकर उठे ही थे कि तभी टिफिन वाला लड़का अंदर आया उसके साथ तीन-चार लड़के और थे। इससे पहले कि वर्मा जी कुछ समझ पाते एक लड़के ने तमंचा उनकी कनपटी पर रखते हुए उन्हें खामोश रहने का हुक्म दिया।

फिर अन्य लड़कों ने उनके मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें अच्छी तरह से कुर्सी से बांध दिया। वे सब एक डेढ़ घंटे तक वर्मा जी के घर को खंगालते रहे। फिर सारी नकदी और कीमती सामान लेकर वहां से चंपत हो गए। वर्मा जी को वे उसी हालत में कुर्सी पर बंधा छोड़ गए।

संकेत

मां, मैम ने कल पापा को स्कूल में बुलाया है। आरव ने स्कूल से आते ही कहा। "क्यों? तुमने कुछ किया है क्या?" "नहीं।" आरव ने सिर झुका लिया। शाम को मां ने पति से कहा, "सुनिए, आरव के स्कूल से बुलावा आया है।" "फीस तो जमा है न?" "हां, पर बात फीस की नहीं लगती, कुछ और बात है।" अगले दिन वे स्कूल पहुंचे। क्लास टीचर ने बिना भूमिका बांधे आरव की कॉपी खोल कर सामने रख दी। कहा- "हमने बच्चों से 'घर का सबसे अच्छा समय' पर दो पंक्तियां लिखने को कहा था। आरव ने यह लिखा।"

वीना सिंह
साहित्यकार

कॉपी में साफ अक्षरों में लिखा था- "घर का सबसे अच्छा समय रविवार की सुबह होती है, क्योंकि उस दिन पापा मोबाइल पर नहीं होते।" पिता चौंक गए! उन्होंने धीमे से पूछा-"आरव, ऐसा क्यों लिखा?" आरव बेझिझक बोला, "बाकी दिनों में आप ऑफिस से आकर थक जाते हैं। फिर मोबाइल पर मीटिंग होती है। मैं कुछ पूछता हूं, तो आप कहते हैं, अभी नहीं, मैं बिजी हूं। रविवार को आप मेरे साथ खेलते हैं, इसलिए वो सबसे अच्छा लगता है।" कमरे में कुछ क्षण की चुप्पी रही। मैम ने शांत स्वर में कहा, "बच्चे शिकायत नहीं करते, वे बस अपने तरीके से संकेत दे देते हैं। समझना हमें होता है।" घर लौटकर उस शाम पिता ने मोबाइल साइलेंट कर दूर रख दिया। मुस्कराकर पूछा, "आज कौन-सा दिन है?" "बुधवार," आरव ने चमकती आंखों से कहा। पिता ने उसे बांहों में भर लिया- "तो तय रहा, अब हर दिन अच्छा होगा।"

समीक्षा

व्हिस्पर्स ऑफ द सोल

व्हिस्पर्स ऑफ द सोल एक ऐसी प्रेरणादायक पुस्तक है, जो आत्मचिंतन, आध्यात्मिक अनुभवों और जीवन के विविध पहलुओं को गहराई से समझने की यात्रा पर ले जाती है। लेखिका डॉ. तनु जैन, जो रक्षा मंत्रालय में एक सिविल सेवक होने के साथ-साथ एक सम्मानित आध्यात्मिक वक्ता भी हैं, ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों, विचारों और जीवन से सीखे गए मूल्यों को इस पुस्तक में सहज और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक किसी सरकारी नीति या आधिकारिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व नहीं करती, बल्कि यह लेखिका की आत्मिक अनुभूतियों और जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण का सच्चा और संवेदनशील प्रतिबिंब है। इसमें छोटे-छोटे कदमों की शक्ति, संबंधों में आध्यात्मिक परिपक्वता, सजग जीवनशैली और विभिन्न आध्यात्मिक स्थलों के अनुभवों को अत्यंत सुंदर ढंग से पिरोया गया है।

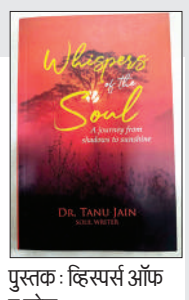

पुस्तक : व्हिस्पर्स ऑफ द सोल
लेखक : डॉ. तनु जैन
मूल्य : 500

पुस्तक का प्रत्येक अध्याय एक स्वतंत्र चिंतन के रूप में प्रस्तुत है, जिसमें जीवन की सच्चाइयों को सरल, लेकिन गहन तरीके से समझाया गया है। इसमें प्रेरणादायक प्रसंग, आध्यात्मिक संदर्भ और विचारोत्तेजक व्याख्याएं शामिल हैं, जो पाठक को रुककर सोचने, आत्मनिरीक्षण करने और अपने जीवन के उद्देश्य से जुड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। यह पुस्तक उन सभी लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जो जीवन के शोरगुल के बीच अर्थ, संतुलन और आत्मिक शांति की तलाश में हैं। साथ ही, यह उन पाठकों के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती है, जो अपने कर्तव्य और आध्यात्मिकता के बीच संतुलन स्थापित करना चाहते हैं। व्हिस्पर्स ऑफ द सोल न केवल एक पुस्तक है, बल्कि आत्मा की आवाज को सुनने और समझने का एक सुंदर प्रयास है।

लोक के लिए सृजन

डॉ. सत्यभामा ने पंडित राधेश्याम कथावाचक की कृतियों पर विभिन्न लेखकों की समीक्षाओं को इकट्ठा करके एक पुस्तक निकाली है। नाम है- 'लोकपथ का सृजन', विशेषता यह है कि यह सभी कृतियां पिछले कुछ वर्षों में हरिशंकर शर्मा द्वारा प्रकाशित की गई हैं। एक प्रकार से यह हरिशंकर शर्मा द्वारा पंडित राधेश्याम कथावाचक के कृतित्व के संबंध में किए गए कार्यों पर देश-भर के लेखकों का आकलन है। पुस्तक में 98 लेख हैं। किसी लेखक की कलम से एक लेख, किसी के द्वारा अनेक लेख। पं. राधेश्याम कथावाचक के रचना-कर्म का समस्त फलक इस पुस्तक के अध्ययन से जाना जा सकता है।

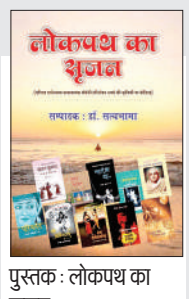

पुस्तक : लोकपथ का सृजन
संपादक : डॉ. सत्यभामा
मूल्य : 795
समीक्षक : रवि प्रकाश रामपुर

डॉ. सत्यभामा के संपादकत्व का अपना महत्व है। आपने वर्ष 2021 में पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय से 'पारसी रंगमंच के विकास में राधेश्याम कथावाचक का योगदान' विषय पर पीएचडी का कार्य किया है। इस प्रकार आप राधेश्याम कथावाचक के साहित्य की मर्मज्ञ सहज ही कही जा सकती हैं। पुस्तक की प्रस्तावना में हरिशंकर शर्मा ने पुस्तक का उद्देश्य इन शब्दों में बताया है: 'दिवंगत पंडित राधेश्याम कथावाचक को नई पीढ़ी जाने, उनके साहित्य से प्रेरणा ले।' पुस्तक में हरिशंकर शर्मा के सात लेख भी शामिल किए गए हैं। यह लेख राधेश्याम रामायण, भ्रमर पत्रिका तथा फिल्म जगत में कथावाचक जी के योगदान आदि पर प्रकाश डालते हैं। यह पुस्तक पंडित राधेश्याम कथावाचक की कृतियों पर किए गए कार्यों के संबंध में प्रकाशित लगभग दो दर्जन पुस्तकों का सार-संक्षेप कहा जा सकता है। अगर कोई शोधार्थी दो दर्जन पुस्तकें पढ़ने के स्थान पर केवल एक पुस्तक से काम चलाना चाहता है, तो उसे 'लोकपथ का सृजन' का अध्ययन पर्याप्त होगा। 'लोकपथ का सृजन' ने उन्हें पुस्तक का आकार देकर सरलता से सर्वसुलभ बना दिया है। पुस्तक की छपाई आकर्षक है। मुखपृष्ठ भीतर की सामग्री को दर्शाने में उपयुक्त है।

व्यंग्य

मिसाइल खेला के सूत्रधार

कहा जाता है की जवानी जोश-खरोश से भरी होती है। इसमें कूट-कूटकर उत्साह भरा होता है। इन्हें जिंदगी की कोई खास परवाह नहीं होती है। यह उम्र ही खतरों से खेलने की होती है और साथ ही जिंदगी के मजे लेने की भी होती है।

मुझे भी पहले इसी बात का विश्वास था। मैं तो सोचती थी जल्दी-जल्दी जीवन जी लिया जाए। सत्तर में तो यहां दर्द, वहां दर्द, हाय रे कमरदर्द शुरू हो जाएगा। फिर बैठे- बैठे कंठी माला ही जपना है। वैसे भी तीस की उम्र में कितना ही बोझा रहता है। घर, परिवार, करियर, सब बेताल की तरह कांधे पर सवार रहते हैं। बस प्राण नहीं निकलते हैं, यही बहुत बड़ी बात हो जाती है, लेकिन अब इन सब बातों से विश्वास उठ चुका है। जब से ईरान, अमेरिका, इजरायल युद्ध शुरू हुआ और इनके कर्ता-धर्ता और सूत्रधारों की उम्र देख रही हूं और इनके जोश- खरोश, उत्पात देख रही हूं। आंखें हैरानी से कटोरी से निकलने को आतुर है। अब मैं भी उत्पात मचाने के लिए अपने बुढ़ापे का इंतजार कर रही हूं। अब आप ही देख लीजिए तीस वाले, पूरी दुनिया कैसे बचेगी वह कैसे बचेंगे? उनका रोजी रोजगार कैसे बचेगा? घर-परिवार कैसे बचेगा इस चिंता में दुबले हो रहे हैं। जवानी में, डिप्रेशन में जा रहे हैं। वहीं सत्तर वाले इंजॉय कर रहे हैं अब यदि यह उलटी गंगा है, तो है।

रेखा शाह
बलिया

पूरी दुनिया युद्ध के चक्रव्यूह में घिरी हुई है। उसकी रचना यह सत्तर पार वाले किए हैं। मजाल हो की उसमें कोई बीस पच्चीस साल का बालक हो। यह सत्तर पार वाले महानायक पूरी दुनिया को फूंक कर तमाशा देखना चाहते हैं।

समझ नहीं आता है कि कौन सी चक्की का आटा खा रहे हैं कि इनका जोश कम नहीं हो रहा है। यहां युवा नौकरी-चाकरी के चक्कर मे हांफकर डिप्रेशन में मर रहा है। यह रोज नए-नए धरती पर सस्पेंशन पैदा कर रहे हैं। यह तीस वाले हॉकी, क्रिकेट और बैडमिंटन खेल रहे हैं। यह सत्तर वाले एटम बम-एटम बम खेल रहे हैं। मिसाइल -मिसाइल खेल रहे हैं। बहुत कंफ्यूजन है यह सत्तर वाले हवा में एटम बम उछाल-उछालकर बोल रहे हैं कि आओ चलो खेला जाए। कौन ऐसा करता है। यह तीस वाले कमबख्त सिर्फ रील और क्रिकेट, इंस्टा, फेसबुक और रोमांस में उलझे हुए हैं। कुछ भी हो 2026 का ताज तो सत्तर वालों के सर पर बिना विवाद के ही है।

तीस वालों निकम्मों, जाओ चुल्लू भर पानी में डूब मरो। बस इतना ख्याल रखना कि कहीं उस पानी में भी इन उत्पात्ती बूढ़ों ने अपने मजे के लिए पारा घोल के न रखा हो। लोग कहते हैं कि इनकी उम्र आस्था चैनल देखने की है, लेकिन हे भगवान यह तो पॉप म्यूजिक चैनल देख और पूरी दुनिया को दिखा रहे हैं। उस पर बवाल करवा रहे हैं। बस भगवान इससे ज्यादा दूरबुद्धि इनको मत देना। क्योंकि इनको तो मात्र दस -बीस साल इस धरती पर रहना है। हम लोगों को तो अभी पूरी जिंदगी पड़ी हुई है।

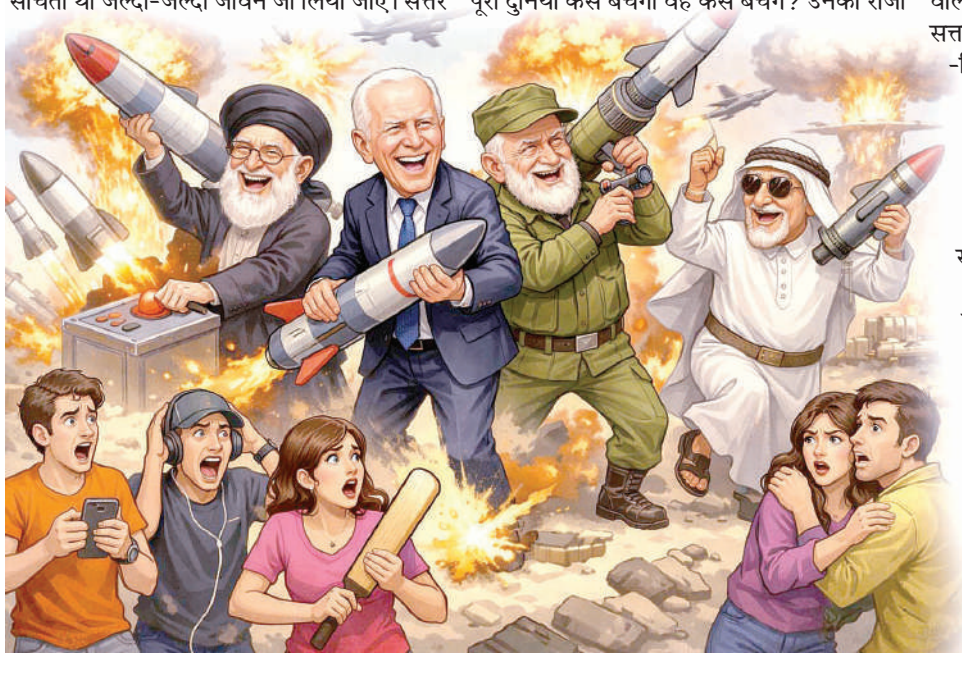

जब प्रेम बन जाए बोझ

स्त्री, चुप्पी और निर्णय

मेघा राठी
भोपाल

हमारे समाज में आज भी यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ता टूटने की कगार पर है, तो कहीं न कहीं स्त्री ही ज्यादा भावुक, ज्यादा अपेक्षी या ज्यादा असहिष्णु रही होगी। स्त्री से यह उम्मीद की जाती है कि वह हर परिस्थिति में समायोजन करे, समझौता करे और हालात को 'संभाले', लेकिन सच्चाई यह है कि कई रिश्ते इसलिए नहीं टूटते कि प्रेम समाप्त हो गया, बल्कि इसलिए टूटते हैं कि प्रेम निभाने की क्षमता समाप्त हो जाती है।

गिरिजा अपने पति की बेरुखी से परेशान थी। वह गिरिजा के प्रति कभी अपनी जिम्मेदारी नहीं समझना चाहता था। शादी के बाद भी उसे अपने दोस्तों के साथ अविवाहित लड़कों की तरह जिंदगी जीना पसंद था, जब गिरिजा उससे शिकायत करती, तो वह उल्टा उसी की कमी निकालकर उसे अपमानित कर देता और घर छोड़कर जाने के लिए कह देता। गिरिजा उसके लिए सिर्फ घर और उसकी आवश्यकता पूरी करने वाली वस्तु की तरह थी। पति के घरवाले भी गिरिजा की स्थिति समझकर भी अनदेखा कर देते थे। उन्हें लगता था कि समय के साथ सब सही हो जाएगा, लेकिन वो समय कब आएगा, इसका उत्तर किसी के पास नहीं था। यह लेख उन स्त्रियों के लिए है, जो रोज अपने भीतर यह प्रश्न दोहराती हैं-"क्या मैं ज्यादा मांग रही हूं?", "क्या बच्चों के लिए सब सह लेना ही सही है?", "क्या अगर मैं थोड़ी और कोशिश करूं, तो सब ठीक हो जाएगा?" अतः स्त्रियों को समझना होगा कि हर सवाल का उत्तर 'और सहना' नहीं होता।

कब उम्मीद से बोझ बन जाता है प्रेम

प्रेम संघर्ष से नहीं टूटता। संघर्ष हर रिश्ते का हिस्सा है। प्रेम तब बोझ बनता है, जब संघर्ष के साथ अपमान जुड़ जाए। जब संवाद की जगह ताना ले ले, जब 'रुको, बात करते हैं' की जगह 'जाओ' जैसे शब्द सामान्य हो जाएं। जब किसी की गलती पर आत्मग्लानि किसी और को दी जाए।

यदि कोई स्त्री रोज खुद को यह समझाती है कि "आज नहीं, शायद कल सब ठीक हो जाएगा" और वह 'कल' महीनों और वर्षों तक नहीं आता, तो यह प्रेम नहीं, सहनशीलता का बोझ बन जाता है। ऐसे रिश्तों में स्त्री सिर्फ साथी नहीं रहती, वह भावनात्मक ढाल बन जाती है, जिस पर हर असंतुलन का भार डाला जाता है।

चुप्पी भी एक तरह की हिंसा

शारीरिक हिंसा दिखाई देती है, लेकिन भावनात्मक हिंसा अक्सर चुप्पी में छुपी रहती है। बार-बार बात टाल देना, समस्या को हल्का बताना या स्त्री की पीड़ा को 'ड्रामा' कह देना-ये सब उसी हिंसा के रूप हैं। स्त्री जब बोलना छोड़ देती है, तब समाज उसे 'समझदार' कह देता है, जबकि भीतर वह टूट रही होती है।

एक भ्रम : बच्चों के नाम पर सहना

कई स्त्रियां बच्चों के लिए ऐसे रिश्तों में लौट आती हैं, जहां उन्हें सम्मान नहीं मिलता। यह लौटना कमजोरी नहीं, मां होने की ताकत है, लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि बच्चों को सबसे ज्यादा जरूरत शांत, सुरक्षित और स्थिर मां की होती है। बच्चे शब्दों से ज्यादा माहौल सीखते हैं। अगर रोज घर में डर, अपमान और अनिश्चितता है, तो उसका असर बच्चों पर गहराई से पड़ता है। एक टूटती हुई मां बच्चों के लिए सुरक्षा नहीं बन पाती। इसलिए बच्चों के नाम पर खुद को पूरी तरह खो देना कोई समाधान नहीं है।

जब परिवार साथ नहीं देता

कई बार देखा जाता है कि परिवार तब सक्रिय होता है, जब संकट बाहर से आए, क्योंकि तब सामाजिक प्रतिष्ठा दांव पर होती है, लेकिन जब समस्या घर के भीतर हो और सवाल अपने बेटे या भाई पर आए तब वही परिवार चुप हो जाता है। यह स्त्री की गलती नहीं है। यह सामाजिक सुविधा और पक्षपात की सच्चाई है। इस चुप्पी को स्त्री अक्सर अपनी असफलता मान लेती है,"शायद मेरी ही कमी है।" जबकि वास्तव में यह उस ढांचे की कमी है, जो स्त्री से त्याग तो चाहता है, लेकिन उसे सुरक्षा नहीं देता।

प्रेम और जिम्मेदारी का फर्क

किसी के मन में भावनाएं हो सकती हैं, लेकिन अगर वे व्यवहार में सुरक्षा, सम्मान और स्थिरता नहीं देतीं, तो वह प्रेम अधूरा है। बहुत से लोग प्यार करते हैं, पर निभा नहीं पाते। अधूरा प्रेम स्त्री के जीवन में सबसे ज्यादा थकान और भ्रम पैदा करता है। यह समझना जरूरी है कि प्रेम का प्रमाण शब्द नहीं, कर्म होते हैं। समय पर घर आना, संवाद बनाए रखना, अपमानजनक भाषा से बचना और जरूरत पड़ने पर अपनी आदतों की जिम्मेदारी लेना।

निर्णय का साफ फ्रेमः रुकना, तैयारी या पीछे हटना

- निर्णय हमेशा गुस्से या डर में नहीं लिया जाना चाहिए। उसके लिए एक स्पष्ट ढांचा होना जरूरी है।
- रुकना तब सही है, जब बदलाव लगातार कर्म में दिखे, सिर्फ कुछ दिनों के लिए नहीं। अगर सम्मान, संवाद और जिम्मेदारी स्थिर रूप से लौट रही है, तो रुकना आत्म-त्याग नहीं, समझदारी हो सकती है।
- तैयारी वह अवस्था है, जहां स्त्री जाना नहीं चाहती, लेकिन आंख बंद करके रह भी नहीं सकती। इस चरण में भावनात्मक दूरी बनाना, भरोसेमंद लोगों से जुड़ना, जरूरी दस्तावेज और आर्थिक/मानसिक तैयारी करना आवश्यक है। यह चरण चुपचाप होता है, धमकी या घोषणा के बिना।
- पीछे हटना तब जरूरी हो जाता है, जब अपमान, डर और अस्थिरता लगातार बनी रहे। यह हार नहीं है। यह आत्मसंरक्षण है। बच्चों के लिए भी।

खुद को दोष दिए बिना निर्णय कैसे लें

यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है। स्त्री अक्सर खुद को दोष देती है, "मैं और समझदार होती तो"। इस चक्र से बाहर निकलने के लिए तीन सच्चे सवाल खुद से पूछने चाहिए :

- क्या मैंने ईमानदारी से कोशिश की?
- क्या मेरी कोशिश से व्यवहार बदला?
- अगर मेरी बेटी इस स्थिति में होती, तो मैं उसे क्या सलाह देती?

इन सवालों के उत्तर ही निर्णय का सही कम्पास है। ध्यान रखें, आप ज्यादा नहीं मांग रहीं। आप न्यूनतम मानवीय सम्मान मांग रही हैं। अगर वह नहीं मिल रहा, तो समस्या आपके प्रेम में नहीं, व्यवहार में है। स्त्री को रिश्ता छोड़ने की नहीं, बल्कि खुद को बचाने की अधिक आवश्यकता होती है, क्योंकि जब स्त्री खुद को नहीं बचाती, तो कोई और नहीं बचाता।

आउटडोर गेम्सः बच्चों की फिटनेस और फन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन

आज के डिजिटल दौर में जहां बच्चे मोबाइल और टीवी की दुनिया में ज्यादा समय बिताने लगे हैं, वहीं उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर इसका असर साफ नजर आने लगा है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि बच्चों को आउटडोर गतिविधियों की ओर प्रोत्साहित किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के समग्र विकास के लिए संतुलित आहार के साथ-साथ नियमित शारीरिक गतिविधि भी बेहद आवश्यक है। आउटडोर गेम्स न केवल बच्चों को फिट रखते हैं, बल्कि उनमें टीमवर्क, अनुशासन और सामाजिक व्यवहार जैसे गुण भी विकसित करते हैं। खेलते समय बच्चे नए दोस्त बनाते हैं, आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और तनाव से भी दूर रहते हैं। खासकर गर्मी की छुट्टियां बच्चों के लिए सबसे अच्छा समय होती हैं, जब वे खुलकर खेल सकते हैं और नई चीजें सीख सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कुछ ऐसे आउटडोर गेम्स के बारे में, जो बच्चों के ओवरऑल ग्रोथ में अहम भूमिका निभाते हैं।

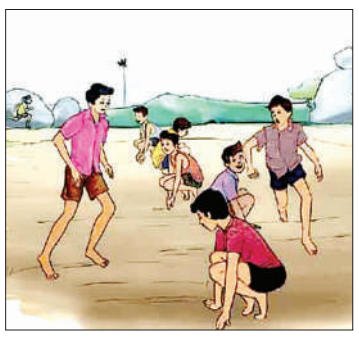

खो-खो

खो-खो भारत का एक पारंपरिक और बेहद लोकप्रिय आउटडोर गेम है, जिसे बच्चे बड़े उत्साह के साथ खेलते हैं। यह खेल आमतौर पर टीम में खेला जाता है, जिससे बच्चों में सहयोग और रणनीति बनाने की क्षमता विकसित होती है। दौड़ने और तेजी से दिशा बदलने के कारण बच्चों की फुर्ती और सहनशक्ति बढ़ती है। स्कूलों और मोहल्लों में आसानी से खेला जाने वाला यह गेम बच्चों को सक्रिय रखने का बेहतरीन तरीका है।

बैडमिंटन

बैडमिंटन एक ऐसा खेल है, जिसे कम जगह में भी आसानी से खेला जा सकता है। रैकेट और शटल के साथ खेला जाने वाला यह गेम बच्चों के हाथ-आंख के तालमेल को बेहतर बनाता है। इसमें लगातार उछलना और दौड़ना पड़ता है, जिससे शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। यह खेल बच्चों की एकाग्रता बढ़ाने के साथ उन्हें फुर्तीला भी बनाता है।

क्रिकेट

क्रिकेट बच्चों के बीच सबसे पसंदीदा खेलों में से एक है। टीम के साथ खेले जाने वाला यह गेम बच्चों को अनुशासन, धैर्य और टीम भावना सिखाता है। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग के दौरान शरीर का पूरा व्यायाम होता है, जिससे फिटनेस बेहतर होती है। यह खेल बच्चों की स्टैमिना बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है।

कबड्डी

कबड्डी एक ऐसा खेल है, जो ताकत और दिमाग दोनों का सही संतुलन मांगता है। इस खेल में सांस रोककर खेलने की तकनीक बच्चों की ब्रीदिंग क्षमता को मजबूत करती है। साथ ही, पकड़ और संतुलन बेहतर होता है। कबड्डी खेलने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना सीखते हैं।

रस्साकशी

रस्साकशी बच्चों के लिए एक मजेदार और ऊर्जा से भरपूर खेल है। इस में टीमवर्क की भावना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। रस्सी खींचने के दौरान शरीर की मांसपेशियों पर जोर पड़ता है, जिससे ताकत बढ़ती है। यह खेल बच्चों को एकजुट होकर लक्ष्य हासिल करने की सीख भी देता है।

गैस सिलेंडर की दिक्कत है? नो टेंशन

गैस सिलेंडर अचानक खत्म हो जाए, किसी कारणवश डिलीवरी में बाधा आ जाए, मेहमान ज्यादा आने वाले हों और गैस खत्म होने का डर हो, तो डरने या घबराने की कोई बात नहीं है। आपको कुछ वैकल्पिक व्यवस्थाएं रखनी चाहिए। तकनीक और वैज्ञानिक तरक्की के युग में लगभग हर जरूरी चीज के कई विकल्प उपलब्ध हैं। आइए जानते हैं, कुकिंग को आसान बनाने वाले तमाम वैकल्पिक उपकरणों के बारे में। ये उपकरण सुरक्षित, तेज और ऊर्जा-कुशल हैं, जो एलपीजी पर निर्भरता कम करने में मदद करते हैं।

शिखर चंद जैन
लेखक

इलेक्ट्रिक कुकिंग विकल्प

बिजली से चलने वाले आधुनिक विकल्प शहर और गांव दोनों जगह लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि ये गैस की तुलना में सुरक्षित और तेज हैं। ऐसे कई कुकिंग इक्विपमेंट आसानी से उपलब्ध हैं, जो बिजली से चलते हैं। ये उपकरण आज के समय में गैस का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन रहे हैः

- **इंडक्शन कुकटॉप :** यह उपकरण इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक पर काम करता है और गैस की तुलना में 90 प्रतिशत अधिक तेज और कुशलता से काम करता है। इसमें आग का उपयोग नहीं होता, जिससे यह सुरक्षित है, इसके इस्तेमाल के लिए विशेष चुंबकीय बर्तनों की आवश्यकता होती है।
- **इलेक्ट्रिक कॉइल स्टोव/हॉट प्लेटः** यह पुराने हीटर जैसा होता है, लेकिन आधुनिक सुरक्षा मानकों के साथ आता है। कई ब्रांड 2000-वाट के कॉइल स्टोव बनाते हैं।
- **माइक्रोवेव और एयर फ्रायर** माइक्रोवेव आज घर-घर में मिल जाएंगे। इनका इस्तेमाल ज्यादातर खाना गर्म करने के लिए किया जाता है, मगर खाना गर्म करने के अलावा, इनमें बेकिंग भी आसानी से की जा सकती है। एयर फ्रायर कैलोरी कांशस न्यू जेनरेशन में काफी लोकप्रिय है। इसमें कम घी तेल के इस्तेमाल से कई प्रकार के व्यंजन बनाए जा सकते हैं।
- **इलेक्ट्रिक राइस कुकर और केतली** ये उपकरण चावल पकाने, दाल उबालने और चाय/कॉफी बनाने के लिए गैस की खपत को काफी हद तक कम कर देते हैं। विशेष रूप से आजकल दफ्तरों में और पढ़ने वाले छात्र या दूसरे शहरों में जॉब करने वाले लोग, इन्हें अपने पास रखते हैं।

सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरण

बिना किसी ईंधन खर्च किए खाना बनाने के लिए सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरण सबसे बेहतरीन विकल्प हैं।

- **बॉक्स टाइप सोलर कुकर** यह एक शीशे वाला बॉक्स होता है, जो सूरज की रोशनी को अंदर रोकता है (ग्रीनहाउस प्रभाव)। इसमें खाना धीरे-धीरे (3-4 घंटे) पकता है, जिससे भोजन के पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं।
- **पैराबोलिक डिश कुकर :** यह एक छतरी जैसा होता है, जो धूप को एक बिंदु पर केंद्रित करता है। इसमें तापमान बहुत अधिक हो जाता है, जिससे आप तलने या रोटी बनाने जैसा काम भी कर सकते हैं।
- **इंडियन ऑयल्स का सूर्यनूतन :** इंडियन ऑयल्स ने एक इनडोर सौर चूल्हा विकसित किया है, जिसे धूप की जरूरत नहीं होती, क्योंकि यह छत पर लगे सौर पैनलों से चार्ज होता है।
- **स्मार्ट सोलर स्टोव :** एनआईटी कालीकट जैसे संस्थानों ने पोर्टेबल सोलर स्टोव विकसित किए हैं, जो बैटरी बैकअप के साथ आते हैं, जिससे इन्हें रात या बारिश में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

भारत में बायो गैस प्लांट

भारत में इस समय 130 से अधिक चालू बायोगैस संयंत्र हैं। मुख्य संयंत्र पंजाब (संगरूर, लुधियाना), हरियाणा, उत्तर प्रदेश (प्रयागराज, बरेली, बदायूं) और मध्य प्रदेश (इंदौर) में स्थित हैं। इसके अलावा दिल्ली की नंगली डेयरी में भी प्लांट चालू है। पंजाब के संगरूर में एशिया का सबसे बड़ा बायो एनर्जी प्लांट स्थित है, जो पराली से गैस बनाता है। मध्य प्रदेश के इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा बायो-सीएनजी प्लांट है, जो गीले कचरे से बायो-सीएनजी बनाता है।

अन्य पारंपरिक और आधुनिक विकल्प

- **बायोगैस :** ग्रामीण इलाकों में जैविक कचरे (गोबर, छिलके आदि) से बनी गैस एक बहुत अच्छा और मुफ्त विकल्प है। पहले यह ग्रामीण इलाकों में अत्यधिक लोकप्रिय था।
- **घरेलू बायोगैस प्लांट :** यदि आपके पास किचन वेस्ट (सब्जी के छिलके, बचा खाना) या पशुओं का गोबर उपलब्ध है, तो आप छोटा बायोगैस प्लांट लगा सकते हैं। यह कचरे को गैस में बदल देता है और बचा हुआ अवशेष पौधों के लिए बेहतरीन जैविक खाद का काम करता है। यह विकल्प सीमित क्षेत्रों में ही उपलब्ध है।
- **कोयला और लकड़ी :** यद्यपि ये पारंपरिक तरीके हैं और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक माने जाते हैं, मगर विशेष परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल अब भी किया जाता है।
- **धुआं रहित बायोमास चूल्हा :** यह पारंपरिक चूल्हे का सुधरा हुआ रूप है। यह लकड़ी या कंडे का उपयोग करता है, लेकिन इसमें धुआं बहुत कम निकलता है और ईंधन की खपत भी कम होती है।

खाना खजाना

स्वाद और सेहत से भरपूर उंडी

उंडी साउथ इंडियन किचन का एक हल्का, स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है, जो स्वाद के साथ सेहत का भी बेहतरीन संतुलन पेश करता है। जब रोजमर्रा के उपमा और इडली से हटकर कुछ नया और झटपट बनाने का मन हो, तब उंडी एक शानदार विकल्प बन जाती है। चावल और दाल के मिश्रण से तैयार यह डिश स्टीम होकर बनती है। इसमें तेल का उपयोग कम होता है और यह आसानी से पचने योग्य भी होती है। नरम बनावट और हल्के मसालों का स्वाद इसे हर उम्र के लोगों के लिए पसंदीदा बना देता है।

अमित परिहार
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- सूजी - 1 कप
- सूखा नारियल-चौथाई कप
- तेल - 1 चम्मच
- चने की दाल - 1 चम्मच
- उड़द की धुली दाल - 1 चम्मच
- काली सरसों - 1 चम्मच
- करी पत्ता - 4 से 5
- सूखी साबुत लाल मिर्च- 4 से 5
- पानी - ढाई कप
- नमक- स्वादानुसार

परोसने के लिए

- टमाटर की चटनी या नारियल की चटनी

बनाने की विधि

उंडी एक सरल, लेकिन बेहद स्वादिष्ट और हेल्दी साउथ इंडियन नाश्ता है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी तैयारी और सही तरीके की जरूरत होती है, जिससे इसका स्वाद और भी निखर कर आता है।

सबसे पहले एक नॉनस्टिक पैन में 1-2 चम्मच तेल गरम करें। जब तेल हल्का गरम हो जाए, तब उसमें काली सरसों डालें। सरसों के चटकने पर साबुत लाल मिर्च, करी पत्ता, चने की दाल और उड़द की दाल डालकर धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। इससे नाश्ते में हल्का कुरकुरापन और सुगंध आएगी। अब इसमें सूजी डालकर मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें। सूजी को तब तक भूनें जब तक उससे हल्की खुशबू आने लगे और उसका रंग थोड़ा बदल जाए। ध्यान रखें कि सूजी जले नहीं। सूजी अच्छी तरह भुन जाए, तब इसमें स्वादानुसार नमक, ताजा कद्दूकस किया हुआ नारियल और आवश्यकतानुसार पानी डालें। पानी डालते समय लगातार चलाते रहें ताकि गांठें न बनें। अब इस मिश्रण को धीमी आंच पर पकाए, जब तक यह गाढ़ा होकर कढ़ाई छोड़ने न लगे और एकसार न हो जाए। मिश्रण तैयार होने पर, गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने के लिए रख दें। इस दौरान एक बड़े बर्तन या भगोने में पानी डालकर गरम करने के लिए रख दें, ताकि उसमें भाप बनने लगे। मिश्रण ठंडा होने के बाद हाथों में थोड़ा सा तेल लगाएं और इसके छोटे-छोटे गोल आकार के लड्डू बना लें। हर गोले के बीच में हल्का सा गड्ढा बना दें, जिससे वे अंदर तक अच्छी तरह स्टीम हो सकें। अब भगोने में जब अच्छी भाप बनने लगे, तो उसके ऊपर तेल लगी छलनी या स्टीमर प्लेट रखें। इन तैयार गोलों को छलनी पर थोड़ी दूरी बनाकर रखें। फिर इसे एक प्लेट या ढक्कन से ढक दें। मध्यम आंच पर लगभग 10 मिनट तक इन्हें भाप में पकाएं। 10 मिनट बाद उंडी पूरी तरह स्टीम होकर नरम और स्वादिष्ट बन जाएगी। इन्हें गर्मागर्म टमाटर की चटनी या नारियल की चटनी के साथ सुबह के नाश्ते में परोसें और एक हेल्दी व टेस्टी डिश का आनंद लें।

न्यूज ब्रीफ

4 अधिकारियों पर लगा 25-25 हजार का जुर्माना

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में चार अधिकारियों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगा है। आरटीआई का जवाब नहीं देने पर बांसी, शोहरतगढ़, उसका बाजार एवं सिद्धार्थनगर के अधीशासी अधिकारियों पर राज्य सूचना आयोग ने जुर्माना लगाया है। वहीं ईओ पर लापरवाही, भ्रष्टाचार व आयोग के आदेशों व निर्देशों का उल्लंघन करना भारी पड़ा है और जुर्माना के धनराशि की वेतन से कटौती होगी। सिद्धार्थनगर में राज्य सूचना आयोग ने 4 अधिकारियों पर सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत सूचना उपलब्ध न कराने पर 25 हजार रुपए का जुर्माना वसूलने का आदेश दिया। बस्ती जनपद निवासी सुदृष्टि नारायण त्रिपाठी द्वारा उपरोक्त अधिकारियों से सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी थी, जो नहीं दी गई।

विधायक ने सुंदरीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उसका ब्लॉक अंतर्गत उसका अजगरा धर्म सिंहवा मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण कार्य का भूमिपूजन कपिलवस्तु के विधायक श्यामधनी राही के द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। विधायक ने कहा कि इस सड़क के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण से कछार क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अजगरा रामकेवल शर्मा, ग्राम प्रधान लक्षनपुर उमेश पाण्डेय, ग्राम प्रधान तालनटवा राम किशुन यादव, ग्राम प्रधान करमा लवकुश राजभर, विधायक प्रतिनिधि सत्य प्रकाश राही, सभासद मनीष जायसवाल, संदीप दुबे, संजय सहानी, पूर्व सभासद पन्नेलाल, पूर्व प्रधान अर्जुन पासवान, सेक्टर प्रभारी भाजपा राम लाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, प्रधानगण एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित रही।

नेपाल : ओली और रमेश की गिरफ्तारी पर काठमांडू में बवाल

काठमांडू, नेपाल। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सरकार के सत्ता रूढ़ होते ही उसके समक्ष कानून व्यवस्था की चुनौती पेश आ गई। शनिवार को सुबह पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली और उनकी सरकार में गृह मंत्री रहे रमेश लेखक की गिरफ्तारी के बाद काठमांडू में माहौल तनावग्रस्त हो गया। सैकड़ों की संख्या में एमाले कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और ओली की अबिलंब रिहाई की मांग पर अड़ गए। सिंह दरबार परिसर में स्थिति माइती घर के समक्ष बालेन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए ओली की गिरफ्तारी को बदलने की भावना करार दिया गया। प्रदर्शन कारियों ने

- **नई सरकार के समक्ष कानून व्यवस्था की गंभीर चुनौती, देश के कई हिस्सों में उग्र प्रदर्शन**

सड़कों पर टायर जलाकर सड़क जाम किया। फिलहाल किसी सरकारी संपत्ति के नुकसान और जनहानि की सूचना नहीं है। इस बीच गृहमंत्रालय ने स्थित पर काबू करने के लिए पुलिस को सख्त निर्देश जारी किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार करीब दो दर्जन आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया गया है। एमाले के पूर्व सांसद मंगल प्रसाद गुप्ता ने इसे बदले की कार्रवाई बताया जबकि सरकार के प्रवक्ता ने इसे कानून सम्मत

काठमांड में पूर्व पीएम की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन करते लोग।

कार्रवाई करार दिया है। ओली और पूर्व गृहमंत्री की गिरफ्तारी यद्यपि कि नई सरकार के गठन के फौरन बाद हुई लेकिन इसकी सिफारिश जेन जी आंदोलन में मारे गए 76 लोगों की जांच को गठित एक आयोग ने एक माह पहले ही की थी। पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता में गठित उक्त घटना की जांच रिपोर्ट अंतरिम सरकार को सौंप दी गई थी। इस रिपोर्ट में पूर्व पीएम ओली, गृहमंत्री रमेश लेखक और तत्कालीन आईजी पुलिस चंद्र कुबेर खापुंग को दोषी ठहराते हुए इनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की थी। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि "हामी नेपाल" के संचालक और वर्तमान गृहमंत्री सुदन गुरूंग द्वारा शांति पूर्ण प्रदर्शन की अनुमति के बावजूद सरकार ने सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किए जिसकी वजह से काठमांडू में आगजनी और जनहानि की बड़ी घटना हुई। रिपोर्ट में पूर्व पीएम ओली के खिलाफ तीन साल से दस साल तक की कैद और भारी धनराशि के जुर्माने की संस्तुति की गई थी।

पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने पश्चिम रेलवे मुंबई को 90 रनों से हराया

गोरखपुर, अमृत विचार। 23 से 31 मार्च तक मुंबई में खेली जा रही 69वीं ऑल इंडिया रेलवे क्रिकेट चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान उपेंद्र यादव के शानदार शतक की बदौलत पूर्वोत्तर रेलवे ने पश्चिम रेलवे, मुंबई को 90 रनों से हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया। इस चैम्पियनशिप में कुल 28 टीमों ने भाग लिया। पश्चिम रेलवे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का मौका पूर्वोत्तर रेलवे को दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में सभी विकेट खोकर 240 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसमे कप्तान उपेंद्र यादव ने शानदार 110, साहेब युवराज सिंह ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 51 रन बनाये जबकि शुभम चौबे और रजत निर्वाल ने 27-27 रनों का योगदान दिया। पश्चिम रेलवे के वरूण ने 03 एवं सुरेन्द्र, जमशेद, विनायक ने 02-02 विकेट लिये। जवाब में पश्चिम रेलवे की पूरी टीम 40 ओवरों में 150 रनों पर सिमट गई। मुंबई के हर्षल जाधव ने सर्वाधिक 42 रनों का योगदान दिया। पूर्वोत्तर रेलवे के कृतज्ञ ने चार त्रिशाल और विराट ने दो दो जबकि रजत और अंकित यादव ने एक- एक विकेट लिया।

तलाक लिए बिना किसी तीसरे व्यक्ति के साथ लिव-इन संबंध मान्य नहीं : हाईकोर्ट

कहा- वैध लिव-इन संबंध वही जिसमें दोनों पक्ष विवाह के लिए विधिक रूप से हों पात्र

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा है कि यदि कोई व्यक्ति पहले से विवाहित है और उसका जीवनसाथी जीवित है तो वह विधिक रूप से तलाक प्राप्त किए बिना किसी तीसरे व्यक्ति के साथ लिव-इन संबंध अमान्य होगा। ऐसे संबंध को कोर्ट संरक्षण प्रदान नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने आगरा निवासी श्रीमती अंजू व अन्य की संरक्षण याचिका खारिज करते हुए पारित किया।

याचिका में दंपत्ति ने आरोप लगाया था कि वे पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे हैं तथा उन्हें जीवन के लिए खतरा है, इसलिए प्रशासन को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश

दिया जाए। सरकारी अधिवक्ता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि दोनों याची पहले से अलग-अलग विवाह में बंधे हुए हैं और सक्षम न्यायालय से तलाक का डिक्री प्राप्त किए बिना उनका साथ रहना विधिसम्मत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि दो बालिग व्यक्तियों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन यह अधिकार पूर्ण या निरंकुश नहीं है। किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता दूसरे जीवनसाथी के वैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं कर सकती। विवाह विद्यमान रहने की स्थिति में किसी अन्य के साथ संबंध स्थापित करना कानूनन मान्य नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वैध लिव-इन संबंध वही माना जा सकता है, जिसमें दोनों पक्ष विवाह के लिए विधिक रूप से पात्र हों, अर्थात अविवाहित हों और वैवाहिक संबंध जैसी परिस्थितियों के पर्याप्त प्रमाण मौजूद हों। याचियों द्वारा संयुक्त संपत्ति, वित्तीय व्यवस्था या वैवाहिक स्वरूप के अन्य साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए गए। कोर्ट ने यह भी कहा कि बहुविवाह या विवाह रहते हुए अन्य संबंध भारतीय दंड संहिता की धारा 494 एवं 495 के अंतर्गत दंडनीय हो सकते हैं, इसलिए ऐसे संबंध को संरक्षण देना कानून के विपरीत होगा। इस आधार पर न्यायालय ने संरक्षण हेतु परमादेश जारी करने से इंकार कर दिया। हालांकि कोर्ट ने कहा कि यदि याचियों को किसी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न का वास्तविक खतरा हो, तो वे संबंधित पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रार्थना-पत्र देकर विधि अनुसार सुरक्षा की मांग कर सकते हैं। इन्हीं टिप्पणियों के साथ याचिका का निस्तारण कर दिया गया।

निर्माणाधीन मस्जिद सील किए जाने के मामले में राज्य सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुजफ्फरनगर जनपद स्थित एक निर्माणाधीन मस्जिद को प्रशासन द्वारा सील किए जाने के मामले में राज्य सरकार से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने अहसान अली की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। कोर्ट ने राज्य से यह स्पष्ट करने को कहा कि किसी पूजास्थल को सील करने तथा उसके निर्माण के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता संबंधी कानूनी प्रावधान क्या हैं। याचिका में कोर्ट को बताया कि वह गांव भोपा, तहसील जानसठ, जिला मुजफ्फरनगर स्थित प्लॉट संख्या-780 का विधिक स्वामी है, जिसे उसने वर्ष 2019 में पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से खरीदा था। याचिका के अनुसार उक्त भूमि पर मस्जिद का निर्माण किया जा रहा था, जिसे प्रशासन ने अवैध निर्माण बताते हुए सील कर दिया।

मुंबई से प्रेमिका को बुलाने की जिद लेकर टॉवर पर चढ़ा प्रेमी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। इटवा थाना क्षेत्र के दुफेड़िया गांव में शनिवार सुबह प्रेम-प्रसंग के विवाद में युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर चढ़कर युवक ने करीब चार घंटे तक हंगामा किया। बहुत मुश्किल से पुलिस व अधिकारियों ने उसे समझा कर कियी तरह नीचे उतारा। दुफेड़िया गांव निवासी जितेन्द्र पुत्र कृष्ण वर्मा का एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लगभग डेढ़ महीने पहले जितेन्द्र युवती को लेकर मुम्बई चला गया था। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और परिजन उन्हें वापस गांव ले आए। इसके बाद युवक को घर भेज दिया गया था। बताया जा रहा है कि समझौते के बावजूद युवक अपनी प्रेमिका से अलगाव बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था। इसी मानसिक स्थिति में शनिवार की सुबह करीब 5 बजे वह गांव के पास स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर पर चढ़ने के बाद युवक ने खुद अपने मोबाइल फोन से डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पीआरवी टीम तत्काल मौके पर पहुंची और थाना इटवा पुलिस को अवगत कराया। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र पुलिस बल

मोबाइल टॉवर पर चढ़ा युवक।

के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। इसके बाद क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश और एसडीएम इटवा कुणाल भी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। युवक अपनी प्रेमिका को मुम्बई से बुलाने की मांग करता रहा और नीचे उतरने से इनकार करता रहा। करीब चार घंटे तक चले इस ड्रामे के दौरान काफी समझाने के बाद युवक मान गया और नीचे उतरा। युवक के नीचे उतरते ही पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। जहां उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जायेगी।

एसपी ने शस्त्र खोलने का किया परीक्षण

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने शनिवार को कोतवाली खलीलाबाद का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पिछले वर्ष की तुलना में जिला बदर की बढ़ी कार्रवाई पर संतोष जताया और कोतवाल की सराहना की।

एसपी ने हिस्ट्री शीट रजिस्टर, सजायाफ्ता व ग्राम रजिस्टर को दुरुस्त करने के लिए तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। शस्त्र खोलने की बेहतर कार्रवाई पर एसएसआई प्रमोद कुमार यादव को 1100 रुपये का नकद

कोतवाली खलीलाबाद के वार्षिक निरीक्षण के दौरान उपनिरीक्षकों से शस्त्र खुलवाकर जांच करते एसपी संदीप कुमार मीना। अमृत विचार

पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया, जबकि अभिलेखों में खामियां मिलने पर नाराजगी भी जताई। निरीक्षण के दौरान कोतवाली परिसर, बैरक और गंदे शौचालयों की स्थिति पर एसपी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए साफ-सफाई दुरुस्त करने के निर्देश दिए। थाना परिसर, कार्यालय, हवालात, मिशन शक्ति केंद्र, अभिलेखों का गहन निरीक्षण किया।

एसडीएम व सीओ ने सुनीं जनता की शिकायतें

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना शोहरतगढ़ में स्थित हाल में शनिवार को एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा व सीओ मयंक द्विवेदी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें सर्वाधिक मामले राजस्व विभाग से सम्बन्धित रहे। अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं निस्तारण के निर्देश दिये। एसडीएम विवेकानन्द मिश्रा ने कहा कि फरियादियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जायें।

नए छात्रों का हुआ स्वागत, वरिष्ठों को दी विदाई

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। श्री राम बिलास एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान, सोनखर, बांसी में शनिवार को नवागंतुक स्वागत एवं विदाई समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विमल द्विवेदी वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ, सिद्धार्थ नगर तथा डॉ. अनीता द्विवेदी प्रबंधक, एस.आर.बी.आई.एन.एम.एस., वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम में नए प्रवेश लेने वाले छात्रों का स्वागत एवं वरिष्ठ छात्रों

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते शिक्षक-शिक्षिकाएं।

को भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे नृत्य, संगीत एवं मनोरंजन प्रस्तुत किए गए, जिसने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रबंधक डॉ. अनीता द्विवेदी ने बताया कि संस्थान के दस वर्ष पूर्ण हो चुके हैं; इन दस वर्षों में संस्था के उत्तीर्ण छात्र देश के सभी प्रदेशों में सेवा प्रदान कर रहे हैं। साथ ही संस्थान निरंतर नए पाठ्यक्रम लाकर जनपद के छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा दे रहा है। कार्यक्रम में विजेता नवागंतुक सुश्री (मिस फ्रेशर) ममता (परिचर्या में विज्ञान स्नातक), ज्योति (सामान्य परिचर्या एवं प्रसूति विद्या), राजमती (सहायक परिचर्या प्रसूति), कन्हैया, आलोक और विदाई विजेता अंजनी (सहायक परिचर्या प्रसूति) तथा साक्षी मणि त्रिपाठी रहीं। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या जूही शुक्ला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मीडिएशन सेंटर की छत से कूदी महिला, दोनों पैरों की हड्डी टूटी

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र स्थित कचहरी परिसर के मीडिएशन सेंटर में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वैवाहिक विवाद के दौरान एक महिला ने पहली मंजिल की छत से छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल महिला को पुलिस कर्मियों ने तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसके दोनों पैरों की हड्डी टूटने की पुष्टि हुई है। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इसी बीच महिला का पति मौका देखकर फरार हो गया।

बखिरा थाना क्षेत्र के नई बाजार मोहल्ले निवासी स्व. बुद्धु की 25 वर्षीय पुत्री हसीना खातून का निकाह 7 जून 2024 को बलरामपुर जनपद के पचपेड़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत विशुनपुर टनटनवा निवासी हकीमुल्लाह के साथ हुआ था। दंपति का पांच माह का एक बेटा भी है। पीड़िता की मां फातिमा का आरोप है कि एक अज्ञात नंबर से आए फोन कॉल को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद संबंधों में खटास आ गई।

कड़ी मेनहत से करें पढ़ाई, मिलेगी सफलता

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में पूर्व माध्यमिक विद्यालय, सूपा राजा, विकास खण्ड बांसी में मिशन शक्ति अभियान 5 (सेकंड फेज) का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी बांसी द्वारा जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को पुष्प गुच्छ देकर

कार्यक्रम में बोलते डीएम।

- **डीएम व एसपी ने मिशन शक्ति अभियान के तहत किया जागरूक**

स्वागत किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की गयी। जिलाधिकारी ने उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग कड़ी मेहनत करके पढ़ाई करें सफलता अवश्य प्राप्त होगी। बताया कि मिशन शक्ति अभियान मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण योजना है। सभी विद्यालयों में निबन्ध, पोस्टर, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिला सश्क्तीकरण के लिए जागरूक किया जा रहा है। आत्म रक्षा के लिए सभी विद्यालयों में मिशन शक्ति के अन्तर्गत कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

सभी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर का पोस्टर के माध्यम से जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन ने कहा कि शारदीय नवरात्रि में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा मिशन शक्ति अभियान शुरू किया गया था। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं को जागरुक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी दिया जा रहा है साथ ही साथ साइबर सुरक्षा के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। सभी पुलिस थानों पर मिशन शक्ति केंद्र व साइबर सेल स्थापित किया गया है। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं व उच्च पदों पर आसीन है।

कन्नौज में टीचर की डांट से क्षुब्ध 11 साल की छात्रा ने की खुदकुशी

सौरिख (कन्नौज), अमृत विचार। टीचर की डांट से 11 साल की मासूम इतनी दुखी हुई कि घर जाकर फंदा लगाकर जान दे दी। इस हृदयविदारक घटना से दुःखी व गुस्साए परिजनों ने शव विद्यालय में रखकर कई घंटे हंगामा काटा। मां की तहरीर पर पुलिस ने दो शिक्षिकाओं, प्रधानाध्यापक समेत चार शिक्षकों के विरुद्ध आत्महत्या को उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की है। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

विकास खण्ड सौरिख के गांव निवारी निवासी निधि (11) पुत्री अजय कुमार बाथम कम्पोजिट विद्यालय वेहटा रामपुर में कक्षा 5 में पढ़ती थी। शनिवार सुबह रोज की तरह वह साइकिल से विद्यालय गई। प्रार्थना के दौरान सभी बच्चों के नाखून, बाल एवं कपड़े आदि चेक किए गए। इस दौरान निधि को विद्यालय के स्टाफ ने रोक लिया और उसको डांटकर बिना नहाये विद्यालय न आने की हिदायत दी। इससे बच्ची आहत हो गई और बस्ता विद्यालय में छोड़कर रोती हुई घर चली गई।

निर्देश | जिला कांग्रेस कार्यालय में संगठन सृजन अभियान के तहत हुई बैठक

हर बूथ पर तैनात करें पार्टी के जुझारू कार्यकर्ता

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। जिला कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए सत्यनारायण पटेल ने कहा कि बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में संगठन की मजबूती बेहद आवश्यक हो गई है।

उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक बूथ पर सक्रिय, समर्पित और

बैठक में बोलते कांग्रेस नेता। अमृत विचार

जुझारू कार्यकर्ताओं की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि पार्टी की पकड़ जमीनी स्तर तक मजबूत हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं और उनकी राय के आधार पर ही भविष्य में किसी भी गठबंधन को लेकर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन विस्तार के लिए पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ काम करें।

सपा नेता रोहित पांडेय को बताया 'कचरा'

संतकबीरनगर। पूर्व में कांग्रेस पार्टी के संतकबीरनगर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार रोहित पांडेय ने हाल के दिनों में पार्टी को छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लिया है। शनिवार को उनका प्रथम जनपद आगमन था। इसी दौरान समाजवादी पार्टी कार्यालय पर उनका स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। वहीं, कांग्रेस पार्टी के सृजन संगठनात्मक अभियान की समीक्षा के लिए पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री सत्य नारायण पटेल पहुंचे थे।

बैठक में की विकास योजनाओं पर चर्चा

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर अमृत विचार। क्षेत्र पंचायत शोहरतगढ़ की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को दोपहर 3.30 बजे ब्लॉक मुख्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख प्रीती यादव ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में क्षेत्र के विकास कार्यों, योजनाओं के क्रियान्वयन और जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में खण्ड विकास अधिकारी (बीडीओ) चन्द्र भूषण त्रिपाठी, पूर्व प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डा0 पवन मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि नर्वदेश्वर मणि त्रिपाठी तथा सूर्य प्रकाश पाण्डेय, जिला महामंत्री सुनील सिंह, ब्लाक अध्यक्ष जफर आलम, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ईजी0 अमित यादव, प्रधान सुबाष यादव, सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सपा बनाएगी पूर्ण बहुमत की सरकार

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता रोहित पांडेय के जनपद में प्रथम आगमन पर शनिवार को कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह चरम पर रहा। जनपद की सीमा टेमा से लेकर खलीलाबाद स्थित हीरालाल डिग्री कॉलेज तक जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया गया।

स्वागत के दौरान हजारों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से लादकर उनका अभिनंदन किया। काफिला जैसे ही सपा जिला कार्यालय पहुंचा, वहां जिलाध्यक्ष अब्दुल कलाम के नेतृत्व में पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

खलीलाबाद स्थित सपा कार्यालय पर सपा नेता रोहित पांडेय को माला पहनाकर स्वागत करते पूर्व विधायक अब्दुल कलाम।

इस दौरान पूरे परिसर में नारेबाजी और उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। मीडिया से बातचीत में रोहित पांडेय ने बताया कि उन्होंने पांच मार्च को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों और विचारधारा से प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गृह जनपद में मिले अपार स्नेह और समर्थन के लिए उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के सहयोग से सपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष रामवृक्ष यादव, इंजीनियर सुरेंद्र यादव, महासचिव विनोद यादव, नित्यानंद यादव, समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ख़ुसरो रैन सुहाग की,
जागी पी के संग
तन मेरो मन पीउ को,
दोउ भए एक रंग

अमीर ख़ुसरो कहते हैं, सौभाग्य की रात बहुत अच्छी रही। वह आनंद की अद्वैतमयी स्थिति ऐसी थी कि तन तो जीवात्मा का था और मन प्रियतम का था। इस सौभाग्यशाली रात में दोनों मिलकर एक हो गए।

भारत की श्रुति में, बोली में और हर मंगलमुहूर्त में हैं राम

> हिंदू अनुभूति में 'राम, कृष्ण और शिव' त्रिदेव हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भारतीय श्रद्धा ने उन्हें इतिहास में खोजा। उन्हें भगवान भी माना। डॉ. राममनोहर लोहिया भारत के लोकमन की थाह ले चुके थे। लोहिया ने राम, कृष्ण और शिव को भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों की संज्ञा दी। 'राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है, कृष्ण की उन्मुक्त या संपूर्ण व्यक्तित्व में और शिव की असीमित व्यक्तित्व में, लेकिन हर एक पूर्ण है।'

'इतिहास' पक्षपातपूर्ण नहीं होता। वह निष्पक्ष और निर्मम होता है। निर्मम का अर्थ है मेरा नहीं, इदं न मम। निष्पक्ष। जहां मम है, मेरा है, वहां पक्षपात है, लेकिन 'श्रद्धा' असंभव पर विश्वास है। श्रद्धा का विकास शून्य से नहीं होता। वह इतिहास से तथ्य लेती है। संस्कृति की कसौटी पर कसती है। 'लोक' समर्थन करता है, विश्वास की सीमाएं फैलती हैं। विश्वास 'अंधविश्वास' जैसा दिखाई पड़ सकता है, लेकिन तर्क और विज्ञान की कसौटी महत्वपूर्ण है। हिंदू-श्रद्धा का आधार दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

हिंदू अनुभूति में 'राम, कृष्ण और शिव' त्रिदेव हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भारतीय श्रद्धा ने उन्हें इतिहास में खोजा। उन्हें भगवान भी माना। डॉ. राममनोहर लोहिया भारत के लोकमन की थाह ले चुके थे। लोहिया ने राम, कृष्ण और शिव को भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों की संज्ञा दी। 'राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है, कृष्ण की उन्मुक्त या संपूर्ण व्यक्तित्व में और शिव की असीमित व्यक्तित्व में, लेकिन हर एक पूर्ण है।' (राम, कृष्ण और शिवः लोहिया, पृ. 4)। डॉ. लोहिया समाजवादी थे। डॉ. रामविलास शर्मा मार्क्सवादी थे।

महाभारत के संबंध में डॉ. शर्मा की टिप्पणी दिलचस्प है, 'महाभारत इतिहास है, आख्यान है... आधुनिक अर्थ में वह इतिहास नहीं है, लेकिन इतिहास से भिन्न भी नहीं है।' फिर आगे कहा, 'ऋग्वेद में जो समाज-व्यवस्था है, ऋग्वेद और रामायण के समाजों से महाभारत का समाज पिछड़ा हुआ है।' (भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश) यहां एक समाज ऋग्वेद का है, एक रामायण का और बाद का समाज महाभारत का है। श्रीराम और रामायण का समाज ऋग्वेद के बाद है, महाभारत के पहले है। राज्य-व्यवस्था भी विकसित है।

भारत के ज्ञात इतिहास, पौराणिक अनुश्रुति के अनुसार वैवस्वत मनु पहले आर्य राजा थे। उनके बड़े पुत्र थे इक्ष्वाकु। मनु और इक्ष्वाकु ऋग्वेद में भी हैं। इक्ष्वाकु अयोध्या के राजा थे। इक्ष्वाकु के 19 पीढ़ी बाद मान्धाता चक्रवर्ती राजा हुए। उनका पुत्र पुरुकुत्स अयोध्या का राजा बना। पुरुकुत्स के 11 पीढ़ी बाद दानवीर राजा हरिश्चंद्र का शासन आया। 41वीं पीढ़ी में राजा सगर और 45वीं में चक्रवर्ती सम्राट भगीरथ। इक्ष्वाकुवंश के बाद 60वीं पीढ़ी में दिलीप, फिर दिलीप का पोता रघु और भी प्रतापी राजा हुआ। रघु के कारण ही 'रघुवंशी' शब्द चला। रघु के पुत्र अज, अज के पुत्र दशरथ और दशरथ के पुत्र श्रीराम। श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की 65वीं पीढ़ी में थे।

वाल्मीकि ने इन्हीं श्रीराम को अपना नायक बनाया। 'रामायण' अस्तित्व में आई। वाल्मीकि 'आदर्श मनुष्य' का चित्रण कर रहे थे। वाल्मीकि के श्रीराम मनुष्य हैं, ईश्वर भी हैं, लेकिन मनुष्य ज्यादा हैं। तुलसीदास के राम ईश्वर हैं, वे मनुष्य रूप में लीला करते हैं। राम सबको भाए। श्रीराम का चरित्र और व्यक्तित्व विश्वव्यापी बना। संस्कृत और प्राकृत सहित भारत और विश्व की तमाम भाषाओं में राम कथाएं लिखी गईं। तमिल कवि कंबन ने 11वीं सदी में ही रामकथा लिखी। मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया में भी रामायण राष्ट्रीय महत्व वाला ग्रंथ है। भारतीय इतिहास के सबसे बड़े लोकप्रिय नेता महात्मा गांधी भारत में 'रामराज्य' के ही स्वप्नद्रष्टा बने।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

लोहिया के अनुसार 'राम' उत्तर और दक्षिण की एकता के देवता हैं और 'रामायण' उत्तर-दक्षिण एकता का ग्रंथ। उन्होंने कहा, 'राम की पूर्णता मर्यादित व्यक्तित्व में है। उन जैसा मर्यादित जीवन कहीं और नहीं, न इतिहास में, न कल्पना में। श्रीराम समन्वय के प्रतीक हैं। न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक हैं। राम आनंद-सागर हैं, हिलोरे लेने वाला सागर नहीं, विश्रांत-निस्पंद। लोहिया को तुलसी का 'रामचरित मानस' मोहित करता था। एक-एक चैपाई आनंद का सागर है।

'रामराज्य' विश्व में अद्वितीय है। वैदिककाल से लेकर आधुनिक काल की किसी राज्यप्रणाली में रामराज्य के आदर्श नहीं मिलते। तुलसी लिखते हैं, 'बयरु न कर काहू सन कोई, राम प्रताप विषमता खोई।' (रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड) फिर कहते हैं, 'अल्प मृत्यु नही कौनिऊ पीरा, सब सुंदर सब बिरुज शरीरा। नहि दरिद्र कोऊ दुखी न दीना, नहि कोऊ अबुध न लच्छन हीना। न अल्पमृत्यु है, न बीमारियां। सब स्वस्थ हैं। कोई गरीब और दुःखी नहीं है। न कोई मूर्ख है और न अगुणी।' (वही) सबसे दिलचस्प बात यह है, 'बिधु महि पूर मयूखन्हि, रबि तप जेतन्हि काज- 'चन्द्रमा' धरती को प्रकाश से पूर्ण करता है, सूर्य उतना ही तपते हैं, जितना जरूरी होता है।' फिर वर्षा के बारे में कहते हैं, 'मांगे वारिधि देहि जल, रामचंद्र के राज- बादल इच्छा करते ही, जल मांगते ही बरस पड़ते हैं।'

रामचरितमानस की प्रगतिशीलता सांस्कृतिक परंपरा से संवाद करती है। यह 'विधि निषेधमय कलिमय हरनी' (बालकांड) है, इसमें विधि-निषेध (करणीय और अकरणीय) की सूची है। वेदों की परंपरा है, उपनिषदों का दर्शन है। सगुण भक्ति-उपासना है। निर्गुण-निराकार की सरल व्याख्या है। अद्वैत दर्शन भी है, 'एक दारुगत देखिए एकू, पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू- जैसे लकड़ी के भीतर निराकार अग्नि छिपी रहती है, दिखाई नहीं पड़ती, लेकिन जलते समय अग्नि प्रकट रहती है।' प्रकट अग्नि सगुण है, अप्रकट अग्नि निर्गुण है। ऋग्वेद में अग्नि से ऐसी ही प्रार्थना है। उपनिषदों वाले ब्रह्म की तुलसी की चैपाई ठेठ अवधी भाषा में है, 'व्यापकु एकु ब्रह्म अविनाशी, सत चेतन घन आनंद वासी।' (बालकांड) लेकिन तुलसी भक्तिमार्गी हैं, 'निरगुन तें एहि भांति बड़, नाम प्रभाऊ अपार'- वे नाम का प्रभाव निर्गुण और सगुण से भी बड़ा बताते हैं, 'कहहुं नाम बड़ नाम राम तें निज विचार अनुसार।' यहां राम का नाम सगुण राम से भी बड़ा है। 'राम नाम वाणी है। मन संकल्प है। ध्यान है, विज्ञान है, अन्न-जल उन्हीं में है, वे तेज हैं। आकाश हैं, आशा हैं, प्राण हैं।'

मार्क्सवादी विद्वान श्रीराम को कल्पना बताते हैं। 'राम' भारत की श्रुति में, बोली में, नमस्कार और कुशलक्षेम में, प्रत्येक मंगलमुहूर्त में हैं। चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य बहुपठित विद्वान और राजनेता थे। रामकथा पर वे भी सम्मोहित थे। उन्होंने तमिल में 'तिरुगमन-रामायण' लिखी। इसका हिंदी अनुवाद उनकी पुत्री और महात्मा गांधी की पुत्र-बहू लक्ष्मी देवदास गांधी ने किया। राजाजी ग्रंथ की भूमिका में लिखते हैं, 'सियाराम, हनुमान और भरत को छोड़कर हमारी कोई गति नहीं। उनकी कथा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। हम आज उसी के आधार पर जीवित हैं।' (हिंदी अनुवाद, पृ. 7) यहां 'इसी के आधार पर हम जीवित हैं' वाक्य पर गौर करना चाहिए। भारत का राष्ट्रजीवन अखंड रामायण है। अविभक्त है।

हिंदू अनुभूति के महानायक हैं श्रीराम। वे दिक्काल में हैं और दिक्काल के परे भी। भारतीय जनता के चित्त, आचार-व्यवहार पर श्रीराम का प्रभाव है। श्रीराम 'मंगल भवन' हैं और 'अमंगलहारी' भी। वे भारत के मन में रमते हैं। मिले तो राम-राम, अलग हुए तो राम-राम। राम का नाम हम सब बचपन से सुनते आए हैं। वे संकट के धैर्य हैं। वे परम शक्तिशाली हैं। भाव-श्रद्धा में वे ईश्वर हैं। राम तमाम असंभवों के संभव हैं। युद्ध में अजेय पौरुष-पराक्रम और निजी जीवन में मर्यादा के पुरुषोत्तम। श्रीराम भारतीय आदर्श व आचरण के शिखर हैं। भारतीय मनीषा ने उन्हें ब्रह्म या ईश्वर जाना है। श्रीकृष्ण भी विष्णु के अवतार हैं। वे अर्जुन को गीता (10.31) में बताते हैं 'पवित्र करने वालों में मैं वायु हूं और शस्त्रधारियों में राम हूं।' राम महिमावान हैं। श्रीकृष्ण भी स्वयं को राम बताते हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नेपाल में बालेन युगः रैपर से पीएम तक का सफर

नेपाल की राजनीति में हाल के समय में उभरी एक दिलचस्प और असामान्य कहानी है बालेन शाह का उदय। पारंपरिक राजनीतिक रास्तों से अलग, एक स्वतंत्र छवि के साथ उभरे बालेन का देश के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचना अपने आप में नई अप्रत्याशित राजनीति का संकेत है। काठमांडू के गौरीगाऊं में जन्मे बालेन सामान्य परिवेश से आते हैं। नेपाल में प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और फिर स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता हासिल की। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में काम किया, खासकर भूकंप के बाद पुनर्निर्माण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई।

निजाम जीलानी
लेखक

राजनीति में आने से पहले बालेन एक कवि, रैपर और स्ट्रक्चरल इंजीनियर थे। उनकी रचनाएं केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे सामाजिक असमानता, अन्याय और विकृतियों के खिलाफ एक सशक्त आवाज थे। उनके रैप गीतों में आक्रोश भी था, बदलाव की मांग भी और देश के प्रति गहरी चिंता भी। यही वजह रही कि उन्होंने बहुत कम समय में एक मजबूत जन समर्थन तैयार कर लिया। युवाओं के बीच लोकप्रिय होते हुए उन्होंने संगीत को सामाजिक चेतना जगाने का माध्यम बनाया।

बालेन शाह ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2022 के काठमांडू महानगरपालिका चुनाव में उतरने का निर्णय लिया। यह कदम अपने आप में जोखिम भरा था, क्योंकि नेपाल की राजनीति में बड़े दलों का प्रभाव अधिक था, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को अवसर में बदला। युवाओं व मध्यम वर्ग के मतदाताओं का व्यापक समर्थन उन्हें मिला, जिसने उनकी उम्मीदवारी को एक आंदोलन का रूप दे दिया और वह काठमांडू के मेयर के बने।

> पारंपरिक राजनीतिक रास्तों से अलग, एक स्वतंत्र छवि के साथ उभरे बालेन का देश के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचना अपने आप में नई अप्रत्याशित राजनीति का संकेत है। बालेन सामान्य परिवेश से आते हैं।

मेयर बनने के बाद बालेन शाह ने प्रशासनिक सुधार, पारदर्शिता और शहरी विकास पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने काठमांडू में अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार की पहल की और डिजिटल तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा दिया। उनकी कार्यशैली ने यह संदेश दिया कि अगर इच्छा शक्ति हो तो सीमित संसाधनों में भी बदलाव संभव है। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उनकी यात्रा यहीं नहीं रुकी। परिस्थितियों ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति की ओर धकेला, जहां उन्होंने स्थापित नेताओं को न सिर्फ चुनौती दी, बल्कि पराजित भी किया और सत्ता के खिलाफ़ अपनी आवाज़ को और बुलंद किया।

युवाओं, मध्यम वर्ग और बदलाव की चाह रखने वाले मतदाताओं ने उन्हें खुलकर समर्थन दिया। उनकी उम्मीदवारी एक जन आंदोलन का रूप लेती गई और अंततः नेपाल झापा-5 से चुनाव जीतकर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली जैसे दिग्गज नेता को हराया। पार्टी को बहुमत दिलाते हुए प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। यह जीत केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं थी, बल्कि पारंपरिक राजनीति के प्रति जनता की नाराज़गी और नए विकल्प की तलाश का प्रतीक भी है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों का भविष्य

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के कंधों पर टिका हुआ है, लेकिन फिर भी यही वर्ग सबसे अधिक उपेक्षित और असुरक्षित बना हुआ है। अस्थिरता, असमानता और काम के लिए रोज का संघर्ष इनके जीवन की वास्तविकता है। प्रतिदिन काम का न मिलना, मिल भी जाए तो कम मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा के अभाव ने उनके जीवन को लगातार संकट में डाल रखा है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह उनके अस्तित्व, सम्मान और परिवारिक संरचना को भी प्रभावित करती है। कोरोना महामारी के बाद से असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों की स्थिति और भी अधिक चिंताजनक हो गई है।

इसका सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं पुरुषों की तुलना में न केवल कम मजदूरी पाती हैं, बल्कि कई बार उनसे पुरुषों के बराबर काम लेकर भी कम भुगतान किया जाता है। इसके साथ ही उन्हें घर की जिम्मेदारियों का भी पूरा बोझ उठाना पड़ता है। यह दोहरी जिम्मेदारी उनके जीवन को और कठिन बना देती है। महिलाओं के श्रम को अक्सर 'सहायक' या 'पूरक' माना जाता है, जबकि वास्तव में वे परिवार की आर्थिक रीढ़ होती हैं, जबकि इस नजरिए को पूरी तरह से बदलने की आवश्यकता है, ताकि उनके योगदान को भी सही पहचान और सम्मान मिल सके।

संगीता कुमारी
एक्टिविस्ट

कई आंकड़े और रिपोर्ट बताते हैं कि अन्य राज्यों की तुलना में झारखंड और बिहार से सबसे अधिक लोग मजदूरी के लिए अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हैं। बिहार में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की संख्या करोड़ों में है और मुजफ्फरपुर जिले में भी लाखों लोग इसी वर्ग में आते हैं। न्यूनतम मजदूरी की बात करें, तो सरकार द्वारा तय मजदूरी अक्सर कागजों तक सीमित रह जाती है। वास्तविकता में मजदूरों को इससे काफी कम भुगतान किया जाता है, जो उनके श्रम का उचित मूल्य नहीं है। उनसे न्यूनतम मजदूरी में अधिकतम काम कराया जाता है।

गरीबी और बेरोजगारी की यह स्थिति उन्हें अपने घर-परिवार से दूर जाने के लिए मजबूर करती है। बेहतर रोजगार की तलाश में वे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में पलायन करते हैं। यह पलायन केवल आर्थिक मजबूरी नहीं, बल्कि पारिवारिक संकट भी है। अपने परिवार, बच्चों और गांव को छोड़कर अनजान शहरों में रहना, असुरक्षित परिस्थितियों में काम करना और कई बार शोषण का शिकार होना उनके जीवन का हिस्सा बन जाता है। पीछे छूटे परिवार, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, असुरक्षा और अभाव में जीवन जीते हैं।

केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक मजदूरों के हित में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जैसे जीरामजी, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना। इन योजनाओं का उद्देश्य मजदूरों को रोजगार, पेंशन और अन्य सुविधाएं प्रदान करना है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ ज्यादातर असंगठित क्षेत्रों के इन मजदूरों तक नहीं पहुंच पाता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

पीएनजी के साथ हरित भविष्य की ओर

पश्चिम एशिया में युद्ध से उत्पन्न संकट के बीच निकट भविष्य में ईंधन की किल्लत को लेकर लोग आशंकित हैं। हाल ही में संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पश्चिम एशिया संकट को गंभीर बताते हुए कोरोना जैसी चुनौतियों के लिए तैयार रहने की अपील की। सच तो यह है कि सरकार हो या विपक्षी दल सभी एकमत से इस संभावित खतरे को स्वीकार रहे हैं। ऐसे में कोरोना काल का कड़वा अनुभव झेल चुके नागरिकों का जीवनयापन के वैकल्पिक संसाधनों को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है।

इससे पहले काफी दिनों से चल रहे एलपीजी गैस मिलने की समस्या से हम जूझ ही रहे हैं। हालात बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल को लेकर भी ऐसी समस्या संभावित है। ऐसे में वैकल्पिक उपायों पर चर्चा की जानी चाहिए। जैसा कि बीते दिनों राज्यसभा में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर सरकार की रणनीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सरकार ईंधन के किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम करने की दिशा में काम कर रही है और घरेलू गैस सप्लाई में एलपीजी के साथ-साथ पीएनजी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास हर क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में है, क्योंकि मौजूदा समय में देश का 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार विदेशी जहाजों पर निर्भर है, जो किसी वैश्विक संकट में चुनौती बन सकता है, फिलवक्त युद्ध के बीच हम देख रहे हैं। इन सभी के बीच अब हमारे मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर एलपीजी का विकल्प पीएनजी बनती है तो यह गैस हमारे लिए क्या किफायती और उपयोगी साबित होगी?

अजय दयाल
हल्द्वानी

इस सवाल के साथ एक परंपरागत मूलमंत्र को याद कीजिए- आवश्यकता अविष्कार की जननी है, परंतु हम अगर पीएनजी की बात कर रहे हैं तो यहां मामला थोड़ा उल्टा है। अविष्कार हो चुका है, जिसे अब आवश्यकता बनाना है। वास्तव में परिवार, व्यवसाय और उद्योग सभी को पारंपरिक ईंधनों के विकल्प की तलाश है, जो न केवल उनकी आवश्यकताओं को पूरा करें, बल्कि स्वच्छ और हरित पर्यावरण अनुकूल भी हों। इसी तलाश में, पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) एक प्रमुख विकल्प के रूप में सामने है, जो पूरे देश में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। पीएनजी को सुविधा, सामर्थ्य और पर्यावरणीय लाभों का एक आकर्षक पैकेज सरीखा मान सकते हैं, जो भारतीय उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए एक विशेष विकल्प बनने भी लगी है।

> बढ़ती पर्यावरण संबंधी चुनौतियों और ऊर्जा समाधानों की बढ़ती मांग के चलते, आने वाले वक्त में भारत में पीएनजी की लोकप्रियता बढ़ेगी। भारत में शहरीकरण और औद्योगीकरण के बढ़ते विस्तार के साथ, विश्वसनीय और टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों की मांग में लगातार वृद्धि होगी।

पीएनजी को समझें तो यह जीवाष्म से उत्पन्न नेचुरल गैस का परिष्कृत रूप है, जिसे भूमिगत पाइपलाइनों के बिछाये जाल से सीधे घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक इकाइयों तक पहुंचाया जाता है। यह एक स्वच्छ रूप से जलने वाला जीवाश्म ईंधन है, जो मुख्य रूप से मीथेन और अन्य हाइड्रोकार्बन के मिश्रण से बना होता है। यह गैस अपेक्षाकृत स्वच्छ रूप से जलने वाला ईंधन है, जो कोयला या तेल जैसे अन्य जीवाश्म ईंधनों की तुलना में कम हानिकारक साबित होगी। यह कम कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और कण पदार्थ उत्सर्जित करती है, जिसे पर्यावरण अनुकूल ही कहेंगे। खास बात यह है कि पीएनजी का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। इनमें आवासीय परिवेश में खाना पकाना, हीटिंग करना और उपकरणों को बिजली देना, साथ ही औद्योगिक प्रक्रियाओं और वाणिज्यिक कार्यों के लिए ऊर्जा प्रदान करना शामिल हैं। पीएनजी एक स्वाभाविक रूप से सुरक्षित ईंधन है, क्योंकि यह हवा से हल्का होता है और रिसाव होने पर जल्दी से फैल जाता है, जिससे आग या विस्फोट का खतरा कम हो जाता है। जहां तक किफायत की बात है, तो यह गैस एलपीजी या बिजली जैसे अन्य पारंपरिक ईंधनों की तुलना में घरेलू और व्यावसायिक दोनों उपयोगों के लिए एक किफायती विकल्प है। इसकी कीमत आमतौर पर अधिक स्थिर होती है और बाजार के उतार-चढ़ाव से कम प्रभावित होती है, जिससे उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक लागत बचत होती है। इस सुविधा में सिलेंडरों को फिर से भरने या बदलने की झंझट खत्म हो जाती है, जिससे पीएनजी आधुनिक जीवन के लिए एक परेशानी मुक्त विकल्प बनता है।

बाह्य आकर्षणों में डूबे व्यक्ति का मन सदैव रहता है अशांत

मूर्खता के मामले में कालिदास का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में किया गया है। दरअसल उज्जैन राज्य की राजकुमारी से विद्वता के मामले में पराजित कथित विद्वानों ने विद्योत्तमा का विवाह किसी मूर्ख व्यक्ति से कराने का निश्चय किया। जब उन सबने, जिस डाल पर बैठकर उसी डाल को काट रहे कालिदास को देखा तो उन सबको लगा कि इससे ज्यादा मूर्ख तो कोई हो ही नहीं सकता है, क्योंकि वो जो डाल काट रहा है, जब वह नीचे गिरेगी तो काटने वाला खुद भी गिर जाएगा। इतनी भी समझ उसे नहीं है। ठीक भी सोचा उन कथित विद्वानों ने, जो शास्त्रार्थ में विद्योत्तमा से पराजित हो गए थे।

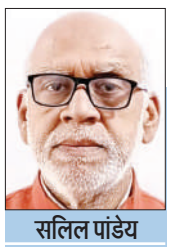

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

अब सवाल उठता है कि क्या कालिदास ही मूर्ख थे? अगर देखा जाए तो हर वह व्यक्ति मूर्ख है जो काम, क्रोध, मद और लोभ के चक्कर में बुद्धि-विवेक की डाल को खुद ही काटता है। बुद्धि-विवेक से जब व्यक्ति रहित हो जाता है तब उसका हर कदम गलत उठता है। बाह्य आकर्षणों में डूब गए व्यक्ति का मन सदैव अशांत रहता है। इसी प्रकार क्रोध करने पर शरीर की तंत्रिका प्रणाली अव्यवस्थित होती है। शरीर का रसायन तंत्र बिगड़ता है।

हिंदी के विद्वान समालोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने क्रोध को पिशाच की संज्ञा देते हुए लिखा कि पिशाच ऐसा राक्षस है, जो सिर्फ ऋषियों का यज्ञ-विध्वंस नहीं करता, बल्कि खून पीता है। ऐसे पिशाचों में 'आतापि-वातापि' नामक दो भाइयों का जिक्र वाल्मीकि रामायण में किया गया है। इन दोनों भाइयों ने मिलकर अगस्त्य ऋषि को निगल लिया था, लेकिन अपने योगबल से वे आतापि का पेट फाड़कर बाहर निकल आए थे।

इस दृष्टांत का मतलब यही है कि स्वार्थ साधने के पीछे सिर्फ समय ही नहीं, बल्कि अपना स्वास्थ्य खराब करना मूर्खता ही है। जो भी मनुष्य अपने मन से सत्य के विपरीत कदम उठाता है, वह मूर्ख ही है, क्योंकि एक ओर मन यदि कह रहा है कि स्वार्थ-सिद्धि का कदम गलत है, इसके बावजूद गलत कामों के प्रति चाहत रखने पर मन में द्वंद्व होता है। यानी मन में संघर्ष होता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

गंगा नदी का घड़ियाल से हैं सांस्कृति और आध्यात्मिक संबंध

गंगा नदी और घड़ियाल का संबंध सनातन संस्कृति में केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और प्रतीकात्मक भी है। गंगा को वेदों, पुराणों और महाकाव्यों में पापहरिणी, मोक्षदायिनी और जीवनदायिनी कहा गया है। गंगा का वाहन परंपरागत रूप से मकर माना गया है, जिसे अनेक विद्वान घड़ियाल के रूप में भी देखते हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि घड़ियाल केवल एक जलीय जीव नहीं, बल्कि गंगा की दिव्य शक्ति और जल तत्व की गहराई का प्रतीक है।

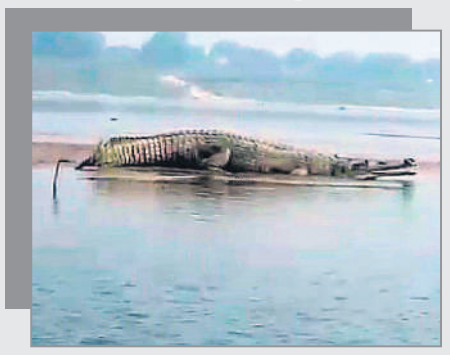

घड़ियाल का स्वभाव शांत और मनुष्य के प्रति अहिंसक होता है। वह मुख्यतः मछलियों का आहार करता है और नदी के जलीय जीवन को संतुलित रखता है। सनातन दृष्टि में प्रत्येक जीव का अस्तित्व सृष्टि-चक्र का अनिवार्य अंग है। घड़ियाल गंगा के निर्मल और गहरे प्रवाह का संकेतक माना जा सकता है, क्योंकि वह स्वच्छ जल में ही पनपता है। इस प्रकार उसकी उपस्थिति गंगा की पवित्रता और जीवन शक्ति का द्योतक है। धार्मिक आस्थाओं में गंगा स्नान आत्मशुद्धि का माध्यम है, तो प्राकृतिक दृष्टि से घड़ियाल नदी की जैविक शुद्धता का रक्षक है। अतः सनातन संस्कृति में गंगा और घड़ियाल का संबंध प्रकृति और अध्यात्म के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है, जो मानव को सृष्टि के प्रति कर्तव्य और संरक्षण का संदेश देता है।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्यजीव विशेषज्ञ

गंगा की धारा भारतीय जीवन की अनवरत स्पंदनशीलता का प्रतीक है। यह नदी केवल जल का प्रवाह नहीं, बल्कि सभ्यता, कृषि, आस्था, अर्थव्यवस्था और जैव-विविधता की जीवनरेखा है। इसी धारा में एक ऐसा प्राचीन जलीय जीव भी निवास करता है, जो करोड़ों वर्षों की विकास यात्रा का साक्षी रहा है- घड़ियाल। लंबी और पतली थूथन, तीक्ष्ण दंत-पंक्तियां, जल में तीव्र गति से तैरने की क्षमता और विशिष्ट शारीरिक संरचना से युक्त यह जीव गंगा तंत्र का शीर्ष जलीय शिकारी है। बीते शताब्दी में जब यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई थी, तब यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ था कि क्या गंगा अपने इस प्राचीन प्रहरी को सदा के लिए खो देगी। आज वर्ष 2026 में भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा गंगा और उसकी ग्यारह सहायक नदियों में किए गए व्यापक सर्वेक्षण में 3037 घड़ियालों की उपस्थिति दर्ज होना उस आशंका का सशक्त प्रत्युत्तर है। यह उपलब्धि संघर्ष, संवेदनशीलता, वैज्ञानिक दृष्टि और दीर्घकालीन नीतिगत प्रतिबद्धता की संयुक्त सफलता का परिणाम है। घड़ियाल, जिसका वैज्ञानिक नाम गवियलिस गैंगेटिकस है, भारतीय उपमहाद्वीप की विशिष्ट प्रजाति है। कभी यह गंगा, यमुना, घाघरा, गंडक, सोन, ब्रह्मपुत्र और सिंधु की धाराओं में व्यापक रूप से पाया जाता था। घड़ियाल का शारीरिक रूप अत्यंत विशिष्ट है। उनके शरीर का आकार लंबा और दुबला-पतला होता है। थूथन संकरा और लंबा होता है, जो मछली पकड़ने की उत्कृष्ट क्षमता प्रदान करता है। दंत पंक्तियां तीक्ष्ण और संगठित होती हैं, जिससे वे तैरते जल में ही अपने शिकार को पकड़ने में सक्षम रहते हैं। उनका शरीर भारी और चिकना होता है, जिससे जल में गति कम होते हुए भी सहजता से नियंत्रण संभव होता है। नर घड़ियाल की थूथन पर एक उभार होता है, जिसे वैज्ञानिक 'घड़ा' कहते हैं। यह उभार प्रजनन काल में ध्वनि उत्पन्न करने और मादा को आकर्षित करने में सहायक होता है।

घड़ियाल मुख्यतः मछली भक्षी होते हैं। एक वयस्क घड़ियाल प्रतिदिन औसतन डेढ़ से दो किलोग्राम मछली का सेवन करता है। यह संख्या नदी के सांख्यिकीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नदी तंत्र में यदि शीर्ष शिकारी अनुपस्थित हो जाएं, तो कुछ मछली समूह अत्यधिक वृद्धि कर सकते हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला असंतुलित हो जाती है और विशेष प्रजातियों का अस्तित्व संकट में पड़ता है। घड़ियाल इस असंतुलन को रोकते हैं और विभिन्न मछली प्रजातियों की संतुलित संख्या को सुनिश्चित करते हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

पश्चिम बंगाल चुनाव देश की सुरक्षा के लिए अहम: शाह

गृहमंत्री ने तृणमूल सरकार के खिलाफ जारी किया आरोप पत्र

कोलकाता, एजेंसी

चुनाव रैली में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आरोपपत्र जारी करते गृहमंत्री अमित शाह।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक 'आरोपपत्र' जारी किया तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को देश की सुरक्षा के लिए अहम बताते हुए, भाजपा के प्रचार अभियान को और तेज कर दिया। शाह ने राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि इसके 15 साल के शासन के दौरान बंगाल देश के लिए घुसपैठ, तुष्टिकरण की राजनीति और सीमा पर असुरक्षा का प्रमुख गलियारा' बन गया है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी ने हमेशा 'विक्टिम कार्ड' की राजनीति खेली है। कभी वह अपनी चोट की बात करती हैं, तो कभी निर्वाचन आयोग को भला-बुरा कहती हैं। जनता अब ममता दीदी की 'विक्टिम कार्ड' वाली राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है।

निर्वाचन आयोग की एसआईआर कवायद का विरोध करने पर शाह ने बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अल्पसंख्यक वोट बैंक को बचाने को ऐसी चीजें कर रही हैं।

शाह ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अन्य राज्यों में भी हुआ है, लेकिन कहीं भी इसे इतना बड़ा मुद्दा नहीं बनाया गया। बंगाल में इसे मुद्दा सिर्फ इसलिए बनाया गया है, क्योंकि ममता बनर्जी अपने वोट बैंक को बचाना चाहती हैं। निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक निकायों का अपमान करना बंगाली संस्कृति का हिस्सा नहीं है। यह दावा करते हुए कि असम में भाजपा के सत्ता में आने के बाद वहाँ से घुसपैठ लगभग खत्म हो गई है।

शाह ने आरोप लगाया कि अब पश्चिम बंगाल आखिरी बचा हुआ रास्ता बनकर उभरा है, जिसके जरिए घुसपैठिए भारत में प्रवेश करते हैं और अलग-अलग राज्यों में फैल जाते हैं। शाह ने कहा कि बंगाल चुनाव न केवल बंगाल के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। एक तरह से, पूरे देश की सुरक्षा बंगाल चुनाव से जुड़ी हुई है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की सीमाओं से होने वाला अवैध प्रवासन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन गया है।

शाह ने अपने सबसे तीखे हमलों में से एक में कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा तृणमूल सरकार की तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के कारण खतरे में पड़ गई है। संकरी पट्टी वाला सिलीगुड़ी कॉरिडोर पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र के बार-बार अनुरोध के बावजूद, ममता बनर्जी सरकार ने बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने को जमीन उपलब्ध नहीं कराई है।

असम: कांग्रेस में अपमानित कर अवांछित महसूस कराया गया: प्रद्युत बोरदोलोई

गुवाहाटी, एजेंसी

हाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए असम से दो बार के सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कहा है कि कांग्रेस में उन्हें उपेक्षित, अलग-थलग और अवांछित व्यक्ति जैसा महसूस कराया गया। पांच दशक से अधिक समय तक कांग्रेस में रहे बोरदोलोई दिसपुर से भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। बोरदोलोई ने एक साक्षात्कार में कहा कि एक के बाद एक कई ऐसी बातें हुईं, जिन्होंने उन्हें आहत किया और शायद इसकी शुरुआत 2022 में कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव से हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में उन्हें अपमान का सामना करना पड़ रहा था, उन्हें अवांछित व्यक्ति जैसा महसूस कराया गया और पार्टी अध्यक्ष पद के लिए उनके द्वारा शशि थरूर की उम्मीदवारी का समर्थन किए जाने के बाद उन्हें किनारे कर दिया गया।

मल्लिकार्जुन खरगे चुनाव जीतकर कांग्रेस अध्यक्ष बने। बोरदोलोई ने कहा कि उसके बाद मुझे लगा कि मेरे खिलाफ व्यवस्थित तरीके से कार्रवाई हो रही है, हालांकि खरगे हमेशा उदार रहे और उन्होंने मुझे स्वीकार किया... सोनिया गांधी, जो मेरे लिए मां जैसी रही हैं, उन्होंने भी कभी मेरे साथ भेदभाव नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में दूसरे पायदान के नेतृत्व ने उन्हें व्यवस्थित ढंग से किनारे कर दिया और यह बहुत साफ दिखाई देता था।

तमिलनाडु: द्रमुक ने 164 सीटों पर घोषित किये उम्मीदवार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने शनिवार को 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 164 सीट पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित किए। पार्टी ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनके बेटे एवं उपमुख्यमंत्री उदयनिधि को उनकी मौजूदा सीटों से फिर से नामांकित किया है। ज्यादातर मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं को टिकट दिया गया है। पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि वह कोलाथुर से एक बार फिर चुनाव लड़ेंगे। उदयनिधि भी इसी शहर के चेपॉक-ट्रिप्लिकेन से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं।

हस्त शिल्प हथकरघा मेला 2026

मृगनयनी मध्यप्रदेश प्रदर्शनी 2026

समय : सुबह 12 बजे से रात्रि 9 बजे तक

25 मार्च से 03 अप्रैल, 2026

चंदेरी, महेश्वरी तथा मलवरी सिल्क साड़ियाँ स्पेशल–बाग, डाबू, बाटिक प्रिंट की साड़ियाँ एवं सूट्स। हथकरघा की चादरें एवं पंचधातु पीतल की मूर्तियों के साथ कलात्मक सृजन

Madhya Pradesh Govt Emporium

Mrignayanee

Art from the heart

माधव सभागार, सरस्वती शिशु मंदिर निराला नगर, लखनऊ

शासकीय डिस्काउण्ट

आयोजक : सन्त रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लि., भोपाल

प्रायोजक : आयुक्त हाथकरघा एवं हस्त शिल्प, मध्य प्रदेश शासन

केरल: कांग्रेस आलाकमान की सुधाकरन से भेंट, राहुल बोले- यूडीएफ एकजुट

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस आलाकमान ने केरल के कन्नूर से लोकसभा सदस्य के. सुधाकरन की नाराजगी की खबरों के बीच शनिवार को उनसे मुलाकात की और कहा कि राज्य में पूरा संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) एकजुट है तथा इस विधानसभा चुनाव में 100 सीट जीतने की ओर अग्रसर है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सुधाकरन से मुलाकात के दौरान सांसद का परिवार तथा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। राहुल गांधी ने मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा कि आज कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी और वेणुगोपाल जी के साथ सुधाकरन जी और उनके परिवार से मुलाकात की। के. सुधाकरन जी ने अपना पूरा जीवन केरल के लोगों के लिए लड़ते हुए बिताया है। वह हर तूफान, हर चुनौती, हर परीक्षा से गुजरे हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है:– **ई–निविदा सं.: NER-LJN-2026-50; कार्य का नाम:** NER-LJN डिवीजनः– बलरामपुर मेंः पीएफ नंबर 2 की ऊंचाई बढ़ाना, पीपी शेल्टर, आरसीसी ओएचटी (50000 गैलन) और 900 फीट गहरे ट्यूबवेल आदि जैसे प्रमुख सुधार कार्य किए जा रहे हैं। **अनुमानित लागत (₹):** ₹4,70,43,792.61; **अग्रिम धन (₹):** ₹9,40,900/-; **समापन अवधिः** 08 माह; **1.** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2026-50** के लिए ई–निविदा दिनांक 16.04.2026 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग लखनऊ

मुजाधि/डब्ल्यू–529

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या 128/ECTC(L)/2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट– I टेक्निकल बिड एवम् पार्ट– II फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। 128– **कार्य का नाम:– उ0प्र0पा0ट्रां0का0लि0 के निदेशकों हेतु निरला नगर लखनऊ स्थित 02 नग विभागीय आवासों के लॉन के वार्षिक रख–रखाव के कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत:– **रू0 02.08 लाख,** कार्यावधि :– 12 माह अथवा DOS जारी करने की तिथि से दिनांक 31.03.2027 तक। उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्ते तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण www.upptcl.org पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 13.04.2026 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 15.04.2026 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाए'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, कक्ष सं. 223 से 226, प्रथम तल, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ। संख्या:** 1091–वि.जा.पा.मं.(ल.)/निविदा **दिनांक:** 28.03.2026

सुप्रीमकोर्ट ने कहा- केंद्र व राज्य बताएं मानव तस्करी मामलों में क्या प्रक्रिया अपनानी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और सभी राज्यों को मानव तस्करी के मामलों में अपनाई जाने वाली मानक प्रक्रिया के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि वह किसी काल्पनिक या सैद्धांतिक सूत्र में रुचि नहीं रखती, बल्कि एक व्यावहारिक दृष्टिकोण चाहती है। पीठ ने केंद्रीय गृह सचिव, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को सभी हितधारकों के साथ चर्चा करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि भारत सरकार, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया जाता है कि वे इस संबंध में एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करें कि उनके अनुसार ऐसे मामलों में कौन सी मानक प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। पीठ ने कहा कि हम यह स्पष्ट करते हैं कि न्यायालय किसी काल्पनिक या सैद्धांतिक सूत्र में रुचि नहीं रखता, बल्कि एक व्यावहारिक रणनीति/दृष्टिकोण चाहता है जिसे घटना घटित होने वाले स्थानीय पुलिस थाना स्तर पर तुरंत लागू किया जा सके।

बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय (के.के.वी.)

स्टेशन रोड, चारबाग, लखनऊ–226001

अल्प कालीन निविदा आमंत्रण

पत्रांक–बीएसएनवीपीजीसी/A-55/266/निविदा/2025–26, दि0: 28.03.2026

प्राचार्य, बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय (के.के.वी.), लखनऊ के द्वारा पंजीकृत फर्म/एजेंसी से महाविद्यालय में Computer, Printer, UPS, Book Self, Almirah 18 Gauge, Electric Gadgets, Book Purchase एवं प्रायोगिक उपकरण से संबंधित पृथक–पृथक निविदा आमंत्रित की जाती है:–

नोट:–

- उपरोक्त कार्य की आपूर्ति हेतु निविदा फार्म का मूल्य रू0 500/– मात्र है, जो महाविद्यालय कार्यालय से दि0 30.03.2026 से 08.04.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11:00 – 03:00 बजे के मध्य प्राप्त एवं जमा किया जा सकता है।
- निविदा अस्वीकार/निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य के पास सुरक्षित होगा।

प्रो0 (संजय मिश्र)
प्राचार्य

कार्यालय ग्राम पंचायत, मनोहरगंज विकास खण्ड–जगतपुर, रायबरेली

पत्रांक: 03/ ग्राद्वपद्व/2025–26 — दिनांक: 28/03/2026

टेण्डर नोटिस

राज्यवित्त / चौदहवां वित्त / मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत की वर्ष 2025–26 की कार्ययोजना में स्वीकृत निम्नांकित कार्य सम्पादित कराने हेतु निम्नांकित सामग्री आपूर्ति करनें हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं से सीलबन्द टेण्डर आमंत्रित किये जाते हैं जो दिनांक 04/04/26 को सांय 3: 00 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्राप्त किये जायेंगे तथा उसी दिन सांय 4: 00 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा टेण्डरदाता अथवा उसके प्रतिनिधि के समक्ष खाले जायेंगे किसी भी टेण्डर को बिना कारण बतायें निरस्त करनें का अधोहस्ताक्षरी को अधिकार होगा। इच्छुक आपूर्तिकर्ता / टेण्डरदाता को टेण्डर डालने हेतु धरोहर धनराशि नकद / बैंक के रूप में ग्राम पंचायत में जमा करनी होगी जिसकी रसीद टेण्डर के साथ जमा करनी होगी टेण्डर फार्म नोटिस निर्गत होने की तिथि से टेण्डर प्राप्त करने की तिथि के एक दिन पूर्व तक किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्तावारी कर्यालय से 100/–रू0 नकद जमा कर अपरान्ह 2:00 बजे से 4: 00 बजे के मध्य प्राप्त किये जा सकेंगे।

क्र. सं.	सामग्री का विवरण	मात्रा	आपूर्ति हेतु अवधि	धरोहर धनराशि	आपूर्ति स्थल/कार्य का नाम
1	80mm जिक जैक इन्टरलाकिंग ईट	5500 नग	07 दिन		इंटरलाकिंग निर्माण पक्की सड़क में सुधीर के घर तक

प्रतिबंध/निर्देश

1. सामग्री की आपूर्ति कार्यस्थल पर करनी होगी अर्थात कोटेशन में कोट की गयी दर एफ0ओ0आर0 होगी अर्थात लदायी उतराई, चटटा लगवाई एवं भाडा आदि चार्ज उसमें सम्मिलित होंगे।
2. बिल का भुगतान नियमानुसार आयकर की कटौती करके किया जायेगा।
3 सामग्री की आपूर्ति कार्य प्रभारी को कार्यस्थल पर प्राप्त करानी होगी।

अंजली पाण्डेय, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पं0– मनोहरगंज जगतपुर रायबरेली।

सरला मौर्य, ग्राम प्रधान, ग्राम पं0– मनोहरगंज, जगतपुर, रायबरेली

विविध

अयोध्या में परिवहन मंत्री के महायज्ञ के दौरान यज्ञशाला व गोशाला में लगी भीषण आग

अयोध्या कार्यालय

महायज्ञ स्थल पर कुछ इस तरह दिखा आग का दृश्य।

- बाल-बाल बचे वीवीआईपी व अन्य, मची अफरातफरी, फायर ब्रिगेड के 10 वाहनों ने घंटों मशक्कत के बाद पाया लपटों पर काबू
- रामनगरी के राजघाट में हो रहा था श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ

अमृत विचार : अयोध्या के थाना कैंट अंतर्गत सरयू तट स्थित राजघाट इलाके में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा कराए जा रहे श्रीलक्ष्मी नारायन महायज्ञ के समापन के दिन शनिवार दोपहर यज्ञशाला में भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि आग लगने से कुछ ही मिनट पहले करीब 4500 लोग आहुति देकर बाहर निकल गए थे, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं आग बुझाने का प्रयास हो ही रहा था कि इतने में मुख्य पांडाल के पूर्वी ओर स्थित गोशाला में भी आग लग गई। दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

परिवहन मंत्री के नेतृत्व व बक्सर (बिहार) के श्रीजीयर स्वामी जी महाराज की मौजूदगी में रामनवमी पर महायज्ञ का आयोजन 20 मार्च को शुरू हुआ था। इसके लिए बने यज्ञशाला में बने 1251 कुंड में प्रतिदिन करीब पांच हजार श्रद्धालुओं द्वारा हवन-पूजन किया जा रहा था। समापन पर शनिवार को करीब 4500 लोगों द्वारा हवन कुंड में पूर्णाहुति डाली गई। करीब 12 बजे यज्ञ समाप्त होने के बाद जैसे ही लोग बाहर निकले, इतने में एक कुंड में पड़ा नारियल अचानक फट गया व उसमें से निकली चिंगारी से घास-फूस व बांस-बल्लियों के बने यज्ञशाला में आग लग गई। तेज हवा के चलते लपटों ने कुछ ही मिनटों में भीषण रूप धारण कर लिया। करीब 10 मिनट में ही पूरी यज्ञशाला जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंचे दमकल के 10 छोटे-बड़े वाहन आग पर काबू करने का प्रयास कर ही रहे थे कि मुख्य पांडाल के पूर्वी छोर पर बनी गोशाला में भी आग लग गई। वहां मौजूद लोगों ने गोवंशों को बाहर निकाल उनकी जान बचाई। इस दौरान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत कई विधायक व अन्य वीआईपी भी घटनास्थल के बगल बने मुख्य पंडाल में मौजूद थे। सूचना पर मंडलायुक्त राजेश कुमार, डीआईजी सोमेन वर्मा, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे व घटनास्थल का निरीक्षण किया।

गोष्ठी में मौजूद लोग। • अमृत विचार

सबको साथ लेकर चलने की भावना जरूरी: स्वांत रंजन

लखनऊ, अमृत विचार : राष्ट्रधर्म के कार्यालय में आयोजित विशिष्ट गोष्ठी में नगर के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवी उपस्थित हुए। गोष्ठी में यूजीसी के विवादित प्रावधानों पर चर्चा की गयी। अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि इस मामले में जो सतर्कता की जानी चाहिए थी, वह नहीं की गयी। उन्होंने कहा कि समाज में सबको साथ लेकर चलने की भावना जरूरी है। राष्ट्रधर्म के निदेशक मनोजकांत ने कहा कि जिस बहस से समाज की आत्मीयता प्रभावित हो उससे बचने की आवश्यकता है। लविवि के पत्रकारिता विभाग के डॉ. सौरभ मालवीय ने अपनी बात विस्तार से रखी। राष्ट्रधर्म के प्रभारी निदेशक सर्वेश चन्द्र द्विवेदी ने यूजीसी के विवादास्पद संवैधानिक पक्षों को सामने रखा। मित कुमार मल्ल ने कहा कि अलग-अलग वर्गों के लिए विशेष प्रावधानों से समाज में मुश्किल बढ़ेगी। शोध छात्र आलोक त्रिपाठी, ओमप्रकाश, हरमेश चौहान, कुमार अशोक पांडेय, के.के. वत्स, संजय उपाध्याय, जयव्रत राय, राजीव द्विवेदी, सुनील अग्रवाल, डॉ. राजीव सागर ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर होगी उम्रकैद की सजा

फतेहगढ़ साहिब, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि राज्य में धर्म से जुड़े बेअदबी कानून को और सख्त किया जाएगा और गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने पर किसी भी व्यक्ति को आजीवन कारावास तक की सजा का सामना करना पड़ेगा। मान सरकार द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान करने के मकसद से जगतजोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार अधिनियम, 2008 में संशोधन करने के लिए 13 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। सरकार ने बेअदबी कतई बर्दाश्त नहीं किए जाने का रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसा करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मान ने कहा कि 13 अप्रैल को हम बेअदबी कानून में संशोधन करेंगे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–सुलतानपुर।

पताः–विकास भवन सुलतानपुर

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

पत्रांक 3546 /ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रा0/पत्रां0सं0–296/अनु0सहायक/2025–26 दिनांक– 21.03.2026

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड सुलतानपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए, बी, सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदा दाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है, *बिड़ डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा।* निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1–कार्यो से सम्बंधित विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी.एस.टी सहित (रूपया में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
		पूर्वांचल विकास निधि जिलांश				
1	सुलतानपुर	विकास खण्ड करौंदीकला दसगरपारा बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
2	सुलतानपुर	विकास खण्ड करौंदीकला बांगरकला बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
3	सुलतानपुर	विकास खण्ड करौंदीकला हिन्दुआबाद बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
4	सुलतानपुर	विकासखण्ड करौंदीकला इब्राहीमपुर घाट के पास सार्वजनिक स्थल पर ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
5	सुलतानपुर	विकास खण्ड अखण्डनगर प्राथमिक विद्यालय कामतागंज के पास ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
6	सुलतानपुर	विकास खण्ड अखण्डनगर कामतागंज नई बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
7	सुलतानपुर	विकास खण्ड अखण्डनगर हकीमपुर बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
8	सुलतानपुर	विकास खण्ड कादीपुर पलिया देवापुर बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
9	सुलतानपुर	विकास खण्ड कादीपुर खुर्द देवाढ़ बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य ।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
10	सुलतानपुर	विकास खण्ड कादीपुर जलालपुर बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
11	सुलतानपुर	विकास खण्ड दोस्तपुर दूल्हापुर बाजार में ट्यूबलर शेड अधिष्ठापन कार्य।	10.71	22000.00	766.00	120 दिवस
12	सुलतानपुर	विकास खण्ड अखण्डनगर के डौड़ीपुर में शिवम की दुकान से अनुसूचित जाति बस्ती तक इण्टरलाकिंग कार्य।	15.13	31000.00	854.00	120 दिवस
13	सुलतानपुर	विकास खण्ड दोस्तपुर के नारा मधईपुर में पूर्णमासी के चक से संतराम के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	20.51	41000.00	854.00	120 दिवस

2. वैब साइट पर बिड़ डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः 04.04.2026 को दोपहर 12 बजे से।
3. बिड़ डाक्यूमेन्ट डाउन लोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समयः–18.04.2026 को प्रातः 10 बजे से।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि/समय 21.04.2026 को प्रातः 10 बजे से।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समयः– 04.05.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक।
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–04.05.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे तक।
7. टेण्डर प्रकिया से पूर्व का कोई शपथपत्र मान्य नही होगा।
8 निविदा ऑनलाईन बेव साइट http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
9. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा । सभी संभावित निविदा दाताओ को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट http//etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड् डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करे। सभी सम्मानित निविदादाता को सलाह है कि बिड् सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भॉति पढ़ लें।

(के0के0 मिश्रा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–सुलतानपुर
श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से।

UP - 249004 दिनांक: 27/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदोई

पत्रांक संख्या: 1554 / न0प0प0ह0 (नि0वि0) / ई–निविदा/2025–26 — दिनांक: 28/03/2026

अतिअल्पकालीन ई–निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, हरदोई द्वारा राज्य वित्त आयोग / पालिका निधि योजना अन्तर्गत निम्न कार्य की ई–निविदा निर्धारित शर्तो /नियमो के आधीन आमंत्रित की जाती है, जिनका विवरण निम्नवत् है। निविदा की समस्त कार्यवाही https// etender.up.nic.in पर ही की जायेगी ।

टॅण्डर शेड्यूल

S. No.	नगर पालिका परिषद, हरदोई ANM Stage	निविदादाता / ठेकेदार Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
01	Tender Release		28/03/2026 05.00 PM	-
02	–	Tender Download	28/03/2026 05.00 PM	9/04/2026, 02.00 PM
03	–	Bid Submission	28/03/2026 05.00 PM	9/04/2026, 02.00 PM
04	Close for Bid			9/04/2026, 02.00 PM
05	Technical Bid Opening			10/04/2026, 12.00 PM
06	Online Finence Bid Opening	After Approval of Technical Bid & submit original documents as per following clause 13		

निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण नगर पालिका परिषद हरदोई की वेबसाइट www.npphardoi.co.in पर व जिले की www.hardoi.nic.in पर देखी जा सकती है।

(रामेन्द्र सिंह), अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, हरदोई

(सुख सागर मिश्र मधुर), अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद हरदोई

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पॉलिसी संख्या 219174867 में मेरा नाम माया देवी पत्नी निरहू दर्ज है। अन्य सारे कागजात में शीला पत्नी निराहू के नाम से है। यह दोनों नाम एक ही महिला के हैं। मुझे दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता है। **शीला पत्नी निराहू, ग्राम पैगापुर मटियारिया, पोस्ट खजुरिया, जिला–बलरामपुर**

NOTICE

I, TIMME SAHNI W/O MR. HARSH KUMAR SAHNI, R/O-B 203, SHRI RAM APARTMENT, NEW BERRY ROAD, HAZRATGANJ, LUCKNOW, UP, HEREBY INFORM EVERYONE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO TIMMI SAHNI, AND HENCEFORTH I SHOULD BE KNOWN, IDENTIFIED, AND ADDRESSED AS TIMMI SAHNI.

सूचना

मेरे पुत्र का नाम भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिलेखों में त्रुटिवश शिवा व जन्मतिथि 28–03–2008 दर्ज है। जबकि आधारकार्ड व अन्य अभिलेखों में हर्ष साहू व जन्मतिथि 24–03–2009 दर्ज है, जो सही है। दोनों नाम मेरे पुत्र के है । अतः अब मेरे पुत्र को हर्ष साहू तथा जन्मतिथि 24–03–2009 के नाम से जाना पहचाना व भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी में दर्ज किया जाए। **राजकपूर पुत्र स्व. राजाराम निवासी ग्राम व पोस्ट खीरो, थाना खीरो , तहसील लालगंज, जनपद रायबरेली**

सूचना

सूचना हो कि पहले मेरा नाम MAHAJBEEN था से बदलकर KM MAHAZABEEN रख लिया है। अब मुझे KM MAHAZABEEN के नाम से जाना व पहचाना जाये। W/O- MAIFUZAHAMAD ADD-VILLA- KUMBHI AIMA POST-KUMBHI AIMA PS-UDAYPUR DIST-PRATAPGARH-230125 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD IMARAN से बदलकर MOHAMMAD IMRAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- ISARAR AHAMAD ADD-115 KATRA BANSA NAWABGANJ DIST-BARABANKI-225204 (U.P.)

सूचना

मै **सुन्दर लाल पुत्र सूरज लाल निवासी बरियारपुर थाना–रामनगर, जिला–बाराबंकी**, मेरे पुत्र अमन कुमार का चाल चलन ठीक नहीं है वह आये दिनं मुझे मारता पीटता है और दारू शराब पीकर मोहल्ले वालों को गाली गुप्तारी देता है। मेरा छोटा लड़का हमारी बड़ी बहू कोमल देवी पत्नी राम प्रसाद को दिनाक 26–03–2026 को अपने साथ जबरदस्ती भगा ले गया है उसके इन कृत्यों से परेशान होकर उसे अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा है। मेरे पुत्र द्वारा किये गये कृत्यों से कोई लेना देना नही है।

सूचना

अनीता सिंह पत्नी बाल कृष्ण सिंह निवासी 7/344 EWS आवास एवं विकास योजना संख्या 03 हंसपुरम कानपुर नगर उपरोक्त प्रापर्टी का मूल आवंटन पत्र(2621 स/प्र/कानपुर/12.05.2016) और मूल कब्जा पत्र कही खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। 8299538210

एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित: जुबिलेंट फूडवर्क्स

नयी दिल्ली। जुबिलेंट फूडवर्क्स लि. ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उसके कुछ रेस्तरां में एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है। डोमिनोज पिज्जा और डंकिन डोनट्स सहित फास्ट-फूड श्रृंखला संचालित करने वाली कंपनी ने कहा कि वह बिजली तथा पीएनजी जैसे वैकल्पिक साधनों की ओर तेजी से बढ़ रही है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 29 मार्च 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

सेल के सीएमडी पद के लिए अशोक पांडा के नाम की सिफारिश

नयी दिल्ली। सरकार में शीर्ष पदों के लिए चयन करने वाली संस्था लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पद के लिए अशोक कुमार पांडा के नाम की सिफारिश की है। पांडा उन 10 चयनित उम्मीदवारों में शामिल थे जिनका साक्षात्कार सेल में चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पद के लिए लिया गया था। सेल के वर्तमान सीएमडी अमरेंदु प्रकाश का कार्यकाल दो अप्रैल, 2026 को समाप्त हो रहा है। उन्होंने 31 मई, 2023 को इस पद का कार्यभार संभाला था।

रेंटोमोजो ने आईपीओ के लिए सौंपे दस्तावेज

नयी दिल्ली। घरेलू फर्नीचर और उपकरण किराये पर देने वाली कंपनी रेंटोमोजो लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। शुक्रवार को दाखिल की गई विवरण पुस्तिका (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 150 करोड़ रुपये तक के शेयर का नया निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2,83,99,567 शेयर तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने कहा कि नए शेयरों से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, गोदाम और स्टोर के लिए पट्टा या लाइसेंस शुल्क देने, और सामान्य व्यावसायिक कार्यों के लिए किया जाएगा।

थर्मैक्स बैबकॉक को 1,600 करोड़ का ऑर्डर

नयी दिल्ली। ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी थर्मैक्स की अनुषंगी थर्मैक्स बैबकॉक एंड विल्कॉक्स एनर्जी सॉल्यूशंस (टीबीडब्ल्यूएस) ने एक अत्याधुनिक तापीय विद्युत परियोजना के लिए लगभग 1,600 करोड़ रुपये के बॉयलर पैकेज आपूर्ति का ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी के अनुसार, यह ऑर्डर भारत की एक प्रमुख तापीय ऊर्जा परियोजना कंपनी से 800 मेगावाट के संयंत्र के लिए मिला है।

फोर्टिस को 117 करोड़ का आयकर नोटिस

नयी दिल्ली। फोर्टिस हेल्थकेयर लि. की इकाई फोर्टिस हॉस्पिटल्स लि. को आयकर विभाग से 117.04 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि फोर्टिस हॉस्पिटल्स लिमिटेड को 27 मार्च 2026 का आयकर आदेश प्राप्त हुआ है, जो आकलन वर्ष 2024-25 से संबंधित है। इसके तहत 117.04 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

बाहरी झटकों से वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव का जोखिम : वित्त मंत्रालय

बदलते हालात में सतत निगरानी और समायोजित प्रतिक्रिया बनाए रखना महत्वपूर्ण

नयी दिल्ली, एजेंसी

देश में निकट भविष्य का परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। बाहरी झटके विशेष रूप से पश्चिम एशिया संकट, कच्चे माल की उच्च लागत और संभावित आपूर्ति बाधाएं वृद्धि के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक रिपोर्ट में यह कहा। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और ठोस घरेलू मांग प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी मार्च माह की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार वैश्विक घटनाओं ने भारत के लिए जटिल और बहुस्तरीय जोखिम पैदा कर दिए हैं। इसका कारण देश एक प्रमुख ऊर्जा आयातक होने के साथ-साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के साथ मजबूत व्यापार, निवेश और धन प्रेषण का जुड़ाव है।

इसमें कहा गया- हालांकि भारत के अपेक्षाकृत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और निरंतर नीतिगत प्रयास मजबूती प्रदान करते हैं, लेकिन बदलती स्थिति के लिए गहन निगरानी और सुविचारित नीतिगत प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार ऊर्जा विविधीकरण, कृषि क्षेत्र में तैयारी, मुद्रास्फीति की स्थिति, बाह्य क्षेत्र की मजबूती और नीतिगत उपायों के जरिये सरकार के हस्तक्षेप आर्थिक प्रणाली की क्षमता को मजबूत करता है ताकि वैश्विक घटनाओं से उत्पन्न होने वाले अल्पकालिक व्यवधानों को सहन किया जा सके।

इसके साथ ही, बदलती परिस्थितियों को देखते हुए सतत निगरानी और समायोजित प्रतिक्रिया बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इन उपायों और मौजूदा आर्थिक सुरक्षा पहल के साथ कुछ सहारा मिलने के बावजूद, जोखिमों का संतुलन नकारात्मक दिशा में बना हुआ है। ऐसे हालात में, लगातार सतर्कता बनाए रखना और सक्रिय नीतिगत कदम उठाना आवश्यक होगा ताकि बदलती वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव को कम किया जा सके। हाल में तेल की कीमतों में उछाल मध्यम अवधि में महंगाई के लिए जोखिम पैदा करता है, क्योंकि ऊंची ऊर्जा लागत विशेष रूप से ईंधन-निर्भर क्षेत्रों में धीरे-धीरे घरेलू कीमतों में तेजी के रूप में बदलती है। रिपोर्ट में कहा गया कि अगर तेल और गैस की कीमतें लगातार बढ़ती रही, तो इससे विभिन्न क्षेत्रों में लागत बढ़ने के और प्रभाव पड़ सकते हैं। इसके बावजूद, सरकार सतर्क है और घरेलू ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा संभावित महंगाई दबाव को कम करने के उपाय कर रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भी वस्तु व्यापार संतुलन के लिए जोखिम पैदा करती हैं, जबकि बाहर से भेजा जाने वाला पैसा (धन प्रेषण) को लेकर दृष्टिकोण भी संवेदनशील बना हुआ है क्योंकि खाड़ी सहयोग परिषद की अर्थव्यवस्थाओं का वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल धन प्रेषण में लगभग 38 प्रतिशत हिस्सा था। इसमें कहा गया कि तेजी से अनिश्चित होते वैश्विक परिवेश में, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती ठोस घरेलू बुनियाद पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि आर्थिक वृद्धि को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान देना जरूरी होगा, ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े, कार्यकुशलता बढ़े और निवेश को बढ़ावा मिले।

कीमतें स्थिर रखने को उठाया कदम

रूस पहली अप्रैल से चार महीने नहीं बेचेगा पेट्रोल

मॉस्को, एजेंसी

रूस के उपप्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय को 1 अप्रैल 2026 से पेट्रोल (गैसोलीन) के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक मसौदा सरकारी आदेश तैयार करने का निर्देश दिया है। यह जानकारी घरेलू पेट्रोलियम उत्पाद बाजार की स्थिति पर हुई बैठक के बाद रूसी कैबिनेट ने दी।

सरकार ने कहा कि बैठक के अंत में अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय को 1 अप्रैल 2026 से गैसोलीन निर्यात पर प्रतिबंध लगाने वाला मसौदा आदेश तैयार करने का निर्देश दिया। यह कदम कीमतों को स्थिर करने और घरेलू बाजार में ईंधन की प्राथमिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे इजराइल-ईरान जंग की वजह से ग्लोबल तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्शन बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। इससे कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि रूस रोजाना 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। रूस के निर्यात रोकने से चीन, तुर्किये, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देशों पर असर पड़ने की संभावना है।

ये सभी देश रूसी तेल उत्पादों के बड़े खरीदार हैं। हालांकि भारत पर असर कम होगा क्योंकि वह पेट्रोल नहीं, कच्चा तेल खरीदता है।

रूस के फैसले का भारत पर असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार, रूस द्वारा पेट्रोल निर्यात पर लगाए गए बैन का भारत पर सीधा असर सीमित रहने की संभावना है। इसकी मुख्य वजह यह है कि भारत तैयार ईंधन (जैसे पेट्रोल) के बजाय कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) पर अधिक निर्भर है। देश अपनी जरूरत का लगभग 80% कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें करीब 20% हिस्सा रूस से आता है। भारत के पास मजबूत रिफाइनरी नेटवर्क है, जिसके जरिए वह खुद कच्चे तेल को प्रोसेस कर पेट्रोल और डीजल तैयार करता है। भारत रोजाना लगभग 56 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन करता है।

वैश्विक कीमतों पर प्रभाव

विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर रूस के फैसले से वैश्विक सप्लाई प्रभावित होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। पहले से ही युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं।

रूसी तेल अब पड़ रहा महंगा

इजराइल-ईरान तनाव के चलते वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिससे भारत ने रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदने का फैसला किया है। अप्रैल डिलीवरी के लिए भारत ने करीब 6 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदा है।

केंद्र का शहरी क्षेत्रों में पीएनजी नेटवर्क विस्तार पर जोर

नयी दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने शनिवार को देश के शहरी क्षेत्रों में पीएनजी नेटवर्क के तेज विस्तार पर जोर दिया। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण एलपीजी आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बीच पीएनजी नेटवर्क को बढ़ावा दिया जा रहा है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने एक ही जगह सभी प्रकार की मंजूरी प्रणाली, शहरी नियोजन में गैस पाइपलाइन का एकीकरण और अंतिम-छोर तक कनेक्टिविटी में सुधार सहित प्रमुख प्राथमिकताओं का उल्लेख किया।

उन्होंने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी, राज्य प्रतिनिधियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में 50 लाख नए पीएनजी (पाइप के जरिये घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस) कनेक्शन प्रदान करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का उल्लेख किया। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, अधिकारियों ने देश में पीएनजी विस्तार को धीमा करने वाली प्रमुख बाधाओं को जिक्र किया, जिनमें नगरपालिका अनुमतियों में देरी, मार्ग अधिकार (आरओडब्ल्यू) अनुमोदन और उच्च बहाली यानी मरम्मत शुल्क शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में मौजूदा बुनियादी ढांचे के साथ तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) से पीएनजी में चरणबद्ध परिवर्तन पर व्यापक सहमति है।

पीएम ई-ड्राइव योजना में नई समय सीमा तय

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने ई-स्कूटर और ई-रिक्शा के लिए नई समय सीमा और अधिकतम वाहनों की संख्या तय करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना पीएम ई-ड्राइव में संशोधन किया है। केंद्र सरकार ने 10,900 करोड़ रुपये की पीएम ई-ड्राइव (पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एनहांसमेंट) दिशानिर्देश संशोधित किए हैं। इसके अनुसार, 31 जुलाई, 2026 तक पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और 31 मार्च, 2028 तक पंजीकृत इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहन (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) योजना के तहत प्रोत्साहन पाने के पात्र होंगे। प्रोत्साहन राशि का लाभ उठाने के लिए अधिकतम 'शोरूम' कीमत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 1.5 लाख रुपये और इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) के लिए 2.5 लाख रुपये तक सीमित है। इस योजना के तहत कुल भुगतान 10,900 करोड़ रुपये के योजना परिव्यय तक सीमित रहेगा। भारी उद्योग मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा- यदि योजना या इसके संबंधित उप-घटकों के लिए धनराशि योजना की अंतिम तिथि, यानी 31 मार्च 2028 से पहले समाप्त हो जाती है, तो आगे कोई दावा स्वीकार नहीं होगा।

बीआईयू-बीएफआई में नवाचार इकोसिस्टम पर समझौता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली इंटरनेशनल यूनीवर्सिटी (बीआईयू) में शनिवार को ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफआई) के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में हुई प्रगति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में बीएफआई की ओर से प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. श्वेता जिंदल और प्रोग्राम मैनेजर डॉ. सोनालिका सिंह शामिल रहीं।

इस दौरान बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल की उपस्थिति में एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. वरुण अग्रवाल, डॉ. अर्जुन अग्रवाल और इन्क्यूबेशन सेंटर के सीईओ क्लॉडियस लाजरुस भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अर्जुन अग्रवाल के स्वागत भाषण से हुई।

इसके बाद इन्क्यूबेशन टीम ने प्रस्तुति के माध्यम से विश्वविद्यालय में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। इसमें छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान छात्र नवाचार प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन भी किया गया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से परिसर में विकसित हो रही उद्यमिता और समस्या-समाधान की संस्कृति को दर्शाया गया। साथ ही विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्यों और फैकल्टी सदस्यों ने सहभागिता बढ़ाने और अंतर-विषयी सहयोग को मजबूत करने पर विचार रखे। बीएफआई प्रतिनिधियों ने बीआईयू के संरचित और गुणवत्ता-आधारित दृष्टिकोण की सराहना की। डॉ. श्वेता जिंदल ने विश्वविद्यालय को नवाचार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति बनाए रखने और इन्क्यूबेशन प्रक्रिया को और सुदृढ़ करने की सलाह दी।

बैठक का समापन नवाचार इकोसिस्टम को और प्रभावी बनाने तथा विश्वविद्यालय को विकास के अगले चरण तक ले जाने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

बीएफआई प्रतिनिधियों के साथ बैठक में मौजूद बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल। साथ में डॉ. वरुण अग्रवाल एवं डॉ. अर्जुन अग्रवाल। ● अमृत विचार

● बीआईयू का दृष्टिकोण सराहनीय, इन्क्यूबेशन प्रक्रिया सुदृढ़ करने की सलाह

क्या है सीएनजी, पीएनजी एलपीजी और एलएनजी

क्या है इनमें अंतर, कहां पैदा होती और किस काम आती है

पश्चिम एशिया संकट के चलते तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। एलपीजी सिलेंडर को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सरकार एलपीजी सिलेंडर के स्थान पर पीएनजी के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है। ऐसे में एलपीजी, सीएनजी और पीएनजी को लेकर लोगों में जिज्ञासाएं हैं।

आइए, यहां हम इनकी प्रकृति, उत्पादन और उपयोग के बारे में जानने का प्रयास करते हैं। सीएनजी, पीएनजी, एलएनजी और एलपीजी—ये सभी गैस आधारित ईंधन हैं, लेकिन इनके रूप, उपयोग, भंडारण और कीमतों में काफी अंतर होता है। इनमें से कुछ का उत्पादन भारत में 60 फीसदी तक होता है और कुछ में भारत लगभग आयात पर ही निर्भर है। नीचे आसान भाषा में समझते हैं :

सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस)

- **क्या है :** सीएनजी स्वयं कोई अलग ईंधन नहीं बल्कि प्राकृतिक गैस है, जिसे बहुत अधिक दबाव (200–250 बार) पर संपीड़ित करके बनाया जाता है।
- **उत्पादन :** प्राकृतिक गैस के भंडार (गैस फील्ड्स) से निकाली जाती है। फिर इसे कंप्रेस किया जाता है।
- **उत्पादन क्षेत्र-** भारत में मुंबई हाई, कृष्णा-गोदावरी बेसिन और असम गैस क्षेत्र (कुल मांग का 50 फीसदी)-शेष 50% आयात
- **उपयोग :** वाहन (कार, ऑटो, बस) और कुछ उद्योग।
- **कीमत :** एलपीजी और पेट्रोल से सस्ती

पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस)

- **क्या है :** प्राकृतिक गैस, जिसे पाइपलाइन के माध्यम से सीधे घरों/उद्योगों तक पहुंचाया जाता है।
- **उत्पादन :** सीएनजी जैसी ही प्राकृतिक गैस, लेकिन बिना कंप्रेस किए पाइप से सप्लाई की जाती है।
- **उत्पादन क्षेत्र-** भारत में मुंबई हाई, कृष्णा-गोदावरी बेसिन और असम गैस क्षेत्र (कुल मांग का 50 फीसदी)-शेष 50% आयात
- **उपयोग :** घरों-रेस्तरां में भोजन पकान और उद्योगों में
- **कीमत :** एलपीजी और पेट्रोल से सस्ती

एलपीजी (लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस)

- **क्या है :** प्रोपेन और ब्यूटेन गैस का मिश्रण, जो पेट्रोलियम रिफाइनिंग या प्राकृतिक गैस से मिलता है।
- **उत्पादन :** कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की रिफाइनिंग और गैस प्रोसेसिंग प्लांट में किया जाता है।
- **उत्पादन क्षेत्र-** भारत में जामनगर रिफाइनरी, मथुरा रिफाइनरी। मांग के मुकाबले काफी हद तक आयात पर निर्भर
- **उपयोग :** घरों में खाना (सिलेंडर-14.2 किलो), होटल, उद्योग
- **कीमत :** सबसे महंगी (सब्सिडी पर निर्भर), ₹913 (सिलेंडर)

एलएनजी (लिक्वीफाइड नेचुरल गैस)

- **क्या है :** प्राकृतिक गैस को -162C पर ठंडा करके तरल रूप में बदला जाता है।
- **उत्पादन :** गैस को साफ करके ठंडा किया जाता है, फिर तरल रूप में स्टोर/ट्रांसपोर्ट किया जाता है।
- **उत्पादन क्षेत्र-** भारत में दहेज, हजीरा और कोच्चि एलएनजी टर्मिनल (**लगभग पूरी तरह आयात पर निर्भर**)
- **उपयोग :** बड़े उद्योग, लंबी दूरी ट्रांसपोर्ट, बिजली उत्पादन ● **कीमत :** अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर। सीएनजी से महंगी।

आम सहमति और एमएफन नियम वैश्विक व्यापार संतुलन के लिए महत्वपूर्ण: गोयल

नयी दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने जतायी डब्ल्यूटीओ के मूलभूत सिद्धांतों को बनाये रखने की आवश्यकता

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि विश्व व्यापार संगठन में सबकी सहमति से होने वाली निर्णय प्रक्रिया, सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) नियम और विशेष एवं अलग व्यवहार वैश्विक व्यापार में संतुलन सुनिश्चित करने के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मूलभूत सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता बतायी। मंत्री ने कैमरून के याउंडे में चल रहे डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे और ब्रिटेन के व्यापार नीति राज्य मंत्री क्रिस ब्रायंट के साथ हुई अपनी बैठक में ये बातें कहीं। ये दोनों डब्ल्यूटीओ में सुधारों के लिए सुविधाकर्ताओं की भी भूमिका निभा रहे हैं। गोयल ने सुधार, प्रासंगिक और प्रभावी डब्ल्यूटीओ के लिए भारत के पूर्ण समर्थन को दोहराया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि संगठन के मूलभूत सिद्धांतों, विशेष रूप से सर्वसम्मति आधारित निर्णय प्रक्रिया, एमएफएन नियम आधारित व्यापार और विशेष एवं अलग व्यवहार को बनाए रखना जरूरी है, जो वैश्विक व्यापार में समानता और संतुलन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) 29 मार्च को समाप्त होगा।

डब्ल्यूटीओ में ई-कॉमर्स के लिए सीमा शुल्क पर स्थगन को लेकर मतभेद: जीटीआरआई

नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के कैमरून में चल रहे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में ई-कॉमर्स के लिए सीमा शुल्क स्थगन को लेकर काफी ज्यादा मतभेद है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने कहा कि जहां अमेरिका मोहलत यानी स्थगन को स्थायी रूप से बढ़ाने पर जोर दे रहा है, वहीं भारत और अन्य विकासशील देश राजस्व नुकसान और नीतिगत बाधाओं का हवाला देते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन का ई-कॉमर्स स्थगन एक अस्थायी समझौता है जिसमें सदस्य देश इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजे जाने वाले माल/सेवाओं पर सीमा शुल्क न लगाने की प्रतिबद्धता जताते हैं। जीटीआरआई ने कहा कि सबसे ज्यादा मतभेद सीमा शुल्क पर ई-कॉमर्स के लिए जारी मोहलत को लेकर है। दो से चार साल का अस्थायी समझौता सबसे संभावित परिणाम जान पड़ता है। कैमरून के याउंडे में डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का तीसरा दिन निर्णायक साबित हो रहा है। सम्मेलन में मंत्री चार क्षेत्रों... मत्स्य पालन सब्सिडी, निवेश सुविधा, ई-कॉमर्स और कृषि... पर बैठकें कर रहे हैं। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव मत्स्य पालन सब्सिडी पर बहुत कम प्रगति की उम्मीद है।

सुरक्षा विशेषज्ञ की बात भारत की डिजिटल सार्वजनिक व्यवस्था 'इंडिया स्टैक' अब दुनिया के लिए एक उदाहरण

साइबर हमले अब डेटा ही नहीं, जीवन को भी खतरा

नयी दिल्ली, एजेंसी

● करीब 24 देशों को भारत जैसी ही सार्वजनिक व्यवस्था बनाने में सलाह दे रहा है डेलॉयट

बढ़ते साइबर हमलों के बीच अब खतरा सिर्फ आंकड़ों की चोरी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सीधे लोगों की जान के लिए भी जोखिम बन गया है। एक वरिष्ठ साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने यह बात कही। डेलॉयट के दक्षिणण एशिया में भागीदार और साइबर मामलों के प्रमुख गौरव शुक्ला ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी और संचालन प्रणालियों के आपस में जुड़ने से हमलों का दायरा बढ़ गया है। इससे विमानन, परिवहन और सार्वजनिक सेवाओं जैसे क्षेत्र ज्यादा खतरे में आ गए हैं।

उन्होंने कहा-पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल बदलाव तेजी से हुआ है, जिससे हमले की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। जितनी ज्यादा प्रणालियां जुड़ती हैं, उतने ही अधिक मौके हमलावरों को मिलते हैं। शुक्ला ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आप राजमार्ग पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस कार चला रहे हों और अचानक उसका स्टीयरिंग आपके नियंत्रण में न रहे, तो आप अपने बैंक खाते की नहीं, बल्कि अपनी जान की चिंता करेंगे।

उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि अब साइबर सुरक्षा केवल डेटा की सुरक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सीधे मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़ गई है। शुक्ला ने बताया कि अगर किसी चिकित्सा उपकरण में साइबर हमला कर मरीज के बारे में जानकारी बदल दिए जाएं, तो यह जानलेवा हो सकता है। वहीं, बिजली उत्पादन या आपूर्ति व्यवस्था पर हमला होने से पूरे देश में अंधेरा छा सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की करीब आठ अरब आबादी के बीच 30 अरब से ज्यादा सेंसर वाले उपकरण मौजूद हैं, यानी हर व्यक्ति के आसपास औसतन तीन से अधिक ऐसे उपकरण होते हैं। भारत की डिजिटल प्रगति पर उन्होंने कहा कि देश की डिजिटल सार्वजनिक व्यवस्था, जिसे आम तौर पर 'इंडिया स्टैक' कहा जाता है, अब दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुकी है। डेलॉयट करीब 24 देशों को ऐसी ही व्यवस्था बनाने में सलाह दे रहा है।

हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे-जैसे यह व्यवस्था पहचान और भुगतान से आगे बढ़कर शिक्षा और स्वास्थ्य तक पहुंचेगी, वैसे-वैसे नए खतरे भी पैदा होंगे। जनवरी में भारत के लगभग 80 प्रतिशत डिजिटल भुगतान इसी व्यवस्था के माध्यम से हुए, इसलिए इसकी सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि अगर हमलावर कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करते हैं, तो हमले और तेज और बड़े स्तर पर हो सकते हैं। इसलिए लगातार जांच और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है। शुक्ला ने कहा कि पारंपरिक युद्ध सीमित समय के होते हैं, लेकिन साइबर युद्ध लगातार चलते रहते हैं। इससे निपटने के लिए कंपनियों, शिक्षण संस्थानों और सरकार के बीच लगातार सहयोग जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल स्तर पर ही साइबर सुरक्षा और डिजिटल नैतिकता की पढ़ाई शुरू की जानी चाहिए।

वर्ल्ड ब्रीफ

डोनबास पर शर्त का जेलेंस्की का दावा झूठा

पेरिस। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उस दावे को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन किसी युद्धविराम योजना के तहत अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बदले यूक्रेन से उसके पूर्वी डोनबास क्षेत्र को रूस को सौंपने की मांग कर रहा है। फ्रांस में जी-7 की बैठक के बाद रुबियो ने जेलेंस्की की हालिया टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के साथ बातचीत में ऐसी कोई शर्त नहीं रखी है। रुबियो ने कहा, यह झूठ है।

मिसाइल के मलबे से पांच भारतीय घायल

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की वायु रक्षा प्रणाली द्वारा एक बैलिस्टिक मिसाइल को उसके लक्ष्य पर पहुंचने से पहले मार गिराए जाने के बाद खलीफा इकोनॉमिक जोंस अबू धाबी के आसपास उसका मलबा गिरने से पांच भारतीय घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को यह खबर दी। अबू धाबी मीडिया कार्यालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि प्राधिकारियों ने इस घटना में पांच भारतीय नागरिकों के घायल होने की पुष्टि की है।

सीआरपीएफ जवान की शोपियां में मृत्यु

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की संदिग्ध रूप से दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल ज्ञान चंद शनिवार सुबह शोपियां स्थित जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) शिविर में बेहोश पाए गए। उन्होंने बताया कि जवान को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जवान की मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए बीएनएसएस के तहत कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

ओडिशा में तूफान से तीन लोगों की मौत

पुरी। ओडिशा के मयूरभंज और पुरी जिलों में नॉरवेस्टर तूफान से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे मयूरभंज जिला मुख्यालय बारीपदा में तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बौछारें पड़ीं। उन्होंने कहा कि दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

सेना को मिली देश में बनी लाइट मशीन गन प्रहार की पहली खेप

ग्वालियर, एजेंसी

- अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने ग्वालियर फैक्ट्री में किया निर्मित

देश की एक रक्षा कंपनी ने शनिवार को मेक इन इंडिया पहल के तहत निर्मित 2,000 प्रहार लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप भारतीय सेना को सौंप दी। प्रहार नामक यह एलएमजी 7.62 एमएम कैलिबर की है जिसे अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा ग्वालियर के बाहरी क्षेत्र स्थित इसके लघु अस्त्र परिसर में निर्मित किया गया है।

सेना को एलएमजी सौंपने के लिए शनिवार को संबंधित परिसर में एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक (खरीद) ए. अंबरासु तथा अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष राजवंशी और निजी कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बाद में, अंबरासु ने सेना के लिए बनी एलएमजी की पहली खेप ले जा रहे ट्रकों को हरी झंडी दिखाई। झंडी दिखाए जाने के बाद राजवंशी ने कहा कि आज जिस यात्रा की शुरुआत हुई है, उसे पूरा करने में हमें छह साल लगे। हमने इसे तय समय से 11 महीने पहले ही सौंप दिया है। कहा कि ग्राहक ने हमें जो मूल समयसीमा दी थी, वह सात साल से ज्यादा की थी, लेकिन मैं आपको भरोसा दिला सकता हूँ कि अगले तीन साल में पूरा ऑर्डर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

क्या होगा युद्ध का अंतिम परिणाम

अमेरिका और इजराइल ने जब 28 फरवरी 2026 को संयुक्त रूप से ईरान पर ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत मिसाइल हमले शुरू किए, तो दुनिया एक ऐसे संघर्ष की गवाह बनी जिसकी आशंका लंबे समय से जताई जा रही थी। वर्तमान में युद्ध अपने चरम पर है, दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। ईरान ने न केवल अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर पलटवार किया है, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता का दावा करते हुए वैश्विक तेल आपूर्ति को ठप करने की धमकी दी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इसे महाविनाशकारी करार देते हुए चेतावनी दी है कि यह युद्ध पूरी दुनिया को एक ऐसे अनियंत्रित भंवर में धकेल सकता है जिससे बाहर निकलना असंभव होगा। भारत की भी ऊर्जा सुरक्षा और लाखों प्रवासियों का भविष्य दांव पर लगा है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष

क्यों आन पड़ी युद्ध की जरूरत

- परमाणु कार्यक्रम और निरीक्षण : ईरान द्वारा अपने क्षतिग्रस्त परमाणु केंद्रों पर अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों को अनुमति देने से इनकार करना तनाव का मुख्य बिंदु बना।
- इजरायली दबाव : इजरायल ने दावा किया कि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने के बेहद करीब है। 28 फरवरी 2026 को सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की एक सैन्य अभियान में मौत ने आग में घी का काम किया।
- वार्ता की विफलता : अमेरिका ने 15-सूत्रीय युद्धविराम योजना पेश की थी, जिसे ईरान ने यह कहते हुए ठुकरा दिया कि वह हर्जाने और संप्रभुता की गारंटी के बिना पीछे नहीं हटेगा।
- रणनीतिक महत्वाकांक्षा : ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि केवल सत्ता परिवर्तन के माध्यम से ही ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है।

नाटो और यूरोपीय देशों की चुप्पी के पीछे का सच

- कानूनी बाध्यता का अभाव : नाटो का अनुच्छेद 5 केवल तभी लागू होता है जब किसी सदस्य देश पर हमला हो। चूंकि यह युद्ध अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किया गया है, इसलिए यूरोपीय देश इसे रक्षात्मक नहीं मानते। • ऊर्जा संकट का डर : यूरोप अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी देशों के तेल पर निर्भर है। उन्हें डर है कि युद्ध में शामिल होने से ईरान तेल सप्लाई काट देगा, जिससे उनकी अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी।
- सार्वजनिक विरोध : जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन की जनता युद्ध के खिलाफ सड़कों पर है। नेता अपनी घरेलू राजनीति को खतरे में नहीं डालना चाहते।
- ट्रम्प की नीतियों पर अविश्वास : यूरोपीय सहयोगियों को लगता है कि ट्रम्प ने उन्हें विश्वास में लिए बिना यह हमला किया, इसलिए वे अब इसकी जिम्मेदारी साझा नहीं करना चाहते।

भारत के परिप्रेक्ष्य में परिणाम

- ऊर्जा संकट : भारत अपनी जरूरत का 80% तेल आयात करता है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से तेल की कीमतें $150 प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। • प्रवासियों की सुरक्षा : खाड़ी देशों में रहने वाले करीब 80 लाख भारतीय नागरिक सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। उन्हें वापस लाना भारत सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।
- कूटनीतिक संतुलन : भारत का अमेरिका और ईरान दोनों के साथ रणनीतिक रिश्ता है। चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं का भविष्य अब अधर में लटक गया है। • आर्थिक मंदी : बढ़ती महंगाई और शेयर बाजार की उथल-पुथल भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को धीमा कर सकती है।

इजराइल ने ईरान पर बोला 50 विमानों से हमला

एटमी ठिकानों को बनाया निशाना, ईरान ने सऊदी अरब पर दागीं छह बैलिस्टिक मिसाइलें, ड्रोन से किया हमला

- पश्चिम एशिया युद्ध में पहली बार यमन ने इजराइल की ओर दागीं मिसाइलें

दुबई, एजेंसी

इजराइल ने ईरान के अंदर 50 फाइटर जेट्स से हमला किया है। इजराइली सेना के मुताबिक शुक्रवार रात ईरान के तीन इलाकों में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया। वहीं ईरान ने सऊदी अरब पर छह बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। वहीं यमन ने पहली बार इजराइल पर मिसाइलें दागीं।

सेना ने बताया कि ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए और कई घंटों तक चले। हमलों में अराक और यज्द जैसे अहम इलाके शामिल थे। जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें हथियार बनाने वाली सैन्य इंडस्ट्री और बैलिस्टिक के साथ एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल के पुर्जे बनाने वाली फैक्ट्री शामिल थी। इसके अलावा अराक में मौजूद हेवी वॉटर प्लांट पर भी हमला किया गया, जिसे इजराइल ने परमाणु हथियारों के लिए प्लूटोनियम तैयार करने में अहम बताया है। वहीं यज्द में उस प्लांट को भी निशाना बनाया गया, जहां यूरेनियम संवर्धन

इजराइल के तेल अवीव में मिसाइल हमले में क्षतिग्रस्त हुई एक इमारत से अपना सामान लेकर बाहर निकलते लोग।

(एनरिचमेंट) के लिए जरूरी विस्फोटक सामग्री तैयार की जाती है। वहीं, ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर शुक्रवार रात को 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें 5 की हालत गंभीर है।

वहीं, यमन ने शनिवार तड़के इजराइल की ओर एक मिसाइल दागी और यह पहली बार है जब तेहरान समर्थित हूती विद्रोही समूह का 2014 से कब्जा है। समूह ने इजराइल के खिलाफ हमला किए जाने की तत्काल पुष्टि नहीं की। हूती विद्रोही इस युद्ध से अब तक दूर रहे हैं। दरअसल 2015 में यमन की निर्वासित सरकार की ओर से इस समूह के खिलाफ युद्ध करने वाले सऊदी अरब एवं विद्रोहियों के बीच वर्षों से एक असहज संघर्षविराम की स्थिति है। इस बीच, इजराइल ने ईरान के खिलाफ हमले तेज करने और उनका दायरा बढ़ाने की धमकी देने के कुछ घंटे बाद उसके परमाणु केंद्रों पर हमला किया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया और सऊदी अरब में एक सैन्य अड्डे पर हमला किया। ईरान ने कहा कि अपने आधारभूत ढांचे पर हमले का कड़ा जवाब देगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले का देंगे कड़ा जवाब : ईरान

ईरानी हमले में 24 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल

दुबई। सऊदी अरब के एक हवाई अड्डे पर पिछले सप्ताह ईरानी हमलों में 24 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हो गए हैं। इस बारे में जानकारी रखने वाले दो व्यक्तियों ने यह खुलासा किया है। दोनों व्यक्तियों ने यह जानकारी अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर दी क्योंकि वे टिप्पणी करने के लिए अधिकृत नहीं थे। ईरान ने शुक्रवार को सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान हवाई अड्डे पर छह बैलिस्टिक मिसाइल और 29 ड्रोन दागे, जिसमें कम से कम 15 सैनिक घायल हो गए, जिनमें से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने शुरू में बताया था कि कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हैं। मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्तियों के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में भी इस अड्डे पर दो बार हमले हुए थे, जिनमें से एक घटना में 14 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए थे।

सऊदी, मिस्र और तुर्किये के विदेशमंत्री जाएंगे पाकिस्तान

इस्लामाबाद। ईरान के साथ जारी युद्ध की वजह से पश्चिम एशिया में उत्पन्न संकट पर चर्चा करने के लिए पाकिस्तान ने सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्रियों का आमंत्रित किया है। विदेश विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। विदेश कार्यालय ने बताया कि पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के निमंत्रण पर सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान और मिस्र के विदेश मंत्री बदर अब्देलट्टी रविवार और सोमवार को इस्लामाबाद का दौरा करेंगे। बयान के मुताबिक इस यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री क्षेत्र में तनाव कम करने के प्रयासों सहित कई मुद्दों पर गहन चर्चा करेंगे। विदेश कार्यालय ने बताया कि तीनों देशों के विदेशमंत्री अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात करेंगे। बयान के मुताबिक पाकिस्तान सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र जैसे मित्र देशों के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है, और यह यात्रा इन देशों के साथ पाकिस्तान के सहयोग और समन्वय को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

जर्मनी के चांसलर ने ईरान युद्ध पर की ट्रंप के रुख की निंदा

बर्लिन। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने ईरान युद्ध के मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये की तीखी आलोचना की है। जर्मन प्रेस एजेंसी ने यह जानकारी दी। मर्ज ने शुक्रवार देर रात फ्रैंकफर्ट में एक कार्यक्रम में कहा कि ट्रंप अभी जो कर रहे हैं, वह तनाव कम करने और शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने की कोशिश नहीं है बल्कि बड़े पैमाने पर तनाव बढ़ाने वाला ऐसा रुख है जिसके अनिश्चित परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि ये तनाव बढ़ाने वाले ऐसे कदम हैं, जो खतरनाक हैं... न केवल सीधे तौर पर प्रभावित लोगों के लिए, बल्कि हम सभी के लिए। मर्ज ने इस बात पर भी संदेह जताया कि ईरान के मौजूदा नेतृत्व को युद्ध के जरिये हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्या वास्तव में सत्ता परिवर्तन ही लक्ष्य है?...अगर यही लक्ष्य है तो मुझे नहीं लगता कि वे इसे हासिल कर पाएंगे।

मेरी विरासत एक महान शांतिदूत के रूप में दर्ज होगी तो मुझे अच्छा लगेगा : ट्रंप

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत-पाकिस्तान समेत आठ युद्ध रुकवाने का फिर किया दावा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल भारत एवं पाकिस्तान समेत आठ युद्ध रुकवाने का एक बार फिर दावा करते हुए कहा है कि वह चाहेंगे कि उनकी विरासत एक महान शांतिदूत के रूप में बने। ट्रंप ने मियामी में सऊदी समर्थित 'फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) प्रायोरिटी समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता करने की एक शर्त होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोला जाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेल आपूर्ति के लिए समुद्र में पहुंच बहाल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, हम अभी बातचीत कर रहे हैं और अगर हम कुछ कर सकें तो यह बहुत अच्छा होगा लेकिन उन्हें इसे खोलना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपना यह दावा दोहराया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा, कंबोडिया और थाईलैंड, मिस्र और इथियोपिया, सर्बिया और कोसोवो तथा इजराइल और हमास के बीच युद्ध समेत आठ युद्ध रुकवाने में मदद की। ट्रंप ने कहा कि मैं चाहूंगा कि मेरी विरासत एक महान शांतिदूत के रूप में बने क्योंकि मैं सचमुच मानता हूं कि मैं शांतिदूत हूं। अभी ऐसा नहीं लगता लेकिन मेरा मानना है कि मैं शांति स्थापित करने वाला हूं। उन्होंने कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाया। वे एक हफ्ते से लड़ रहे थे।

ओडिशा में बस पलटने से पांच की मौत, 30 घायल

भुवनेश्वर, एजेंसी

ओडिशा के नयागढ़ जिले में शुक्रवार देर रात एक पर्यटक बस के पलटने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना कल देर रात करीब दो बजे हुई, जब 55 यात्रियों को ले जा रही बस दासपल्ला के हनुमान घाटी रोड पर पलट गई।

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना का कारण वाहन की गति तेज होने

- नयागढ़ जिले में पर्यटक बस हुई हादसे का शिकार, बस पर सवार थे कुल 55 यात्री

का संदेह है। पुलिस ने बताया कि बस हनुमान घाटी रोड पर मोड़ लेते समय पलट गई। मृतकों की पहचान हरि पात्रा, उनकी पत्नी लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, उनकी बेटी सुमति और चालक प्रबीन कुमार साहू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सभी ब्रह्मपुर के निवासी थे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा भी की है। उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिडा ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि नयागढ़ जिले के दासपल्ला के पास एक पर्यटक बस दुर्घटना में कई यात्रियों की जान जाने की खबर सुनकर मैं बहुत दुखी और व्याकुल हूं। घायल यात्रियों में से एक आर्य पात्रा ने आरोप लगाया कि वाहन तेज गति से चल रहा था। उन्होंने कहा कि घाट रोड पर बस बहुत तेज गति से चल रही थी।

जयशंकर ने वैश्विक मुद्दों पर की फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से बात

पेरिस, एजेंसी

- जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस पहुंचे हैं विदेश मंत्री

विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने यहां जी7 विदेश मंत्रियों के शिखर सम्मेलन से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर तात्कालिक वैश्विक मुद्दों पर वार्ता की। कहा कि वह चर्चा तथा उनकी अंतर्दृष्टियों को महत्व देते हैं।

जयशंकर ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि बीती रात फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से मैक्रों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने कहा कि चर्चा और उनकी अंतर्दृष्टियों को महत्व देता हूं। वह बृहस्पतिवार को फ्रांस के अब्बे डे वॉक्स-डे-सर्ने में, साझेदार देशों के साथ जी7 विदेश मंत्रियों की दो-दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। हालांकि, भारत जी7 का सदस्य नहीं है, फिर भी इस शक्तिशाली समूह के मौजूदा अध्यक्ष फ्रांस ने उसे एक भागीदार देश के तौर पर आमंत्रित किया है। बृहस्पतिवार को फ्रांस में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर ने ग्लोबल साउथ के देशों की ऊर्जा, खाद्य और ईंधन सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को उठाया, और वैश्विक शासन सुधारों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। विदेश मंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न अनिश्चितताओं की पृष्ठभूमि में व्यापार गलियारों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के महत्व पर भी बात की।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। मन में कई सारे विचार आने के कारण अस्थिरता का भाव रहेगा।

वृष — आज नई जिम्मेदारियां आयेंगी। धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। एकाग्रचित होकर काम करने से सफलता मिलेगी।

मिथुन — आज परिजनों के रूखे व्यवहार से मन दुखी हो सकता है। दांतों के रोग परेशान कर सकते हैं। विद्यार्थियों को मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा।

कर्क — आज व्यवसाय में बिक्री बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा। आय के नवीन साधन विकसित होंगे। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा।

सिंह — आज जीवनसाथी को अनावश्यक खर्चों से बचना चाहिए। बजट का ध्यान रखते हुये ही काम करें। आपको अस्पताल भी जाना पड़ सकता है।

कन्या — आज इंजीनियरिंग के छात्रों की जॉब मिल सकती है। लेखन कार्य से जुड़े लोगों की रचनात्मकता में वृद्धि होगी।

तुला — आज रुके हुए अधिकतम कार्य गति में आ जायेंगे। अपने काम पर ध्यान केन्द्रित रखें। मित्रों की सहायता से पीछे न हटें।

वृश्चिक — आज आपका स्वभाव लोगों के लिए प्रेरणा बनेगा। व्यापार में बड़ा रिस्क लेने से बचें। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आपके सम्बन्ध कमजोर हो सकते हैं।

मकर — आज घर में महत्वपूर्ण व्यक्तियों का आगमन हो सकता है। बिजनेस में आप बड़ी उपलब्धि अर्जित कर सकते हैं।

कुंभ — आज समाज में आपका नाम बढ़ेगा। जटिल समस्याओं का व्यवहारिक समाधान ढूंढ लेंगे। सेहत का विशेष ध्यान रखें।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में सभी काम बिना किसी रुकावट के पूर्ण होंगे। नए कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

आईआईटी खरगपुर शुरू करेगा एमडी कोर्स, मांगी मंजूरी

कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खरगपुर ने स्नातकोत्तर डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के पास आवेदन किया है। संस्थान के निदेशक सुमन चक्रवर्ती ने शनिवार को कहा कि यदि प्रस्ताव को केंद्र की मंजूरी मिल जाती है तो यह पहला आईआईटी होगा जो स्नातकोत्तर चिकित्सा कार्यक्रम शुरू करेगा। चक्रवर्ती ने कहा कि आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 मार्च है और हमने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की मंजूरी के लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब संबंधित मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

प्रस्तावित स्नातकोत्तर कार्यक्रम 20 सीटों के साथ शुरू किया जाएगा। चक्रवर्ती ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है लेकिन अंतिम निर्णय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पास है क्योंकि यह एक अंतर-मंत्रालयी निर्णय है। उन्होंने कहा, हमने एमडी कार्यक्रम में छात्रों को पढ़ाने के लिए पहले ही 20 चिकित्सकों की नियुक्ति कर दी है। चक्रवर्ती ने कोई निश्चित समय-सीमा बताने से इनकार किया।

भारत के साथ रिश्तों को नई गति देगा नेपाल

काठमांडू। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने भारत के साथ रिश्तों को नई गति देने की इच्छा जाहिर करते हुए शनिवार को कहा कि वह भारत संग घनिष्ठता के साथ काम करने को उत्सुक हैं।

शपथ ग्रहण के बाद शुभकामनाएं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया। शुक्रवार को शपथ ग्रहण के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने शाह को

- पीएम बालेंद्र शाह बोले-भारत संग घनिष्ठता से काम करने को उत्सुक

बधाई देते हुए कहा था कि वह नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ मिलकर भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के लिए काम करने के उत्सुक हैं। मोदी के संदेश के जवाब में नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, आपके स्नेहपूर्ण शब्दों और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं हमारे दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने और हमारी जनता की साझा समृद्धि के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। क्षेत्रीय रणनीतिक दृष्टि से नेपाल, भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण देश माना जाता है, और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग को इस परिप्रेक्ष्य में खास अहमियत दी जाती है।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

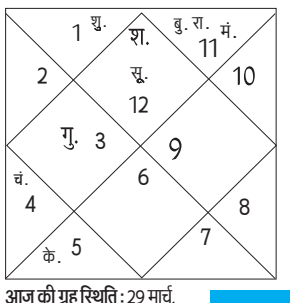

आज की ग्रह स्थिति : 29 मार्च, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07.46 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 14.38 तक तत्पश्चात मघा।

सुडोकू - 102 का हल

1	4	9	2	5	8	7	6	3
6	2	8	7	3	1	9	5	4
5	7	3	6	4	9	2	8	1
7	3	6	1	9	4	5	2	8
8	9	4	5	2	3	1	7	6
2	5	1	8	7	6	3	4	9
4	6	5	3	1	2	8	9	7
9	1	7	4	8	5	6	3	2
3	8	2	9	6	7	4	1	5

सुडोकू -103

	3			5		2		
4				9			1	
	2				6	8		7
		4			2			1
	8					9	7	
6			9			3		
7		1	8				3	
	4			7				9
		5		4			2	

रिपोर्ट

साल 1990 से 2023 की अवधि के लिए किए गए वैश्विक विश्लेषण में दावा

देश में मातृ मृत्यु दर में लगभग 80 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत की प्रगति को मिली वैश्विक मान्यता

सूत्र ने कहा कि मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी प्रगति को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है और संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 1990 के बाद से एमएमआर में 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जो वैश्विक औसत 48 प्रतिशत से कहीं अधिक है। यह उपलब्धि 2030 तक एमएमआर को 70 से नीचे लाने के सतत विकास लक्ष्यों के मानक को पूरा करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, 2023 में पूरी दुनिया में कुल 2.4 लाख मातृ मृत्यु हुई, जिसका मतलब है कि हर एक लाख जीवित जन्मों पर 190.5 माताओं की मौत हुई। यह 1990 में प्रति एक लाख जन्मों पर 321 मातृ मृत्यु से एक तिहाई से ज्यादा कम है।

भारत में मातृ मृत्यु दर 1990 के मुकाबले 2023 में लगभग 80 प्रतिशत कम हो गई। इस दौरान यह दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 508 से घटकर 116 हो गई। एक नई रिपोर्ट में यह बात आई है।

द लांसेट ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी एंड वीमेन्स हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक नई वैश्विक विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2023 में कुल 24,700 मातृ मृत्यु के मामले दर्ज किए गए, जिससे मातृ मृत्यु अनुपात प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 116 रहा। अनुमानों के अनुसार, इसी वर्ष पाकिस्तान में कुल 10,300 मातृ मृत्यु के मामले सामने आए, जबकि अफ्रीकी देशों इथियोपिया और नाइजीरिया में क्रमशः 11,900 और 32,900 मातृ मृत्यु दर्ज की गईं। वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के शोधकर्ताओं और वैश्विक सहयोगियों के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में कहा गया है कि पिछले तीन दशकों में मातृ मृत्यु में कमी आई है, लेकिन हाल के वर्षों में प्रगति की रफ्तार धीमी पड़ी है और यह विभिन्न देशों में असमान बनी हुई है। उन्होंने बताया कि 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) अध्ययन 2023 तक 204 देशों और क्षेत्रों में मातृ मृत्यु दर के रुझानों का सबसे अद्यतन वैश्विक आकलन प्रस्तुत करता है। नवीनतम नमूना पंजीकरण प्रणाली 2021-23 के अनुसार, देश में मातृ मृत्यु दर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 88 है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि यह आंकड़ा सुरक्षित गर्भावस्था और प्रसव सुनिश्चित करने की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है।

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 29 मार्च 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026

आज का मुकाबला

कोलकाता नाइट राइडर्स
बनाम
मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के लिए ठुकराई थी पेशकश : बटलर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के सफेद गेंद के क्रिकेट में बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक जोस बटलर का कहना है कि उन्होंने काम और निजी जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के लिए कभी कभी कुछ टी20 फ्रेंचाइजी लीग की पेशकश को ठुकराया भी है। कितना क्रिकेट बहुत ज्यादा होता है, इस पर बटलर ने कहा कि यह पूरी तरह व्यक्ति पर निर्भर करता है। बटलर सितंबर में 36 साल के हो जाएंगे लेकिन वह अब भी इंग्लैंड के लिए सफेद गेंद की जिम्मेदारी उठा रहे हैं और साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लगातार 11वें सत्र में लोकप्रिय टी20 बल्लेबाज के तौर पर भी खेल रहे हैं। गुजरात टाइटंस के साथ उनका यह दूसरा सत्र होगा।

स्टार्क ने आलोचकों पर साधा निशाना

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2026 में अपने देरी से पहुंचने को लेकर चल रही बातों पर आलोचकों पर निशाना साधा और स्पष्ट किया कि सत्र की शुरुआत में उनकी अनुपस्थिति दिल्ली कैपिटल्स के प्रति प्रतिबद्धता की कमी वजह से नहीं बल्कि चोट प्रबंधन के कारण है। बायें हाथ का यह तेज गेंदबाज अभी तक भारत नहीं पहुंचा है। इससे वह दिल्ली कैपिटल्स के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। इससे विदेशी खिलाड़ियों की अपनी फ्रेंचाइजी के लिये प्रतिबद्धता को लेकर बहस छिड़ गई है। इस बढ़ती आलोचना पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए स्टार्क ने शनिवार को एक बयान में कहा, भारतीय मीडिया में कुछ लोगों द्वारा अपने-अपने मंचों के जरिए दी गई राय और विचारों के बावजूद, बताना चाहता हूं कि मैं फिलहाल अपने कंधे और कोहनी की चोट से उबरने और प्रबंधन की प्रक्रिया में हूं जिसकी गंभीरता का मुझे गर्मियों के सत्र के दौरान अंदाजा नहीं था।

जर्मनी ने स्विस टीम को हराया

लंदन। फ्लोरियन विट्र्ज़ ने दो गोल किए और दो गोल में मदद की, जिससे जर्मनी ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए विश्व कप फुटबॉल से पहले के मैत्री मैच में स्विट्जरलैंड को 4-3 से हराया जबकि मिकेल ओयार्ज़ाबल के दो गोल की मदद से स्पेन ने सर्बिया को 3-0 से पराजित किया। अन्य मैचों में बेन व्हाइट ने इंग्लैंड की टीम में वापसी करते हुए गोल किया लेकिन फिर स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी दे दी, जिससे इंग्लैंड ने उरुग्वे के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला, जबकि नीदरलैंड ने एम्स्टर्डम में नॉर्वे को 2-1 से हराया। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल का व्हाइट का चयन करना चौंकाने वाला था, क्योंकि चार साल पहले वह विश्व कप के बीच में ही अपने साथियों को छोड़कर चले गए थे। जब मैच में 21 मिनट बचे हुए थे तब आर्सेनल के डिफेंडर फिकायो टोमोरी की जगह उन्हें मैदान पर उतारा गया।

विराट की पारी से आरसीबी ने जीत से किया शुभारंभ

आईपीएल-2026 : सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हराया

बेंगलुरु, एजेंसी

देवदत्त पडिक्कल के 26 गेंद में 61 रन और विराट कोहली के नाबाद अर्धशतक की मदद से गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 सत्र की शुरुआत शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद पर छह विकेट से जीत के साथ की। पडिक्कल और कोहली (38 गेंद में नाबाद 69) के बीच दूसरे विकेट के लिये सिर्फ 45 गेंद में 101 रन की साझेदारी की मदद से आरसीबी ने जीत के लिये 202 रन के लक्ष्य के जवाब में 15.4 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए।

फिल साल्ट के जल्दी आउट होने के बाद कोहली और पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पडिक्कल ने तेज गेंदबाज डेविड पेन के एक ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाया जबकि स्पिनर हर्ष दुबे को लगातार चौका छक्का जड़ा। उन्होंने हर्षल पटेल को चौका लगाकर सिर्फ 21 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर कोहली ने तेज गेंदबाजों जयदेव उनादकट और ऐशान मलिंगा को नसीहत दी । पावरप्ले में आरसीबी ने 76 रन बना लिये थे और सौ रन 8.1 ओवर में बन गए। पडिक्कल को हेनरिच क्लासेन ने पवेलियन भेजा जिन्होंने हर्षल की गेंद पर पहले लांग आन में कोहली का कैच टपकाया था जब वह 28 रन पर थे। कोहली ने 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वहीं आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने 12 गेंद में 31 रन बनाए। कोहली ने आखिर में 16वें ओवर में हर्षल की चार गेंदों पर छक्का और तीन चौके लगाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

अभिषेक शर्मा का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते जैकब डफी।

इससे पहले कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन के 38 गेंद में 80 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने नौ विकेट पर 201 रन बनाए। ईशान ने अपनी पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाए। उन्होंने चौथे विकेट के लिये हेनरिच क्लासेन (31) के साथ 97 रन की साझेदारी की। आरसीबी के कप्तान पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर करीब दस महीने बाद क्रिकेट की वापसी हुई है। पिछले साल आरसीबी के पहली बार खिताब जीतने के बाद जश्न में मची भगदड़ के दौरान 11 प्रशंसकों की मौत होने से इस मैदान पर क्रिकेट नहीं हो रहा था। आरसीबी के लिये जैकब डफी ने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने अपने कद का पूरा इस्तेमाल करते हुए बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। अभिषेक शर्मा (सात) खुलकर खेल नहीं सके हालांकि उन्होंने डफी को बैकवर्ड प्वाइंट पर छक्का लगाया था। शॉर्ट गेंद के सामने हमेशा असहज होने वाले अभिषेक ने डफी की गेंद पर विकेट के पीछे जितेश शर्मा को कैच थमाया । इससे पहले शुरूआती ओवर में ही अभिषेक को डफी की ही गेंद पर विकेट के पीछे लपके जाने की अपील पर आरसीबी ने एक डीआरएस रिव्यू गंवा दिया था।

सनराइजर्स हैदराबाद

201/9 (20 ओवर)

ट्रेविस हेड का साल्ट बो डफी	11
अभिषेक शर्मा का शर्मा बो डफी	07
ईशान का साल्ट बो अभिनंदन	80
नीतिश रेड्डी का अभिनंदन बो डफी	01
क्लासेन का साल्ट बो शेफर्ड	31
सलिल का पडिक्कल बो सुयश	09
अनिकेत का कोहली बो शेफर्ड	43
हर्ष दुबे का पडिक्कल बो शेफर्ड	03
हर्षल का पडिक्कल बो कुमार	00
डेविड पेन नाबाद	06
जयदेव उनादकट नाबाद	04

गेंदबाजी : डफी 4-0-22-3, भुवनेश्वर 4-0-31-1, अभिनंदन 3-0 -38-1, शेफर्ड 4-0-54-3, सुयश 3-0-28-1, कृणाल 2-0-26-0

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

203/4 (15.4 ओवर)

फिल साल्ट का क्लासेन बो उनादकट	08
विराट कोहली नाबाद	69
पडिक्कल का क्लासेन बो दुबे	61
रजत पाटीदार का दुबे बो पेन	31
जितेश शर्मा का उनादकट बो पेन	00
टिम डेविड नाबाद	16

गेंदबाजी : रेड्डी 2-0-19-0, उनादकट 3-0-29-1, पेन 3-0-35-2, दुबे 3-0-35-1, मलिंगा 2-0-35-0, पटेल 2 .4-0-39-0

80 रनों की तूफानी पारी ईशान किशन ने 38 गेंदों में खेली जिसमें आठ चौके और पांच छक्के शामिल हैं

मैच से पहले 2025 में हुई भगदड़ के मृतकों को श्रद्धांजलि देते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी व सदस्य। एजेंसी

मैच से पहले खिलाड़ियों और अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर दी श्रद्धांजलि

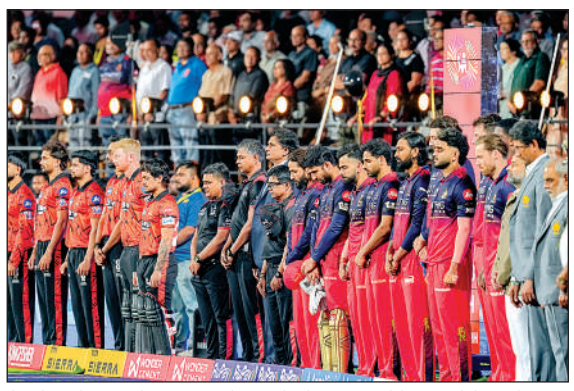

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले मैच से पहले खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर उन 11 प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जिनकी पिछले साल हुई भगदड़ में जान चली गई थी। पिछले साल जून में आरसीबी के पहले आईपीएल खिताब की जीत के जश्न के दौरान शहर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ में यह अप्रिय घटना हुई थी। जश्न मनाने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी और गेट पर बहुत ज्यादा भीड़ हो गई जिससे भगदड़ मच गई जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और 11 लोगों की मौत हो गई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रशंसकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए आईपीएल 2026 का उद्घाटन समारोह को पहले ही रद्द कर दिया था। श्रद्धांजलि के तौर पर स्टेडियम की 11 सीटों को हमेशा के लिए खाली रखने का फैसला किया गया है। ये सीटें इस

स्टेडियम में होने वाले भविष्य के सभी आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान हमेशा खाली रहेंगी। पहले मैच के दिन राज्य के गृह मंत्री और केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने स्टेडियम के अंदरूनी प्रवेश द्वार के पास एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। मैच से पहले वार्म-अप के दौरान आरसीबी के सभी खिलाड़ियों ने 11 नंबर वाली जर्सी पहनी थी। इस दुखद घटना के बाद भीड़ प्रबंधन के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए लगभग सात करोड़ रुपये का निवेश किया गया।

सुझाव लेने के प्रति पंत की खुली सोच से बनता है सकारात्मक माहौल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने ऋषभ पंत की नेतृत्वक्षमता की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का कप्तान सुझाव लेने की प्रति खुली सोच रखता है जिससे टीम के अंदर सकारात्मक माहौल पैदा होता है। एलएसजी के पास मार्श और एडन मार्करम के रूप में दो अंतरराष्ट्रीय कप्तान हैं। मार्श ने पीटीआई से साक्षात्कार में कहा बात बस इतनी सी है कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें, ऋषभ को हर संभव सहयोग दें। वह एक बेहतरीन युवा खिलाड़ी है जो अपनी टीम का नेतृत्व बखूबी करता है। वह हमेशा फीडबैक और सुझाव लेने के लिए तैयार रहता है और उस पर अमल भी करता है। उन्होंने कहा हमारी टीम में कुछ बहुत अच्छे नेतृत्वकर्ता हैं जो काफी महत्व रखते हैं।

जीत के साथ आगाज करने उतरेगा मुंबई

- कमजोर दिख रही केकेआर के खिलाफ मुकाबला आज

मुंबई, एजेंसी

खेल के सभी विभागों में मजबूत दिख रही मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पांच साल के खिताब के सूखे को खत्म करने के लिए रविवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगी, जिसकी टीम कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से कमजोर नजर आ रही है।

मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के बीच पांच बार खिताब जीता था लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों से चैंपियन नहीं बन पाया है। इस बार उसकी निगाह अपना छठा खिताब जीतने पर होगी और इसके लिए वह शानदार शुरुआत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। पिछले साल हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम क्वालीफायर दो में पंजाब किंग्स से हारने के बाद तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन मुंबई इंडियंस इस बार अच्छी तैयारी के साथ मैदान पर उतर रहा है।

रोहित शर्मा फॉर्म में वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। रोहित के अलावा उसकी टीम में कई स्टार खिलाड़ी हैं जिनमें भारत की टी20

वानखेड़े स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक (बाएं) और अन्य खिलाड़ी। एजेंसी

विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी कप्तान सूर्यकुमार यादव, पंड्या, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं। मुंबई इंडियंस के पास कई शानदार विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर, विल जैक्स, एएम ग़ज़नफ़र और ट्रेंट बोल्ट प्रमुख हैं। बुमराह और बोल्ट की जोड़ी खतरनाक साबित हो सकती है। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर के रूप में मुंबई इंडियंस के पास दो अनुभवी भारतीय गेंदबाज हैं, जबकि नमन धीर एक बार फिर फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाने की कोशिश करेंगे। पिछले साल उन्होंने अपनी इस भूमिका के साथ पूरा न्याय किया था।

इसलिए मुंबई के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंतिम एकादश में उचित संयोजन तैयार करना होगा। उसकी टीम शुरुआत में कुछ मैच जीतने के लिए प्रतिबद्ध होगी क्योंकि अक्सर वह अच्छी शुरुआत करने में नाकाम रही है। मुंबई में खेलने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स में कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के रूप में कुछ स्थानीय खिलाड़ी भी नजर आएंगे लेकिन उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है जिसका मुंबई इंडियंस पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। नीलामी के समय केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा था लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर कर दिया था जबकि उसके दो भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

जिंबॉब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी प्रतिभाशाली हैं लेकिन उन पर दबाव हो सकता है। ऐसे में गेंदबाजी विभाग की बड़ी जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती को निभानी पड़ेगी जो टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। केकेआर की टीम में सीएसके के दो पूर्व खिलाड़ी रचिन रविंद्र और मथीशा पथिराना भी शामिल हैं। टिम सीफर्ट विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर एकमात्र शुरुआती विकल्प हैं, जबकि उनके पास कैमरन ग्रीन और सुनील नारायण के रूप में दो बेहतरीन ऑलराउंडर भी मौजूद हैं।

टीम

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मो. इजहार, रघु शर्मा।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलन, तेजस्वी दहिया (विकेटकीपर), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रवींद्र, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, मथीशा पथिराना, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती।

चोटिल एमएस धोनी आईपीएल के पहले दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दो सप्ताह में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीएसके ने बयान में कहा महेंद्र सिंह धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इस कारण उनका आईपीएल 2026 के पहले दो सप्ताह में खेलने की संभावना नहीं है। धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो

जाता है। रुतुराज गायकवाड़ हालांकि टीम के कप्तान हैं, लेकिन टीम की रणनीति धोनी के इर्द-गिर्द ही घूमती है। वह आईपीएल की शुरुआत से ही इस टीम से जुड़े हुए हैं। धोनी ने पिछले आईपीएल में 14 मैच खेले थे और निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए फिनिशर की भूमिका निभाई थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से उन्हें घुटने की समस्या से बार-बार जूझना पड़ा है और 2023 में उनकी सर्जरी भी हुई थी।

मियामी ओपन

तीन वर्षों में टूर्नामेंट का अपना दूसरा खिताब जीतने के लिए आज करेंगे मुकाबला, पिछले साल नहीं कर पाए थे प्रतिभाग

सिनर दूसरी बार फाइनल में, अब मुकाबला लेहेका से

मियामी गार्डन्स (अमेरिका), एजेंसी

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने एक साल पहले मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब इटली का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने और 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' जीतने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के करीब है।

सिनर ने शुक्रवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज़्वेरेव पर

6-3, 7-6 (7-4) से जीत हासिल करके मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने कहा यहां आकर अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य था। मेरे लिए दोबारा फाइनल में पहुंचना बहुत मायने रखता है। यह शानदार सफर रहा है और मैं बहुत खुश हूं। सिनर ने ज्वेरेव को लगातार सात बार हराया है और एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार 32 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया है।

हार्डकोर्ट पर शानदार प्रदर्शन करने वाले सिनर ने 15 मार्च को इंडियन वेल्स में दानिल मेदवेदेव को हराकर सनशाइन डबल का पहला चरण जीता था। रविवार को होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला 21वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका से होगा और वह इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे। सिनर ने 2024 से मियामी में लगातार 11 मैच जीते हैं। सिनर का लेहेका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 3-0 का है, उन्होंने आखिरी बार 2025 में फ्रेंच ओपन में उन्हें हराया था।

लेहेका ने सेमीफाइनल में 28वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर में पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। लेहेका के चेक गणराज्य के साथी जैकब मेनसिक ने पिछले साल मियामी ओपन जीता था।

नोवाक जोकोविच ने मोंटेकार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया

मोनाको। नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे। जोकोविच के कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, पर दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है।

भगवान महावीर स्वामी
जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर
अमृत विचार का E-Paper Subscription
Subscribe करने के लिए Scan करें

03 महीने के लिए
FREE
BAREILLY I LUCKNOW I KANPUR I MORADABAD I AYODHYA I HALDWANI